RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

बोकारो, रविवार

05.7.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 253

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

इच्छाशक्ति, कूटनीति और रिफाइनिंग क्षमता से भारत ऊर्जा संकट से उबरा : मोदी

एजेंसी, बालोतरा

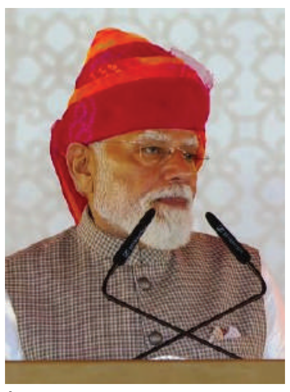

प्रधानमंत्री ने देश का पहला ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स राष्ट्र को समर्पित किया

एजेंसी, जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को बाड़मेर के पचपदरा में देश की पहली ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही, जयपुर मेट्रो फेज-2 सहित 1 लाख 5 हजार करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर उन्होंने एलपीजी टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समारोह के दौरान उन्होंने राजकीय सेवा में नवनियुक्त युवाओं को अभिनंदन पत्र भी सौंपे। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने तेल का संकट का जिक्र करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में युद्ध की वजह से पूरी दुनिया हाहाकार मचा है। हर देश त्रस्त है, इस युद्ध ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया। बड़े-बड़े देश आज ईंधन की किल्लत से जूझ रहे हैं, 21वीं सदी के सबसे ऊर्जा संकट पर भारत के प्रयास भारी पड़े हैं। भारत ने हर स्तर पर सही फैसले लिए। संकट का समय रहते सटीक आकलन किया, प्रभावी रणनीति बनाई। भारत के संसाधनों का सही प्रयोग किया, तब जाकर भारत संकट से उबर पाया है। राजस्थान रिफाइनरी के लोकार्पण पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राजस्थान की इस धरती से भारत ने आत्मनिर्भर होने की दिशा में बहुत बड़ा कदम उठाया है। ये रिफाइनरी यहां हजारों लोगों के रोजगार का माध्यम बनेगी। आज का दिन साक्षी है कि भाजपा सरकारें परियोजनाओं को सिर्फ केवल शिलान्यास करके नहीं छोड़ती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण 21वीं सदी का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा हुआ लेकिन नए भारत की इच्छाशक्ति, समय पर लिए गए फैसलों, प्रभावी रणनीति, संसाधनों के संतुलित उपयोग और कूटनीतिक ताकत के दम पर देश इस संकट से सफलतापूर्वक बाहर निकल आया। उन्होंने कहा कि जब दुनिया के कई देश ईंधन संकट और बढ़ती कीमतों से जूझ रहे थे, तब भारत ने पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता तथा कीमतों को नियंत्रित रखा। राजस्थान के बालोतरा में लगभग 1.06 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सार्वजनिक तौर पर कुछ लोग अफवाहें और आशंकाएं फैला रहे थे, तब सरकार दिन-रात हालात संभालने, नीतिगत और कूटनीतिक स्तर पर फैसले लेने तथा संकट से देश को बाहर निकालने में जुटी थी। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का इतिहास कभी न कभी जरूर लिखा जाएगा। मोदी ने कहा कि युद्ध के कारण घरेलू एलपीजी, पेट्रोल और डीजल पर बड़ा संकट खड़ा हो गया था। उन्होंने बताया कि भारत की लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आवश्यकता आयात से पूरी होती थी और उसमें से 90 प्रतिशत आपूर्ति खाड़ी देशों से होर्मुज़ मार्ग के जरिए आती थी, जो युद्ध जैसे हालात के कारण लगभग रुक गई। इसके बाद सरकार ने रिफाइनरियों की क्षमता का बेहतर उपयोग करने का फैसला किया। जिन रिफाइनरियों में पहले अन्य उत्पाद बनाए जाते थे, उन्हें एलपीजी उत्पादन के निर्देश दिए गए और सात दिनों के भीतर घरेलू एलपीजी उत्पादन 35 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन से बढ़कर 54 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन हो गया। जिन रिफाइनरियों ने पहले कभी एलपीजी का उत्पादन नहीं किया था, उन्हें भी इसके लिए तैयार किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि रसोई गैस की पूरी मांग का बोझ केवल एलपीजी पर न पड़े। इसके लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन बढ़ाने का अभियान चलाया गया और बहुत कम समय में 11 लाख से अधिक घरों को पीएनजी से जोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार संकट के दौरान घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत दो हजार रुपये तक पहुंच सकती थी लेकिन सरकार ने इसे 950 रुपये से कम कीमत पर उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई और आयात के रास्ते भी बाधित हो गए। दुनिया के अनेक देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 40 से 50 प्रतिशत तक वृद्धि हुई तथा कई देशों में ईंधन की राशनिंग करनी पड़ी लेकिन भारत में एक दिन के लिए भी ऐसी स्थिति नहीं आई। मोदी ने कहा कि अप्रैल से जून के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को अकेले 75 हजार करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा, जो एक नई रिफाइनरी बनाने की लागत के बराबर है लेकिन सरकार ने यह बोझ जनता पर नहीं पड़ने दिया।

केंद्र ने 17 पाकिस्तानियों समेत 23 और दहशतगर्दों को घोषित किया आतंकवादी

एजेंसी, नई दिल्ली

आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत गृह मंत्रालय ने 23 और दहशतगर्दों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम-1967 (यूएपीए) के तहत आतंकवादी घोषित किया है। इस कार्रवाई के बाद यूएपीए की चौथी अनुसूची में नामित आतंकवादियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। घोषित 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और छह भारतीय नागरिक हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि इन आतंकवादियों को औपचारिक रूप से नामित किए जाने से उनके वित्तीय नेटवर्क, आवाजाही, भर्ती क्षमता और आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को और मजबूती मिलेगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 23 खूंखार आतंकवादियों को यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि ये आतंकवादी भारत विरोधी गतिविधियों, आतंकी हमलों, हथियारों की तस्करी, सीमा पार घुसपैठ, आतंकवादी संगठनों की मदद, धन जुटाने और आतंकवादियों की भर्ती में शामिल रहे हैं। शाह ने कहा कि मोदी सरकार भारत और उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर आतंकी मॉड्यूल को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार घोषित 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और छह भारतीय नागरिक हैं। सभी वर्तमान में पाकिस्तान अथवा पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) से भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। पाकिस्तानी आतंकवादियों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान, हाफिज अब्दुल शकूर, अब्दुल्ला जिहादी, गुलाम फरीद, अशफाक अहमद, मौलाना इमदाद उल्लाह मक्की और वसीम नूर जाट शामिल हैं। इसके अलावा अब्दुल रऊफ, हाफिज खालिद वालीद, मौलाना सैफुल्लाह खालिद, मोहम्मद याकूब, मौलाना यूसुफ ताईबी, कारी याकूब शेख, राणा इफ्तिखार और मोहम्मद शहीद फैसल लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जमात-उद-दावा (जेयूडी), फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (एफआईएफ), पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल), अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठनों से जुड़े बताए गए हैं। भारतीय आतंकवादियों में फिरदौस अहमद भट, हारून रशीद गनई, बिलाल अहमद मीर, आबिद कयूम लोन, नज़ीर अहमद गुज्जर और ओवैस फारूज़ शामिल हैं। इनमें फिरदौस अहमद भट, हारून रशीद गनई, आबिद कयूम लोन, नज़ीर अहमद गुज्जर और ओवैस फारूज़ लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हैं, जबकि बिलाल अहमद मीर लश्कर-ए-तैयबा के साथ-साथ द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से भी संबद्ध है।

दिल्ली समेत देश के अन्य क्षेत्रों में अगले दो-तीन दिनों तक हल्की बारिश के आसार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर के कुछ क्षेत्रों में शनिवार को मानसूनी बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया और यहां के लोगों को उमस भरी गर्मी से कुछ राहत मिली है। दिल्ली-एनसीआर के साथ ही देश के अन्य क्षेत्रों में अगले दो-तीन दिनों तक तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में रविवार और सोमवार को भी तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं, जिससे मौसम लगातार खुशनुमा बना रहेगा। इस दिन यहां का अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान है। आईएमडी के मुताबिक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का एक स्पष्ट क्षेत्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से अगले 4-5 दिनों तक देश के मध्य हिस्सों में मानसून के सक्रिय रहने की संभावना है। कोंकण और गुजरात क्षेत्र में अगले 3 दिनों के दौरान, महाराष्ट्र में अगले 2 दिनों के दौरान, सौराष्ट्र और ओडिशा के अलग-अलग क्षेत्रों में अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश होने के आसार हैं। उत्तर अरब सागर, गुजरात, हरियाणा और पंजाब के शेष हिस्सों में अगले 4 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं। उत्तर-पश्चिम भारत के 4-5 जुलाई और 9-10 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब सहित अन्य राज्यों में अगले 5-6 दिनों के दौरान कहीं-कहीं पर वर्षा होने का अनुमान है। मध्य भारत, पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर भारत, पश्चिम भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में अगले 6 दिनों के दौरान बारिश होने के आसार हैं। इन्हीं राज्यों के कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, तमिलनाडु, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पुडुचेरी, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना के कुछ क्षेत्रों में अगले 5-6 दिनों के दौरान तूफानी हवाएं चलने के आसार हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में रविवार के दौरान और असम, मेघालय में 5-7 जुलाई को गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति रहने की संभावना है।

केंद्र ने टेलीग्राम को पायरेसी के खिलाफ खुद से कार्रवाई करने को कहा, 15 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इंस्टैंट मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को नोटिस जारी कर पायरेसी के खिलाफ प्लेटफॉर्म स्तर पर कार्रवाई की करने को कहा है। इसमें बेहतर पहचान, पायरेटेड फिल्मों व ओटीटी कंटेंट को हटाना और चैनलों और समूहों जैसे बार-बार उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शामिल है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक टेलीग्राम को अपनी शिकायत निवारण और पायरेसी-विरोधी प्रणालियों पर 15 दिनों के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। निर्देश में इस बात पर जोर दिया गया है कि कॉपीराइट अधिनियम 1957 और सिनेमैटोग्राफ अधिनियम 1952 के तहत भारत में कॉपीराइट उल्लंघन एक दंडनीय अपराध है, जिसका उद्देश्य घरेलू फिल्म और ओटीटी उद्योग की सुरक्षा करना है। सरकार ने इससे पहले पायरेटेड सामग्री प्रसारित करने वाले 3 हजार से अधिक टेलीग्राम चैनलों के खिलाफ कार्रवाई की थी। टेलीग्राम को याद दिलाया गया है कि एक मध्यस्थ के रूप में उसे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और नियमों के तहत उचित सावधानी बरतनी आवश्यक है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि टेलीग्राम केवल सरकार द्वारा प्रत्येक पायरेसी चैनल की एक-एक करके पहचान करने का इंतजार नहीं कर सकता। पायरेटेड सामग्री की निरंतर उपलब्धता, टालमटोलपूर्ण अनुपालन या अपूर्ण प्रतिक्रिया लागू कानूनी ढांचे के तहत आगे की जांच और कार्रवाई को आमंत्रित कर सकती है।

खामेनेई की अंतिम विदाई में उमड़ा जनसैलाब, भावुक हुए दिग्गज नेता

एजेंसी, तेहरान

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम विदाई में शामिल होने के लिए देश-विदेश से गणमान्य व्यक्तियों और हजारों की संख्या में नागरिकों का सैलाब उमड़ पड़ा है। यह एक ऐसा क्षण है जिसने पूरे ईरान को शोक और भावुकता में डुबो दिया है, और इस दौरान देश के शीर्ष नेताओं की आंखें भी नम हो गईं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर गलिबाफ को फूट-फूटकर रोते हुए देखा गया, जो देश के सर्वोच्च धार्मिक और राजनीतिक व्यक्ति के निधन पर राष्ट्रव्यापी दुख का प्रतीक था।

आयतुल्लाह अली खामेनेई, जिन्होंने पिछले तीन दशकों से ईरान का नेतृत्व किया था, का अंतिम संस्कार 3 से 9 जुलाई तक चलने वाले एक विस्तृत कार्यक्रम के तहत किया गया। उनके अंतिम विदाई समारोह में ईरानी नेताओं के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्य भी शामिल थे, जिन्होंने शोक संतप्त राष्ट्र को अपना गहरा दुख व्यक्त किया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी कई देशों के मेहमानों ने ईरान पहुंचकर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत सरकार की ओर से बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्केरिटा ने विशेष प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। खामेनेई का निधन 28 फरवरी को तेहरान पर अमेरिका और इज़राइल के हवाई हमलों के पहले दिन हुआ था, जिसने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया था। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने इस दुखद अवसर पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। तेहरान के राज्यपाल मोहम्मद सादेग मोतामदियान ने इस पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजामों की पुष्टि की, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके और शोक का माहौल शांतिपूर्ण बना रहे। इस बीच, ईरान के शक्तिशाली सुरक्षा बल इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के प्रमुख अहमद वाहिदी ने एक कड़ा बयान जारी किया है।

लिवर संबंधी रोग और डायबिटीज को लेकर व्यापक जागरुकता जरूरी: डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत में लिवर रोग और टाइप 2 डायबिटीज मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके खतरों को देखते हुए मिशन मोड में जागरुकता जरुरी है। इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बाइलरी साइंसेस में शनिवार को लीवर एंड मेटाबोलिक डिजीज नेटवर्क की तीसरी वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ये बीमारियां अब युवाओं और किशोरों में भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसलिए इसे केवल चिकित्सा का विषय नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर की सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में देखना होगा। उन्होंने बताया कि फैटी लिवर, हाई ब्लड प्रेशर, असामान्य कोलेस्ट्रॉल (डिस्लिपिडीमिया) और इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसी बीमारियां आपस में जुड़ी हुई हैं और एक-दूसरे का खतरा बढ़ाती हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि भारत के लोगों में आनुवंशिक कारणों और पेट के आसपास अधिक चर्बी जमा होने की प्रवृत्ति के कारण अपेक्षाकृत कम वजन होने पर भी डायबिटीज़ और फैटी लिवर जैसी बीमारियों का खतरा अधिक रहता है। इसलिए भारतीय परिस्थितियों के अनुसार शोध और समाधान विकसित करना जरूरी है।

विधानसभा जन-आकांक्षाओं का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच, जनहित को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : ओम बिरला

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का शनिवार को विधानसभा भवन में समापन हो गया। समापन सत्र को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर. एन. रवि ने संबोधित किया। दोनों नेताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं और संवैधानिक दायित्वों के प्रभावी निर्वहन पर जोर देते हुए जनप्रतिनिधियों से सदन की गरिमा बनाए रखने का आह्वान किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने संबोधन में नव-निर्वाचित एवं वर्तमान विधायकों से कहा कि विधानसभा जन-आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे सदन की गरिमा और मर्यादा को बनाए रखते हुए तथ्यों पर आधारित सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा के माध्यम से जनता की अपेक्षाओं को पूरा करें। ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र की सफलता जनप्रतिनिधियों की सक्रिय, जिम्मेदार और रचनात्मक भूमिका पर निर्भर करती है। प्रभावी जनप्रतिनिधित्व के लिए विधायी प्रक्रियाओं, सदन के नियमों और संसदीय परंपराओं की गहन समझ अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रबोधन कार्यक्रम का उद्देश्य विधायकों की विधायी क्षमता का विकास करना और उन्हें सदन की कार्यवाही में अधिक प्रभावी एवं सार्थक भूमिका निभाने के लिए तैयार करना है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अध्ययनशील, अनुशासित और जनहित के प्रति समर्पित रहना चाहिए। सदन में प्रत्येक चर्चा और निर्णय का सीधा प्रभाव जनता के जीवन पर पड़ता है, इसलिए प्रत्येक विधायक को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ करना चाहिए। समापन सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल आर. एन. रवि ने भी लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और संविधान की भावना के अनुरूप कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही, पारदर्शिता और संविधान के प्रति निष्ठा पर आधारित होती है।

चंपत राय के बचाव में उतरे अयोध्या के संत, ट्रस्ट से इस्तीफा स्वीकार नहीं करने की अपील

एजेंसी, अयोध्या

श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (ट्रस्ट) के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच अयोध्या संत मंडल उनके समर्थन में उतर आया है। संतों ने ट्रस्ट से चम्पत राय का इस्तीफा स्वीकार नहीं करने की अपील की है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है, लेकिन इस पर अभी फैसला नहीं हुआ है। ट्रस्ट की छह जुलाई को अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की अध्यक्षता में एक बैठक आहूत की गई है, जिसमें उनके इस्तीफे पर विचार हो सकता है। बैठक से पहले संतों ने चंपत राय का समर्थन करते हुए उनका बचाव किया है। शनिवार को अयोध्या संत मंडल की एक बैठक हुई जिसके बाद संतों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। संतों ने कहा कि चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की रिपोर्ट आने तक किसी निष्कर्ष पर न पहुंचने की अपील की। महंत राघवेश दास दास वेदांती ने कहा कि दान राशि में गड़बड़ी के आरोपों की सच्चाई एसआईटी जांच के बाद ही सामने आएगी। उन्होंने मांग की कि ट्रस्ट से चंपत राय का इस्तीफा मंजूर न किया जाए। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे आगे आकर आय-व्यय का पूरा डेबिट-क्रेडिट सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि यदि लोगों के मन में सवाल हैं तो उनका जवाब भी ट्रस्ट की ओर से दिया जाना चाहिए। वेदांती ने कहा कि चंपत राय ने राम मंदिर आंदोलन और मंदिर निर्माण में वर्षों तक मेहनत की है। वह 1993 से अयोध्या में हैं। तब से चंपत राय को काम करते हुए देख रहे हैं। उनका कहना था कि जिन लोगों ने स्वयं निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी की मांग की है, उन्हें बिना जांच पूरी हुए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और आगे का फैसला होना चाहिए। संतों ने रामभक्तों से भी अपील की कि वे अफवाहों से बचें और जांच पूरी होने तक धैर्य रखें। संतों ने एक स्वर में कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर के दान प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए, लेकिन जांच पूरी होने से पहले किसी भी व्यक्ति को दोषी ठहराना उचित नहीं है।

बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए हजारों श्रद्धालु पवित्र गुफा की ओर अग्रसर

एजेंसी, नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा 2026 अपने शुभारंभ के बाद पूरी भव्यता के साथ जारी है। बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पवित्र गुफा की ओर बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में, तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था शनिवार को बालटाल और पहलगाम स्थित दो बेस कैंपों की ओर सुरक्षित रूप से रामबन जिले में पहुंचा। कड़ी सुरक्षा के बीच गुज़र रहे काफिले के लिए रामबन प्रशासन ने सुचारु ट्रैफिक प्रबंधन, साफ-सफाई, चिकित्सा सहायता और अन्य ज़रूरी सुविधाओं का पुख्ता इंतज़ाम किया था, ताकि यात्रा निर्बाध रूप से चालू रह सके। इसके पहले, यात्रा के दूसरे दिन 3,865 श्रद्धालुओं के दूसरे जत्थे को भगवती नगर बेस कैम्प, जम्मू से बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना किया गया था। यह जत्था सुरक्षा के बीच दो अलग-अलग काफिलों में निकला। बालटाल मार्ग के लिए 1,735 तीर्थयात्री तड़के 3:13 बजे रवाना हुए, जबकि पहलगाम मार्ग की ओर जाने वाले 2,130 तीर्थयात्री 3:38 बजे निकले।

संक्षिप्त समाचार

टूटीझरना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद से त्रस्त व्यक्ति ने फंदे से झूल किया आत्महत्या

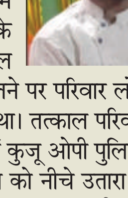

कुजू। कुजू ओपी क्षेत्र के टूटीझरना रोड स्थित एक आवास मे शुक्रवार की रात में एक व्यक्ति ने फंदे से झूल कर आत्महत्या कर लिया। मृतक की पहचान 35 वर्षीय पवन गुप्ता उर्फ बिट्टू पिता दिलीप गुप्ता के रूप में हुई। वे पारिवारिक विवाद में काफी तनाव में थे। बताया गया है कि शुक्रवार की रात वे अपने घर के कमरे में पंखा के हुक में रस्सी के फंदा के सहारे झूल गए। शनिवार को सुबह में कमरे का दरवाजा न खुलने पर परिवार लोगों ने खिड़की से भीतर देखा कि पवन फंदे से झूल रहा था। तत्काल परिवार के लोगों ने कुजू ओपी पुलिस को सूचित किया। बाद में कुजू ओपी पुलिस की पहुंचने पर कमरे का दरवाजा तोड़कर पवन के शव को नीचे उतारा गया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इधर घटना की सूचना मिलने पर पवन गुप्ता की पत्नी व दोनों बच्चे टूटीझरना स्थित आवास पहुंच कर पुलिस को लिखित दिया है।

परवरिश एडुकेयर में वन महोत्सव समारोह आयोजित

कुजू। परवरिश एडूकेयर स्कूल कुजू में शनिवार को पर्यावरण संरक्षण व रचनात्मक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने को लेकर वन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय निदेशक शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अपने संदेश में पौधे को प्रकृति का उपहार बताया। इसे लगाकर भविष्य को संवारने को प्रेरित किया। वही प्रबंधक निदेशक विकास कुमार सिंह ने कहा आज का एक पौधा आने वाले कल की सबसे बड़ी पूंजी है। वन महोत्सव में कक्षा 1 से 4 तक के विद्यार्थियों ने प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण पर बेहतरीन चित्रकारी प्रस्तुत किया। साथ ही बच्चों ने खुद ही पौधा लाकर पौधारोपण करते हुए पर्यावरण को स्वच्छ, हरित व सुरक्षित बनाए रखने का संकल्प लिया। जबकि जूनियर सेक्शन पीजी से यूकेजी तक के बच्चों ने रेड डे बड़े उत्साह के साथ मनाया। इसमें बच्चे लाल रंग की आकर्षक वेशभूषा में थे।कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण, पर्यावरण जागरूकता संदेश, ड्राइंग व कलरिंग गतिविधि, फल व रंग पहचान गतिविधि, रैंप वॉक, समूह प्रस्तुति, कविता व स्लोगन वाचन, फोटो कॉर्नर, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक सहभागिता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय समन्वयक रश्मि कुजूर ने ऐसे आयोजन को बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं सीखने की रुचि विकसित करने का बेहतर माध्यम बताया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं व कर्मी उपस्थित रहे।

पिंडरा कोलियरी फिर तीन पोल का विद्युत तार चुराया

तोपा परियोजना में पूरे रात रही बिजली गुल, लोग रहे परेशान

कुजू। सीसीएल पिंडरा कोलियरी में शुक्रवार की रात्रि में चोरों ने दो पोल बिजली तार चुरा लिया। इससे एक सप्ताह पूर्व भी यहां चोरों ने लगातार तीन बार बिजली तार चुराया लिया था। इससे पिंडरा कोलियरी के आवासीय कॉलोनी समेत कोलियरी क्षेत्र में बीते रात से ही बिजली गुल हो गई है। यहां लगातार होती चोरी की घटना से चोरों की निर्भीकता के साथ -साथ सुरक्षा विभाग समेत स्थानीय पुलिस की लापरवाह कार्यशैली उजागर हो रही है। इधर सीसीएल तोपा परियोजना में शुक्रवार को रात्रि नौ बजे से ही शनिवार दोपहर तक बिजली गुल रहने से लोग काफी परेशान रहे। बताया जाता है कि शुक्रवार को क्षेत्र में हुई हल्की बारिश के बाद बिजली कट गई। इससे यहां के आवासीय कॉलोनी में पेय जलापूर्ति व्यवस्था बाधित हो गई। वहीं आवासीय कॉलोनी में रहने वाले लोग उमस भरी गर्मी से पूरे रात परेशान रहे। बताया गया है कि बनवार जंगल के पास से सटे चट्टानधौड़ा के पास मामूली वर्षा होते ही बिजली अक्सर गुल होती रही है। बावजूद इसके स्थानीय ई एंड एम विभाग इसको लेकर कभी गंभीरता नहीं दिखलाता। नतीजतन बिजली गुल होने के बाद बिजली विभाग के कर्मी के साथ ही लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। यहां बिजली आपूर्ति वर्षा के दौरान भी निर्बाध रूप से बहाल रहने के लिए पुख़्ता इंतजाम करने की आवश्यकता है।

युवक का जंगल में पेड़ से लटकता शव बरामद, हत्या की आशंका

बोकारो : चास मुख्य थाना क्षेत्र के कुम्हरी बस्ती में उस समय मातम छा गया, जब वहां के निवासी एक युवक का शव महुदा थाना क्षेत्र के नूतनडीह जंगल में पेड़ से संदेहास्पद स्थिति में फांसी से लटका मिला। मृतक की पहचान ध्रुप सिंह के रूप में हुई है, जिसका शव शनिवार की सुबह अपने ही शर्ट के फंदे के सहारे झूलता पाया गया। शनिवार सुबह जब लोहापट्टी-सिंधुरी हीरक मार्ग पर स्थित नूतनडीह बस्ती के समीप कुछ महिलाएं खेतों की ओर जा रही थीं, तब उन्होंने सबसे पहले इस खौफनाक मंजर को देखा। महिलाओं द्वारा शोर मचाए जाने पर आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही महुदा थाना की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों के अनुसार, ध्रुप शुक्रवार की सुबह करीब 11 बजे ही अपने घर से निकला था और उसके कुछ ही देर बाद से उसका मोबाइल लगातार बंद आ रहा था। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। शनिवार सुबह जैसे ही उसका शव कुम्हरी गांव पहुंचा, पूरे परिवार में चीख-पुकार मच गई।

इस पूरे मामले में एक नया और बेहद गंभीर मोड़ तब आया जब मृतक के बड़े भाई विशाल सिंह ने सनसनीखेज खुलासा किया। उन्होंने बताया कि ध्रुप ने दो दिन पहले फोन पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धमकी दिए जाने की बात कही थी। इसी आधार पर पीड़ित परिवार ने इस घटना के पीछे साइबर अपराध या किसी ऑनलाइन धमकी से जुड़े होने की गहरी आशंका जताई है। हालांकि, पुलिस ने इस पर संभलकर कदम आगे बढ़ाने की बात कही है।

महुदा थाना प्रभारी पवन चंद्र पाठक ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह और वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिजनों से लिखित आवेदन मिलने पर लगाए गए आरोपों के आधार पर आगे की कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। फिलहाल पुलिस इस गुत्थी को सुलझाने के लिए तकनीकी और अन्य सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीन लोग घायल, दो की हालत गंभीर

बोकारो : जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत रजरप्पा मोड़ के समीप नेशनल हाईवे 23 (एनएच-23) पर शनिवार दोपहर करीब 12 बजे दो बाइकों के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दर्दनाक सड़क हादसे में एक बाइक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दुर्घटना के तुरंत बाद दूसरी बाइक का चालक अपने वाहन सहित मौके से फरार होने में सफल रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामगढ़ जिले के दुलमी प्रखंड अंतर्गत बमनी गांव के रहने वाले राजेश भोक्ता, गणेश भोक्ता और दशय भोक्ता एक ही बाइक पर सवार थे। ये तीनों पेटरवार की मायापुर पंचायत के चोटगढ़ा गांव में आयोजित एक नवजात बच्चे के छठीयारी समारोह में शामिल होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी क्रम में जैसे ही उनकी बाइक रजरप्पा मोड़ के पास पहुंची, विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रही एक दूसरी बाइक ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और लूल-लहान हो गए।

घटना के वक्त वहां से गुजर रही पेटरवार थाना की पुलिस गश्ती टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोर्चा संभाला। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पेटरवार में भर्ती कराया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने राजेश भोक्ता और गणेश भोक्ता की चिंताजनक स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल बोकारो रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि इन दोनों के माथे और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं। वहीं, तीसरे घायल दशय भोक्ता का इलाज फिलहाल पेटरवार सीएचसी में ही चल रहा है।

बीटीपीएस परियोजना प्रधान ने आईसीएससी टॉपर सागर को किया सम्मानित

कार्मेल स्कूल बोकारो थर्मल में प्राइज नाइट समारोह, मेधावी विद्यार्थी हुए पुरस्कृत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : कार्मेल स्कूल बोकारो थर्मल के सभागार में शनिवार की शाम वार्षिक प्राइज नाइट समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र के मेधावी छात्रों, विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने वाले बच्चों को पुरस्कार, ट्राफियां एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया, विशिष्ट अतिथि जीएम एचआर एए कुजूर, बीओआई के चीफ मैनेजर सुमित कुमार तथा स्कूल की प्राचार्या सिस्टर डिलिया द्वारा पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद छात्राओं द्वारा मनमोहक स्वागत नृत्य एवं गायन पेश कर अतिथियों का अभिनंदन किया गया।

समारोह के मुख्य आकर्षण आईसीएसई दसवीं बोर्ड के टॉपर सागर कुमार रहे, जिन्हें स्कूल प्रबंधन की ओर से सात हजार रुपए का प्रोत्साहन चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। छात्र की अनुपस्थिति में उनके माता-पिता ने मुख्य अतिथि से यह चेक ग्रहण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने शिक्षा के महत्व और अनुशासन पर प्रकाश डाला। वहीं प्राचार्या सिस्टर डिलिया ने मेधावी छात्रों की कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथियों ने बच्चों की इस सफलता में अभिभावकों के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। समारोह का मंच संचालन छात्रा श्रेयासी ठाकुर और शिक्षिका सोमा बासु ने कुशलतापूर्वक किया। इस दौरान छात्राओं द्वारा कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं लघु नाटक भी पेश किए गए, जिन्हें मौजूद अभिभावकों ने काफी सराहा।

विद्यालय में शिक्षक-अभिभावक की गोष्ठी संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

घाटो : तापीन स्थित पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय में शनिवार को शिक्षक- अभिभावक की गोष्ठी आयोजित की गई। मौके पर प्रधानाध्यापक द्वारा बच्चों की नियमित उपस्थिति, साफ सफाई और समय-समय पर ग्रुप में किया जा रहे संवाद के प्रति सजग रहने से संबंधित कई बातों की जानकारी दिया। भविष्य में शिक्षा का महत्व विद्यालय के प्रति भागीदारी जैसे बिंदुओं पर विशेष चर्चा की गई। प्रधानाध्यापक ने बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने की बात कही।

मौके पर 2 विद्यालय में उपस्थित हुए लोगों को को चाय बिस्कुट से स्वागत किया गया । मौके पर बच्चों द्वारा स्वागत गीत एवं स्वागत भाषण कराया गया। अभिभावकों ने भी कुछ बिंदुओं पर चर्चा की। मौके पर सुनील रविदास, सतीश राम, सच्चिदानंद पांडे, नरेश कुमार गुप्ता, मुकेश कुमार, तीरथ प्रसाद, सदर महतो, सुजीत भगत, बबीता कुमारी व रेखा कुमारी ने भरपूर सहयोग किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन सतीश राम ने किया।

रामगढ़ में भाजपा की जिला स्तरीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विचार गोष्ठी सम्पन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। रामगढ़ जिला इकाई द्वारा आयोजित जिला स्तरीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विचार गोष्ठी शनिवार, को राधा गोविंद सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, जारा टोला, रामगढ़ (रामगढ़ कॉलेज के पीछे) में सम्पन्न हुई। गोष्ठी में जिले भर से बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और राष्ट्र निर्माण में के योगदान को स्मरण किया।गोष्ठी में के प्रदेश मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि सरोज सिंह ने अपने संबोधन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि भारतीय राष्ट्रवाद के प्रखर प्रवक्ता और राष्ट्रीय एकता के महान पुरोधा थे। उन्होंने कहा कि देश की अखंडता और एकता के लिए डॉ. मुखर्जी ने अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया था।

उन्होंने बताया कि लियाकत-नेहरू समझौते के विरोध में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने केंद्रीय उद्योग मंत्री के पद से त्यागपत्र दिया था। वहीं जम्मू-कश्मीर में लागू परमिट व्यवस्था और नेहरू-अब्दुल्ला समझौते के विरोध में उन्होंने परमिट व्यवस्था को चुनौती देते हुए जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया और गिरफ्तारी दी। उनका उद्घोष था कि "एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे।" यह नारा आज भी देश की एकता और अखंडता का प्रतीक बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने और भारतीय संविधान का पूर्ण रूप से लागू होने से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त हुई है, जो उनके बलिदान के प्रति राष्ट्र की सच्ची श्रद्धांजलि है।

विशिष्ट अतिथि एवं बड़कागांव विधायक श्री रोशन लाल चौधरी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और जनसेवा के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे उनके विचारों और

आदर्शों को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाएं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायत चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाने तथा ग्राम पंचायत स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि झारखंड में भाजपा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर सक्रिय रहना होगा। संगठन की मजबूती ही चुनावी सफलता का आधार होती है और पंचायत स्तर पर भाजपा की विजय से संगठन को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी।इस अवसर पर ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा, एक दर्शन और राष्ट्रवादी चेतना के प्रेरणास्रोत थे। उनके विचार आज भी करोड़ों कार्यकर्ताओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित कर रहे हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ने स्वागत भाषण के माध्यम से गोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस विचार गोष्ठी का उद्देश्य डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, उनके संघर्ष, त्याग और राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है, ताकि नई पीढ़ी उनके योगदान से प्रेरणा प्राप्त कर सके।

उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि संगठन बूथ स्तर तक सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीएलए-2 कार्यकर्ताओं को यह जिम्मेदारी दी गई है कि कोई भी मतदाता सूची से वंचित न रह जाए तथा प्रत्येक समर्थक मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित किया जाए।जिलाध्यक्ष बावला ने बताया कि भाजपा द्वारा 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस से लेकर 6 जुलाई को उनकी जयंती तक जिले के विभिन्न मंडलों एवं बूथों पर विचार गोष्ठियों, पुष्पांजलि कार्यक्रमों, संगोष्ठियों तथा जनजागरण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों को डॉ. मुखर्जी के जीवन संघर्ष, राष्ट्रवादी चिंतन तथा देश की एकता एवं अखंडता के लिए उनके योगदान से अवगत कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है तथा संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिली है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने गोष्ठी को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।गोष्ठी में प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन और वरिष्ठ नेताओं के प्रेरक संबोधनों से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, उत्साह और संगठन के प्रति समर्पण की भावना का संचार हुआ तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया गया।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री राजू चतुर्वेदी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला कोषाध्यक्ष अशोक कुमार सोनी द्वारा किया गया। सम्मेलन को सफल बनाने में सुनील प्रसाद, लक्ष्मी देवी, किरण देवी,शिव कुमार महतो,बबलु साव,रमेश करमाली, मनोज महतो,रीति श्रीवास्तव,शीतल सिंह, सरिता देवी का महत्पूर्ण योगदान रहा। मौके पर जिला मीडिया प्रभारी राजीव पामदत्त जिला सोशल मीडिया प्रभारी संतोष शर्मा, भीमसेन चौहान, उज्जवल चक्रवर्ती,दिनेश प्रसाद, सुशांत कुमार पांडेय, रूपा देवी, शौर्य प्रसाद कुशवाहा, जितेन्द्र साहू, ब्रजेश पाठक , विनीता सिंह शशि शेखर सिंह,सुमंत मिश्रा, सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

बोकारो के पूर्णेन्दु बने वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, झारखंड के महासचिव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने संगठन के विस्तार के तहत झारखंड प्रदेश की नई कार्यकारिणी की घोषणा की है। राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद कौशल की स्वीकृति के बाद राष्ट्रीय महासचिव मधुप मणि पिक्कू ने नई प्रदेश टीम की आधिकारिक सूची जारी की। घोषित कार्यकारिणी में दीपक ओझा को प्रदेश अध्यक्ष, राजीव रंजन, मुकेश कुमार और दिलीप कुमार को उपाध्यक्ष, पूर्णेन्दु पुष्पेश को महासचिव, पंकज जैन, राकेश कुमार और अमित सिन्हा को सचिव, शशि पंडो पांडे और नवीन शर्मा को संयुक्त सचिव, शिवशंकर पांडे को कोषाध्यक्ष तथा राजीव कुमार सिंह को कार्यालय सचिव बनाया गया है। कार्यसमिति में चितरंजन पांडे, अभिषेक भगत, मनोज शर्मा, कन्हैया पांडे, संजय सत्पथी, कैलाश गोस्वामी, कमल कुमार, हेमंत कुमार, दीपक कुमार ओझा, सुमित राय, प्रेम सिन्हा, बिटु कुमार और बिट्टू कुमार सिंह को शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद कौशल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि झारखंड की नई टीम संगठन की नीतियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी और पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगी। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष दीपक ओझा ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन का विस्तार झारखंड के सभी जिलों तक किया जाएगा तथा रिक्त पदों पर जल्द ही योग्य और सक्रिय पत्रकारों की नियुक्ति की जाएगी, ताकि संगठन को जिला स्तर तक मजबूत बनाया जा सके।

कोनार डैम की खूबसूरती को बिगाड़ने की साजिश

» असामाजिक तत्वों ने तिरंगा थीम लाइटें कीं क्षतिग्रस्त, एचओपी ने जताई चिंता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : कोनार डैम क्षेत्र को पर्यटन के लिहाज से विकसित और आकर्षक बनाने की दिशा में डीवीसी द्वारा किए जा रहे प्रयासों को शुक्रवार की रात असामाजिक तत्वों ने बड़ा झटका दिया। डैम मार्ग पर हाल ही में लगाई गई तिरंगा थीम आधारित सजावटी लाइटों को अज्ञात शरारती तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया है। डीवीसी कोनार डैम परियोजना के एचओपी राणा रणजीत सिंह ने इस क्षेत्र को पर्यटन के मानचित्र पर बेहतर पहचान दिलाने और आगंतुकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से स्ट्रीट लाइटों के साथ ये आकर्षक लाइटें लगवाई थीं। इन लाइटों से पूरे मार्ग की सुंदरता में चार चांद लग गए थे और स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच भी इसकी काफी सराहना हो रही थी। इसी बीच अज्ञात असामाजिक तत्वों ने लाइटों के तार काट दिए तथा कई उपकरणों को तोड़कर सार्वजनिक संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे पर्यटन विकास की इस सुंदर पहल को गहरा आघात लगा है।

इस घटना पर कोनार के एचओपी राणा रणजीत सिंह ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि कोनार क्षेत्र के समग्र विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं, ताकि यहां आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं एवं आकर्षक वातावरण मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाना बेहद निंदनीय है और इस तरह की हरकतें विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करती हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से संपत्तियों की सुरक्षा में सक्रिय सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल डीवीसी प्रबंधन या स्थानीय प्रशासन को दें। इधर, स्थानीय ग्रामीणों ने भी घटना पर भारी आक्रोश जताते हुए कहा कि कोनार डैम जिले का गौरव है और इसकी सुंदरता बिगाड़ना क्षेत्र के हितों के खिलाफ है। लोगों ने दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्षेत्र में पुलिस गश्त और निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

माननीय उच्च न्यायालय एवं झारखंड सरकार के दिशा-निर्देशानुसार रजरप्पा मंदिर परिसर के पुनर्विकास, सुरक्षा व्यवस्था व जन-सुविधाओं को लेकर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने की बैठक; तत्पश्चात किया विस्तृत स्थल निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रजरप्पाः माननीय उच्च न्यायालय एवं झारखंड सरकार के दिशा-निर्देशानुसार मां छिन्नमस्तिका सिद्ध पीठ रजरप्पा मंदिर के प्रस्तावित पुनर्विकास कार्यों, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को उपायुक्त ऋतुराज एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत की संयुक्त अध्यक्षता में मंदिर परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।माननीय उच्च न्यायालय एवं झारखंड सरकार द्वारा पारित दिशा-निर्देशों के आलोक में रजरप्पा मंदिर परिसर से पूर्व में अतिक्रमण हटाया गया है। इसी क्रम में उपायुक्त द्वारा जंगली क्षेत्रों में हो रहे अतिक्रमण को सख्ती से रोकने तथा वन भूमि का स्पष्ट डिमार्केशन (सीमांकन) करने का निर्देश दिया गया। साथ ही वन पट्टा तथा मंदिर की खतियान व भूमि संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।मंदिर के सुचारू संचालन हेतु पूर्व में बनाए गए ट्रस्ट की कार्यप्रणाली की उपायुक्त ने जानकारी ली। उन्होंने ट्रस्ट समिति को निर्देश दिया कि ट्रस्ट से संबंधित सभी आवेदनों एवं दस्तावेजों को प्रस्तुत करें, ताकि ट्रस्ट की पुनः स्थापना हेतु अग्रतर विचार-विमर्श किया गया ।श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर परिसर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों पर ऑनलाइन दर्शन हेतु एलईडी (LED) टीवी लगाने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा, मंदिर के विकास कार्यों में सहयोग और पारदर्शिता के लिए परिसर में क्यूआर (QR) कोड स्थापित करने की बात कही गई, जिससे सुरक्षा दान सीधे प्राप्त किया जा सके।सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनज़र बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर की तर्ज पर रजरप्पा मंदिर की सुरक्षा और क्राउड मैनेजमेंट को सुचारू करने पर विस्तृत चर्चा हुई। पूरे मंदिर परिसर की 24x7 निगरानी

के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा एक अत्याधुनिक कंट्रोल रूम के निर्माण पर चर्चा की गई ।मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए आसपास के क्षेत्रों में शराब की अवैध खरीद-बिक्री और सेवन को पूरी तरह प्रतिबंधित करने हेतु उत्पाद विभाग को नियमित रूप से छापेमारी करने का निर्देश दिया गया।श्रद्धालुओं को बेहतर आपातकालीन स्वास्थ्य लाभ देने के मद्देनजर, प्रशासनिक भवन के समीप स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण सुनिश्चित करने हेतु सीसीएल प्रबंधन को आवश्यक निर्देश दिए गए।बैठक के उपरांत उपायुक्त ऋतुराज एवं उपस्थित सदस्यों द्वारा रजरप्पा मंदिर परिसर का व्यापक भ्रमण किया गया। इस दौरान प्रस्तावित विकास योजनाओं की रूपरेखा साझा करते हुए आने वाले समय में किए जाने वाले कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक एवं निरीक्षण के दौरान उपस्थित समिति के सदस्यों और दुकानदार संघ के लोगों द्वारा विभिन्न समस्याएं एवं सुझाव भी रखे गए, जिन्हें उपायुक्त ने गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके यथोचित निराकरण हेतु आवश्यक आश्वासन दिया।विस्थापित दुकानदारों का पुनर्वास झारखंड सरकार एवं माननीय हाई कोर्ट के निर्देशानुसार उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि माननीय उच्च न्यायालय एवं झारखंड सरकार के निर्देशों के तहत जिन दुकानों को पूर्व में हटाया गया है, उन्हें खाली जगहों पर व्यवस्थित और पुनर्वासित करना जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य हैं।निरीक्षण के दौरान प्रस्तावित बस स्टैंड, भव्य प्रवेश द्वार (एंट्री गेट), निकास द्वार (एग्जिट गेट), पक्का घाट निर्माण तथा दुकानों के निर्माण सहित अन्य आधारभूत संरचनाओं के लिए चिन्हित स्थलों का भौतिक निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।मौके पर उपायुक्त ने कहा की रजरप्पा मंदिर झारखंड का एक प्रमुख आस्था केंद्र है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में माननीय उच्च न्यायालय एवं झारखंड सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मंदिर परिसर के समुचित विकास, सुगम यातायात व्यवस्था, सुरक्षा एवं बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुनर्विकास कार्य को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर योजनाओं को मूर्त रूप देना सुनिश्चित करें।निरीक्षण एवं बैठक के दौरान मुख्य रूप से अपर समाहर्ता मनिद्र भगत, अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण मुरारी तिरकी, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता, मुख्यालय डीएसपी, अंचल अधिकारी चितरपुर, गोला सहित जिला प्रशासन के अन्य वरीय अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी सहित मंदिर न्यास समिति के सदस्यों एवं स्थानीय दुकानदार संघ के प्रतिनिधि भी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, रविवार, 05 जुलाई, 2026

सड़कों पर मनमानी करने वाले ऑटोचालकों के विरुद्ध बोकारो पुलिस की ऐतिहासिक सख्ती

राष्ट्रीय मुख्यधारा

» तीसरे दिन जोधाडीह मोड़ और नया मोड़ पर महाचेकिंग, 87 गाड़ियों से 2.07 लाख की पेनाल्टी

बोकारो : बोकारो स्टील सिटी की लाइफलाइन मानी जाने वाली सड़कों को अपनी जागीर समझने वाले और आम जनता के लिए आए दिन जानलेवा हादसों का सबब बनने वाले बेलगाम ऑटो व टोटो चालकों के खिलाफ बोकारो पुलिस का महा-ऑपरेशन पूरी तरह से अपने चरम पर पहुंच गया है। शहर की चरमराई यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने और सड़कों पर लगे ऑटो के अनियंत्रित मकड़जाल को जड़ से साफ करने के लिए पुलिस अधीक्षक (एसपी) नाथू सिंह मीणा के कड़े और स्पष्ट निर्देश पर शुरू हुआ विशेष महा-अभियान लगातार तीसरे दिन भी बेहद आक्रामक रूप से जारी रहा। बुधवार और गुरुवार की बड़ी कार्रवाई के बाद शुक्रवार को भी इस पूरे बड़े ऑपरेशन का नेतृत्व खुद ट्रैफिक डीएसपी अजय प्रसाद ने धरातल पर उतरकर किया। इस दौरान उनके साथ यातायात थाना प्रभारी और भारी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल मुस्तैद रहा, जिसने शहर के एंट्री और एक्जिट पॉइंट्स पर ऐसी नाकेबंदी की कि नियम तोड़ने वाले चालकों को भागने का कोई रास्ता नहीं मिला।

275 से अधिक वाहनों की कड़ाई से हुई घेराबंदी और जांच- यातायात पुलिस द्वारा जारी की गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस विशेष महा-अभियान के तहत बोकारो शहर के सबसे व्यस्त और दुर्घटना संभावित प्रमुख चौक-चौराहों पर एक साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस बल की अलग-अलग टीमों ने जोधाडीह मोड़, गरगा पुल, नया मोड़ एवं एलआईसी (एलआईसी) मोड़ के पास रणनीतिक रूप से घेराबंदी कर सड़कों पर दौड़ रहे कुल 275 ऑटो और टोटो को रोककर उनके दस्तावेजों की कड़ाई से जांच की। पुलिस की इस अचानक हुई बड़ी घेराबंदी से अवैध रूप से गाड़ी चलाने वाले चालकों के बीच हड़कंप मच गया और कई चालक अपनी गाड़ियां छोड़कर भागते नजर आए। इस मैराथन जांच के दौरान पुलिस ने कुल 87 ऑटो को मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न अनिवार्य धाराओं, जैसे बिना परमिट, बिना फिटनेस और नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने का सरेआम उल्लंघन करते हुए रंगे हाथों पाया। इन सभी दोषी 87 वाहनों पर पुलिस ने तत्काल सख्त विधिक कार्रवाई करते हुए कुल दो लाख सात हजार रुपए का भारी-भरकम वित्तीय जुर्माना ठोक दिया, जिससे बिना कागजात के सड़कों पर रेस लगाने वाले वाहन चालकों के हौसले पूरी तरह पस्त हो गए हैं।

बोले ट्रैफिक डीएसपी- सड़कों पर लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं- इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने के साथ-साथ बोकारो यातायात पुलिस ने चालकों के व्यवहार में सुधार लाने के लिए एक विशेष काउंसलिंग और जागरूकता मुहिम भी चलाई। ट्रैफिक डीएसपी अजय प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पकड़े गए सभी ऑटो और टोटो चालकों को कतार में खड़ा कर अंतिम रूप से कड़ी हिदायत दी और उन्हें यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करते हुए, तय स्टैंड पर ही गाड़ी रोकने तथा सुरक्षित रूप से वाहन परिचालन करने हेतु कड़ाई से जागरूक किया। पुलिस प्रशासन ने साफ कर दिया है कि बोकारो की सड़कों पर ऑटो चालकों की गुंडागर्दी, बेतरतीब पार्किंग और ओवरस्पीडिंग जैसी लापरवाही को अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीएसपी श्री प्रसाद ने कहा कि अधिकारियों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में भी यह अभियान इसी तरह पूरी कड़ाई और बिना किसी रियायत के जारी रहेगा, ताकि शहर की आम जनता और पैदल चलने वाले राहगीर सड़कों पर पूरी तरह सुरक्षित सफर कर सकें।

विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक और संस्कृति का ज्ञान भी जरूरी : आईजी शैलेंद्र

बोकारो में अलौकिक आध्यात्मिक चेतना का संचार कर गई चिन्मय अमृत यात्रा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : औद्योगिक नगरी बोकारो में 'चिन्मय अमृत यात्रा' के दूसरे दिन युवाओं और विद्यार्थियों में आत्मविकास, कड़े अनुशासन और सकारात्मक सोच का संचार करने के उद्देश्य से एक बेहद भव्य और अलौकिक समागम का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक यात्रा वाहिनी का शुक्रवार को चिन्मय विद्यालय बोकारो में अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ आगमन हुआ। इससे पहले, बालीडीह से लेकर विद्यालय के मुख्य द्वार तक भक्तों की एक लंबी कतार और भव्य शोभायात्रा के साथ इस दिव्य अमृत यात्रा का स्वागत किया गया। यह यात्रा बालीडीह से शुरू होकर नया मोड़, बोकारो मॉल और पीएंडटी मोड़ होते हुए जैसे ही आगे बढ़ी, पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। पीएंडटी मोड़ से विद्यालय के मुख्य द्वार तक विशेष शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें पुरुलिया से आए विख्यात कलाकारों के समूह ने पारंपरिक छाऊ नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की पावन पादुका और उनकी दिव्य मूर्ति को एक सुसज्जित रथ पर रखकर लाया गया, जिसका विद्यालय के मुख्य द्वार पर झारखंडी लोक नृत्य, हनुमान चालीसा पर आधारित नृत्य और भगवान श्री राम के भजनों पर नृत्य प्रस्तुत कर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कक्षा छठी के नन्हे विद्यार्थियों ने संपूर्ण वातावरण को पवित्र करते हुए गीता पंचामृत के पांच प्रमुख श्लोकों का सामूहिक पाठ किया।

यात्रा के स्वागत और मुख्य धार्मिक अनुष्ठानों के समय चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, मिशन के सचिव हरिहर राउत, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा सहित विद्यालय के तमाम शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। शाम के सत्र में चिन्मय विद्यालय बोकारो के विशाल ऑडिटोरियम में एक बेहद खास सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सुंदर भजनों की प्रस्तुति, शास्त्रीय कथक नृत्य, गणपति वंदना और चिन्मय मिशन के गौरवशाली 75 वर्षों की अनवरत यात्रा पर आधारित एक प्रेरणादायी वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) का प्रदर्शन किया गया। वीडियो संदेश के माध्यम से स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के विचारों को उपस्थित जनसमूह तक पहुंचाया गया। इस भव्य समारोह में बतौर मुख्य अतिथि छोटानागपुर क्षेत्र के आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बीएसएल की ईडी (एचआर) राजश्री बनर्जी मौजूद रहीं। उनके साथ ही शहर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के निदेशक, प्राचार्य और सचिव भी इस गौरवशाली पल के गवाह बने।

समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए आईजी श्री शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने उपस्थित अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को जीवन का मूलमंत्र देते हुए कहा कि केवल किताबी ज्ञान हासिल करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके साथ-साथ व्यावहारिक एवं सामाजिक ज्ञान का होना भी जीवन में बहुत बड़ा महत्व रखता है। उन्होंने नई पीढ़ी को प्रेरित करते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि हम सभी को अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए और इस गौरवशाली विरासत पर हमें गर्व करना चाहिए। गौरतलब है कि चिन्मय अमृत यात्रा के तहत गठित अमृत वाहिनी टीम शहर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, जैसे डीएवी पब्लिक स्कूल (सेक्टर-6), श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, बोकारो सिटी कॉलेज एवं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर (सेक्टर-3) के विद्यार्थियों से सीधा संवाद करने पहुंची।

इस पूरी मुहिम में ब्रह्मचारी सुधीर चैतन्य और तारिणी चैतन्य ने मुख्य भूमिका निभाई, जिन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के गूढ़ संदेशों को बेहद सरल भाषा में समझाते हुए छात्रों को बताया कि जीवन की हर परीक्षा में सफल होने के लिए अटूट आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास करना बेहद जरूरी है। चिन्मय युवा केंद्र के इन युवा वीरों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि चिन्मय के यूथ इंपावरमेंट प्रोग्राम से जुड़ने के बाद उनके अपने जीवन में अद्भुत सकारात्मक बदलाव आए हैं और यह मिशन युवाओं को समाज के प्रति निस्वार्थ सेवा करने का सही मार्ग सिखाता है। कुल मिलाकर, यह यात्रा बोकारो में आध्यात्मिक चेतना का संचार कर गई।

श्रमिकों के हक में उपायुक्त का बड़ा फैसला, डीवीसी प्रबंधन को दोटूक निर्देश

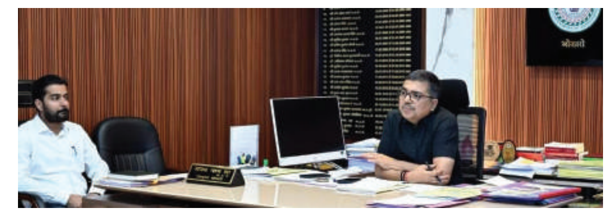

राष्ट्रीय मुख्यधारा

» 13 दिन का काम नियम संगत नहीं, 15 जुलाई तक हर हाल में दें 26 दिनों का रोजगार

बोकारो : चन्द्रपुरा थर्मल पावर स्टेशन (सीटीपीएस) के श्रमिकों के रोजगार और उनके परिवार के भरण-पोषण को लेकर जिला प्रशासन ने बेहद संवेदनशील और कड़ा रुख अपनाया है। शनिवार को गोपनीय कार्यालय कक्ष में उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा की अध्यक्षता में डीवीसी (सीटीपीएस) प्रबंधन के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भारतीय क्रांतिकारी मजदूर संघ से जुड़े श्रमिकों को प्रति माह 26 दिनों का कार्य उपलब्ध कराने की मांग पर बेहद विस्तार से और गंभीरतापूर्वक चर्चा की गई।

बैठक के दौरान प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि श्रमिकों को प्रति माह केवल 13 दिनों का कार्य उपलब्ध कराना किसी भी दृष्टिकोण से नियम संगत नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज के समय में इतनी कम अवधि का रोजगार किसी भी श्रमिक परिवार के भरण-पोषण के लिए काफी नहीं है। उपायुक्त ने सीटीपीएस प्रबंधन को कड़ा निर्देश दिया कि वे अविलंब आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें और श्रमिकों के लिए 'मानव दिवस सृजन' की एक ठोस कार्ययोजना तैयार कर अपने मुख्यालय से पत्राचार करें, ताकि प्रभावित श्रमिकों को हर हाल में महीने में कम से कम 26 दिनों का कार्य मिल सके।

मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने डीवीसी प्रबंधन को समय-सीमा के भीतर काम करने की हिदायत दी है। उन्होंने दोटूक निर्देश दिया कि इस पूरी प्रक्रिया का निष्पादन आगामी 15 जुलाई तक हर हाल में सुनिश्चित हो जाना चाहिए। उन्होंने चेताया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही सारी आवश्यक कागजी और प्रशासनिक कार्रवाई पूरी की जाए, इसमें किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। उक्त बैठक में जिला प्रशासन और डीवीसी की ओर से डीएमओ रवि कुमार, डीवीसी (सीटीपीएस) के पदाधिकारी राजकुमार चौधरी, नीरज सिन्हा, राम कुमार अनुभवी तथा चन्द्रपुरा के अंचलाधिकारी (सीओ) प्रशांत कुमार सहित कई अन्य संबंधित अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नेशनल हाईवे पर मंडरा रहा मौत का साया, बिजली चोरों के जर्जर तार से कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो से रामगढ़ जाने वाले नेशनल हाईवे 320 पर चास के तेलीडीह मोड़ के पास सफर करना किसी बड़े खतरे से खाली नहीं है। स्थानीय नागरिकों की गंभीर शिकायतों के बाद शनिवार को नागरिक अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष शशि भूषण ओझा मुकुल ने इस पूरे फोर लेन मार्ग का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय उच्च पथ के ऊपर से गुजरने वाले 11 हजार वोल्ट के तार अत्यंत ही खतरनाक और जर्जर स्थिति में पाए गए, जो कभी भी किसी बड़ी अनहोनी को न्योता दे सकते हैं।

राष्ट्रीय उच्च पथ के सुरक्षा मानकों के अनुसार, सड़क के आर-पार जाने वाले बिजली के ऐसे हाई वोल्टेज तारों के नीचे सेफ्टी गार्ड वायर (सुरक्षा के लिए तारों की जाली) होना अनिवार्य है, ताकि कभी तार टूटने की स्थिति में वे सीधे व्यस्त सड़क पर न गिरें। लेकिन, तेलीडीह मोड़ से लेकर जैप मोड़ (एमएम/पुलिस लाइन मोड़) तक के निरीक्षण में सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ती दिखीं। पूरे मार्ग में एक दर्जन से भी अधिक जगहों पर बिना सेफ्टी गार्ड वायर के ही असुरक्षित तार सड़क के ऊपर झूल रहे हैं।

इस गंभीर खतरे के साथ-साथ एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर 12 इलाके से बिजली चोरों ने नाजायज तरीके से पतले-पतले जर्जर तारों का जाल इस व्यस्त हाईवे के दूसरी तरफ फैला रखा है। ये अवैध तार आंधी-तूफान में कभी भी टूटकर गिर सकते हैं। कई जगहों पर तो ये तार इतने नीचे लटक रहे हैं कि ऊंचे सामान लदे ट्रकों से इनके टकराने और पूरे वाहन में करंट दौड़ने का सीधा खतरा बना हुआ है। इस सरेआम हो रही बिजली चोरी पर न तो इस्पात प्रबंधन का ध्यान है और न ही स्थानीय पुलिस-प्रशासन का।

हैरानी की बात यह है कि इसी लाइफ-लाइन सड़क से रोजाना बिजली विभाग के आला अफसर, राष्ट्रीय उच्च पथ के अधिकारी, जिला प्रशासन की टीमें, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य सरकार के मंत्री और दिग्गज राजनेता गुजरते हैं, लेकिन इस जानलेवा लापरवाही पर किसी की नजर नहीं पड़ती। इस मार्ग से यात्रा करने वाले हजारों राहगीरों और सड़क किनारे रहने वाले स्थानीय नागरिकों के जीवन तथा जानमाल के साथ यह खिलवाड़ कभी भी घातक सिद्ध हो सकता है।

नागरिक अधिकार मंच ने की त्वरित कार्रवाई की मांग- नागरिक अधिकार मंच ने राष्ट्रीय उच्च पथ के पदाधिकारियों, केंद्रीय राजमार्ग मंत्रालय, झारखंड सरकार, बिजली विभाग और पुलिस प्रशासन से पुरजोर आग्रह किया है कि किसी बड़ी और दर्दनाक दुर्घटना का इंतजार किए बिना तुरंत सख्त कदम उठाए जाएं। मंच ने मांग की है कि बिजली चोरों द्वारा अवैध रूप से हाईवे के ऊपर बिछाए गए इन तारों को तत्काल हटाया जाए और भविष्य में ऐसी गतिविधि रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम हों। इसके साथ ही, बिजली विभाग द्वारा खींचे गए 11 हजार वोल्ट और अन्य वैध तारों के नीचे अविलंब सेफ्टी गार्ड वायर लगाए जाएं तथा भविष्य में हादसों को पूरी तरह टालने के लिए हाईवे पार करने वाले इन सभी बिजली तारों को केवलिंग के माध्यम से जमीन के नीचे (अंडरग्राउंड) से पार करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में डीपीएस बोकारो का जलवा, सीनियर कैटेगरी में एआई प्रोजेक्ट 'इंफ्रैक्टो' बना विजेता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में एक बार फिर दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के छात्रों ने अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। साइंस फॉर सोसाइटी और विज्ञान जागरण समिति के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में आयोजित जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में डीपीएस बोकारो के छात्रों ने अपनी कल्पनाशक्ति और तकनीकी कौशल से सबको चकित कर दिया। स्कूल के होनहारों ने सीनियर कैटेगरी में पहला स्थान हासिल करने के साथ-साथ जूनियर कैटेगरी और सांत्वना पुरस्कारों पर भी कब्ज़ा जमाया।

प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की प्रतिभागी कुल 30 टीमों ने तीन अलग-अलग विषयवस्तुओं पर अपने प्रदर्श प्रस्तुत किए। इनमें समाजहित में कृत्रिम बुद्धिमता के नवोन्मेषी उपयोग विषयवस्तु पर आधारित प्रतियोगिता की सीनियर कैटगरी में विद्यालय की टीम प्रथम रही। 12वीं के छात्र प्रियम हरनंदका और अनिकेत सिंह द्वारा विकसित प्रोजेक्ट इंफ्रैक्टो को विजेता घोषित किया गया। यह स्वायत्त एआई सिस्टम सड़कों या इंफ्रास्ट्रक्चर में आने वाली दरारों को खुद ब खुद डिटेक्ट कर सकता है, जो भविष्य में हादसों को रोकने में मील का पत्थर साबित होगा।

इधर, जूनियर कैटेगरी में भी स्कूल के नन्हे वैज्ञानिकों ने कमाल किया। कक्षा 9वीं के सरित चक्रवर्ती और लक्ष्य रंजन के मल्टीटास्किंग ह्यूमनॉइड रोबोट नोवासेपियन ने अपनी बहुमुखी क्षमताओं से जजों को प्रभावित करते हुए द्वितीय उपविजेता का पुरस्कार जीता। नोवासेपियन-मल्टीटास्किंग रोबोट न केवल घर के कामों में हाथ बंटा सकता है, बल्कि अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में लोगों की मदद करने में भी सक्षम है। इसी प्रकार, पर्यावरण संरक्षण और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की थीम पर आधारित प्रोजेक्ट टेरानोवा के लिए जूनियर कैटेगरी से 9वीं के विद्यार्थी श्रेष्ठा चतुर्वेदी और प्रतीक वर्मा तथा फसलों की बीमारी का पता लगाने वाले प्रोजेक्ट एग्रोशील्ड एआई के लिए श्रय कश्यप और यश राज ने सांत्वना पुरस्कार जीता।

प्राचार्य डॉ. गंगवार ने दी बधाई, कहा- वैज्ञानिक नवाचार को प्रोत्साहन जरूरी- अपने विद्यालय के छात्रों की इस शानदार सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने कहा कि आज के छात्र सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और पर्यावरण संरक्षण जैसे वैश्विक मुद्दों पर व्यावहारिक समाधान ढूंढ रहे हैं। यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और स्कूल के इनोवेटिव माहौल का परिणाम है। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच व नवाचार को बढ़ावा देना आवश्यक है और डीपीएस बोकारो इस दिशा में कटिबद्ध है। विद्यालय अपने विद्यार्थियों के वैज्ञानिक कौशल को निखारने का हर अवसर प्रदान करता रहा है। प्राचार्य ने उक्त विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके गाइड टीचर डॉ. ओबैदुल्लाह अंसारी को बधाई देते हुए इसी प्रकार विद्यालय को गौरवान्वित करते रहने का संदेश दिया।

संगीत सम्राट स्व. कृष्ण दुलारी पाठक अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन में कलाकारों ने बांधा समां

पं. कृष्ण मोहन व पं. शैलेन्द्र के धमार गायन से मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: बोकारो सहित झारखंड के जाने-माने संगीतज्ञ पं बच्चन जी महाराज के संयोजन में उनकी मां व भजन गायिका स्व. कृष्ण दुलारी पाठक की याद में शुक्रवार की शाम बोकारो के आदर्श कोआपरेटिव कॉलोनी में अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन का आयोजन किया गया। आईडी साह कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड फाइन आर्ट्स के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेविका सावित्री देवी, वरिष्ठ संगीतज्ञ पं कृष्ण मोहन पाठक, पं शैलेन्द्र कुमार पाठक, पं श्याम गोस्वामी एवं आदित्य राज ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में उदीयमान व वरिष्ठ कलाकारों ने शास्त्रीय गायन, भजन, नृत्य, वादन आदि प्रस्तुत कर घंटों श्रोता-दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम का खास आकर्षण रहा हाल ही में प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित गया घराना के वरिष्ठ ध्रुपद धमार गायक पंडित कृष्ण मोहन पाठक व उनके सुपुत्र पं शैलेन्द्र कुमार पाठक द्वारा राग जयजयवन्ती में धमार गायन। उन्होंने अपनी गायकी से सभी संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इनके साथ पखावज पर पं बच्चन जी महाराज व तबले पर राजू गोस्वामी ने संगति की। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत कृष्णा तुलसी ने गणेश वंदना व भजन सुनाकर की। प्रसिद्ध गायक अरुण पाठक ने मैथिली कजरी बरखा के बुन बुन जहर माहुर सन सखी की कहब दुख साओन मास...व नचारी बाबा नेने चलियौ हमरो अपन नगरी... की सुमधुर प्रस्तुति से खूब वाहवाही बटोरी।

अर्कदेव आचार्य, शंकर कुमार, डौली, दीप नारायण गोस्वामी, बेबी कुमारी व देवदीप ने शास्त्रीय गायन प्रस्तुत कर श्रोताओं को आनंदित किया। बाल कलाकार वेदांशी, देवांशी, आरोही, अद्रिका मिश्रा, हिमांशु राज, आराध्या, कनक आनंद, श्रेयान्स नयन, सूरज गोस्वामी, दीपक कुमार ने राग सुनाकर वाहवाही ली। तबले पर राजू गोस्वामी, श्लोक इशान, शैलेश कुमार हिमांशु, सुजल ठाकुर, आदित्य राज ने संगति की। बाल कलाकार पियुष अनुराग, रुद्र आनंद, अंकित समदर्शी, आयुष्मान भट्टाचार्य, आकाश कुमार ने एकल तबला वादन प्रस्तुत किया। सुदीक्षा नयन, वंदना कुमारी व अंशिका ने भरतनाट्यम नृत्य तथा शगुन ने पं बिरजू महाराज पर आधारित कत्थक नृत्य में तीन ताल एवं दादरा में अत्खूयंत खूबसूरत बंदिशें व चक्करदार तोड़ा, गत प्रस्तुत कर सबकी प्रशंसा पायी। सिंथेसाइजर पर सदय कुमार झा व तनय ईशान राग देश में रजाखानी गत प्रस्तुत कर दाद पायी। कार्यक्रम का संचालन राजू गोस्वामी, कमलेश मिश्र व देवदीप ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि संध्या प्रसाद, गीता देवी, उषा रानी पाठक, रुपेन्द्र गोस्वामी सहित कई संगीत प्रेमी श्रोता उपस्थित रहे।

बोकारो स्टील में 'डिसरप्टिव इनोवेशन वर्कशॉप' आयोजित, वर्ष 2030 की चुनौतियों से निपटने की बनाई रणनीति

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) की ध्वजवाहक इकाई बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने वैश्विक इस्पात उद्योग में अपनी तकनीकी और रणनीतिक बादशाहत को वर्ष 2030 तक और मजबूत बनाए रखने के लिए एक बड़ा दूरदर्शी कदम उठाया है। संयंत्र के मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण (लर्निंग एंड डेवलपमेंट) विभाग द्वारा बोकारो निवास में मुख्य महाप्रबंधकों एवं विभागाध्यक्षों के लिए एक उच्च स्तरीय डिसरप्टिव इनोवेशन आइडेंटिफिकेशन वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। वर्ष 2030 की आने वाली तकनीकी चुनौतियों एवं वैश्विक इस्पात बाजार की तेजी से बदलती विधिक व व्यावसायिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संयंत्र में नवाचार, आउट ऑफ द बॉक्स थिंकिंग और दूरदर्शी सोच को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह कार्यशाला आयोजित की गई।

वर्तमान में पूरी दुनिया का इस्पात उद्योग डीकार्बोनाइजेशन, पर्यावरण अनुकूल ग्रीन स्टील का उत्पादन, इंडस्ट्री 4.0 तकनीकों के बढ़ते उपयोग, कच्चे माल की कीमतों में होने वाले अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव, ग्राहकों की बढ़ती गुणवत्ता अपेक्षाओं, तीव्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा तथा कार्यबल की बदलती संरचना जैसी अनेक गंभीर विधिक व व्यावहारिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बोकारो स्टील प्लांट केवल पारंपरिक या क्रमिक सुधारों तक खुद को सीमित न रखकर डिसरप्टिव इनोवेशन के माध्यम से अपने परिचालन, उत्पादन और रणनीतिक कार्यप्रणाली में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। इस विशेष कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संयंत्र की प्रमुख प्राथमिकताओं, जैसे गहन नवाचार, उत्पादन लागत में भारी कमी, परिचालन कार्यकुशलता, कार्यस्थल सुरक्षा के विधिक मानक, साइकिल टाइम में कमी, ब्रेकडाउन-मुक्त निरंतर संचालन तथा सतत विकास से जुड़े व्यवहारिक एवं अत्यधिक प्रभावी विचारों की समयबद्ध पहचान करना था।

शीर्ष प्रबंधन ने जगाई नए विचारों की अलख- इस विधिक कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) ने स्वागत भाषण दिया। इस विशेष अवसर पर कार्यकारी निदेशक (आरडीसीआईएस), कार्यकारी निदेशक (एसडीटीडी) तथा कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन-एल एंड डी), एमटीआई ने भी वर्तमान परिदृश्य को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन निदेशक प्रभारी बीएसएल द्वारा किया गया। उन्होंने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि डिसरप्टिव इनोवेशन किसी भी बड़े संगठन की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का सबसे सशक्त विधिक माध्यम है। उन्होंने कार्यशाला में मौजूद सभी प्रतिभागियों को छोटे-बड़े सभी प्रकार के नवाचारी विचार बिना किसी हिचकिचाहट के सीधे वरिष्ठ प्रबंधन के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया।

12 समूहों का महा-मंथन और भविष्य का खींचा रोडमैप- कार्यशाला के मुख्य विषय की पृष्ठभूमि एवं इसके विधिक उद्देश्यों पर सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) द्वारा एक सारगर्भित तकनीकी प्रस्तुति दी गई, जिन्होंने ही पूरे कार्यक्रम का सफल समन्वयन भी किया। इसके उपरांत एक अनूठी विधिक प्रक्रिया के तहत सभी मुख्य महाप्रबंधकों एवं महाप्रबंधकों को 12 विशेष समूहों में विभाजित कर संरचित विचार-मंथन (ब्रेनस्टॉर्मिंग) कराया गया। प्रत्येक समूह ने संयंत्र के विभिन्न तकनीकी और वित्तीय क्षेत्रों में डिसरप्टिव एवं अभिनव सुझावों का एक विस्तृत ड्राफ्ट तैयार किया तथा उन्हें शीर्ष प्रबंधन के समक्ष प्रस्तुत किया, ताकि भविष्य के बजटीय आवंटन में उनके क्रियान्वयन की संभावनाओं पर विधिक विचार किया जा सके। कार्यक्रम का समापन मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कसमार में दिव्यांग बच्चों के बीच कृत्रिम अंग व उपकरणों का वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा अभियान के तहत शनिवार को बीआरसी भवन में उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के तकनीकी सहयोग से क्षेत्र के 34 दिव्यांग बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुसार निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए।

शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रमुख नियोति दे, बीडीओ नम्रता जोशी एवं बीईओ प्रतिमा दास द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर प्रमुख नियोति दे एवं बीडीओ नम्रता जोशी ने कहा कि दिव्यांग बच्चे समाज के अभिन्न अंग हैं। उन्हें केवल सहानुभूति की नहीं, बल्कि समान अवसरों और सही उपकरणों की आवश्यकता है, ताकि वे भी सामान्य बच्चों की तरह शिक्षा ग्रहण कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। शिविर के दौरान एलिम्को के विशेषज्ञों की टीम द्वारा पूर्व में चिह्नित किए गए बच्चों को उपकरणों का वितरण किया गया। बांटे गए उपकरणों में ट्राइसाइकिल और व्हीलचेयर के अलावा श्रवण यंत्र (हियरिंग एड), बैसाखी, वॉकर, ब्रेल किट और सुगम्य छड़ी उपकरण का वितरण किया गया। इस दौरान बताया गया कि इस प्रकार के शिविरों का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के ड्रॉप-आउट रेट को कम करना और उन्हें मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ना है। एलिम्को के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी दिव्यांगजनों के जीवन को सुगम बनाने के लिए ऐसे अत्याधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों का वितरण जारी रहेगा। मौके पर शिक्षा विभाग से जुड़े बीपीओ समेत अन्य बीआरसी कर्मी मौजूद थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, रविवार, 05 जुलाई, 2026

संक्षिप्त समाचार

धनबाद चैंबर में जीएसटी व प्रोफेशनल टैक्स जागरूकता कैंप, 10 व्यवसायियों ने कराया पंजीकरण

राजीव रंजनः धनबादः धनबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स, पार्क मार्केट, हीरापुर कार्यालय में वाणिज्य कर संयुक्त आयुक्त, नगरीय अंचल, धनबाद की ओर से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एवं झारखंड प्रोफेशनल टैक्स को लेकर विशेष कैंप आयोजित किया गया। कैंप में व्यवसायियों को जीएसटी रजिस्ट्रेशन और प्रोफेशनल टैक्स से संबंधित जानकारी दी गई तथा उनकी शंकाओं का समाधान किया गया।

कैंप के दौरान आठ व्यवसायियों ने झारखंड प्रोफेशनल टैक्स के तहत पंजीकरण कराया, जबकि दो व्यवसायियों ने जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराया। अधिकारियों ने बताया कि धनबाद नगरीय अंचल की ओर से पिछले एक माह में दूसरी बार इस तरह का कैंप आयोजित किया गया है, ताकि अधिक से अधिक व्यवसायी कर संबंधी नियमों की जानकारी लेकर समय पर पंजीकरण करा सकें।

कैंप में बिक्री कर पदाधिकारी हरि नारायण भगत, अंशुमान कुमार, लिपिक सतीश इंदवार, चंदन कुमार वर्मा, कंप्यूटर संचालक ज्योति बाला सिन्हा एवं संगीता विश्वास उपस्थित थे। वहीं धनबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से संरक्षक राजेंद्र वर्णवाल, विनोद भाटिया, विनोद अग्रवाल, अध्यक्ष संजीव चौरसिया, सचिव अमोद श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष मनीष रंजन, कार्यकारिणी सदस्य मनोज अरोड़ा, सदस्य ललित अग्रवाल, संजीव जिंदल सहित बड़ी संख्या में व्यवसायी शामिल हुए।

5 लाख 45 हजार 869 ईएफ का वितरण

राजीव रंजनः धनबादः जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर 2026) के लिए एन्यूमरेशन फॉर्म (ईएफ) का वितरण जारी है।

इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त ने बताया कि धनबाद जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को ईएफ वितरण का कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक 5 लाख 45 हजार 869 मतदाताओं को ईएफ वितरित किया जा चुका है।

ईएफ वितरण की विधानसभा वार जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि ईएफ वितरण में टुंडी सबसे आगे है। जहाँ 1,29,734 ईएफ बांटे जा चुके हैं। वहीं दूसरे स्थान पर निरसा है। निरसा में 1,02,067 ईएफ का वितरण किया गया है। जबकि सिंदरी में 1,00,025 ईएफ का वितरण पूरा हो चुका है। वहीं धनबाद विधानसभा में 78,687, झरिया में 71,400 तथा बाघमारा में 63,956 ईएफ का वितरण किया गया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि ईएफ वितरण के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी तथा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी अपने-अपने विधानसभा में मतदान केंद्रों का भ्रमण कर रहे हैं, ताकि इस प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके।

चोपन से 100वां लॉन्ग हॉल माल रैक रवाना, डीआरएम ने दिखाई हरी झंडी

राजीव रंजनः धनबादः धनबाद रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अखिलेश मिश्र ने शनिवार को चोपन स्टेशन, चोपन कंट्रोल कार्यालय, एसीसी सीमेंट सलाईबनवा साइडिंग तथा चोपन पिट लाइन का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यात्री एवं मालगाड़ी परिचालन, संरक्षा मानकों, आधारभूत सुविधाओं और रखरखाव कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सुरक्षा, समयबद्धता और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

डीआरएम ने परिचालन व्यवस्था का जायजा लेने के बाद चोपन से चुनार मार्ग के रास्ते उत्तर मध्य रेलवे के लिए रवाना किए गए 100वें लॉन्ग हॉल माल रैक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस उपलब्धि को धनबाद रेल मंडल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।

रेल अधिकारियों के अनुसार, 100वें लॉन्ग हॉल माल रैक का सफल संचालन मंडल की बेहतर परिचालन क्षमता, विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयास और माल परिवहन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। इससे माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी, ट्रेनों के परिचालन में दक्षता आएगी और औद्योगिक इकाइयों को समयबद्ध एवं विश्वसनीय रेल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने अधिकारियों को उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने, संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने तथा यात्री और माल परिचालन को और अधिक सुचारु बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मंडल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं रेल कर्मचारी भी मौजूद रहे।

एक साल में बदली धनबाद की शिक्षा की तस्वीर, 464 स्कूल बनेंगे स्कूल ऑफ एक्सीलेंसः उपायुक्त

जिला प्रशासन ने शिक्षा क्षेत्र की सालभर की उपलब्धियां गिनाईं, डिजिटल लाइब्रेरी, स्किल सेंटर और जर्जर स्कूलों के जीर्णोद्धार पर विशेष जोर

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः जिला प्रशासन ने पिछले एक वर्ष में स्कूली और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए गए सुधारों और विकास कार्यों का विस्तृत लेखा-जोखा शनिवार को पत्रकारों के सामने रखा। समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और परिणामोन्मुखी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं।

उपायुक्त ने बताया कि जिले के 464 सरकारी विद्यालयों को मुख्यमंत्री स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। इन विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष, अलग शौचालय, बाउंड्री वॉल, खेल मैदान, भोजनालय, मल्टीपरपज हॉल, बेंच-डेस्क, वाटर कूलर, हेल्थ किट और स्पोर्ट्स किट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों का 200 अंकों के मानकों पर मूल्यांकन किया गया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए, जबकि कमजोर प्रदर्शन वाले विद्यालयों को सुधार के लिए मार्गदर्शन दिया गया। इससे छात्रों और शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यालयों के प्रति जुड़ाव तथा सकारात्मक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि हुई है।

बोर्ड परीक्षाओं से पहले दो प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की गईं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसका परिणाम यह रहा कि बोर्ड परीक्षा में धनबाद राज्य के शीर्ष दस जिलों में शामिल रहा। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 विद्यालयों के शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

उपायुक्त ने बताया कि प्रोजेक्ट

इम्पैक्ट सह-प्रयास कार्यक्रम के तहत विद्यालयों में सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार हुआ है। इसके अंतर्गत जिले के बीआरपी-सीआरपी, उच्च विद्यालयों, प्राथमिक और मध्य विद्यालयों के सैकड़ों शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।

उन्होंने बताया कि नेताजी आवासीय विद्यालय के 130 छात्रों को नए परिसर में स्थानांतरित किया गया है, जहां नए भवन का निर्माण जारी है। वहीं वर्ष 2025-26 में 20 हजार विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की गई है।

जिले में 10 स्मार्ट डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें चार लाइब्रेरी स्वीकृत होकर निर्माणाधीन हैं, जबकि पांच अन्य प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं।

कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए राजकीय पॉलिटेक्निक में डिजिटल साक्षरता का निशुल्क पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा आरएस मोर कॉलेज, बीबीएमकेयू परिसर और बेलगड़िया में विभिन्न स्किल डेवलपमेंट सेंटर विकसित किए जा रहे हैं, जहां प्रशिक्षण के बाद रोजगार उपलब्ध कराने की व्यवस्था होगी।

उपायुक्त ने बताया कि उच्च शिक्षा के विस्तार के लिए पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज, बीबीएमकेयू, स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मास कम्युनिकेशन, आरएसपी कॉलेज झरिया सहित कई संस्थानों को नई जमीन उपलब्ध कराई गई है। साथ ही शैक्षणिक संस्थानों की सरकारी भूमि को बाउंड्री वॉल बनाकर सुरक्षित किया गया है।

उन्होंने बताया कि जिले के 59 जर्जर विद्यालयों की पहचान कर उनके जीर्णोद्धार का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इनमें से आठ विद्यालयों को नए भवनों में स्थानांतरित किया जा चुका है।

टुंडी स्थित अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास को कल्याण गुरुकुल में बदलकर युवाओं को निशुल्क आवासीय कौशल प्रशिक्षण और प्लेसमेंट उपलब्ध कराया जा रहा है।

उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा में सुधार की यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी और बेहतर आधारभूत संरचना, प्रशिक्षित शिक्षकों तथा आधुनिक संसाधनों के बल पर धनबाद को झारखंड का अग्रणी शैक्षणिक जिला बनाने का प्रयास किया जाएगा। पत्रकार वार्ता में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, शिक्षा विभाग एवं डीएमएफटी की टीम तथा प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रशिक्षण से स्कूलों में बेहतरीन शैक्षणिक माहौल का होगा निर्माणः उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः शिक्षकों को बेहतर और सकारात्मक मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से आज एमटीसी सभागार में झरिया प्रखंड के सभी प्राथमिक, मध्य, उच्च, उच्चतर माध्यमिक एवं आवासीय विद्यालयों के 108 विद्यालयों के 211 प्रभारी प्रधानाध्यापकों एवं सहायक शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसका उद्घाटन करते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि इस प्रशिक्षण से स्कूलों में गुणात्मक शिक्षा, कुशल प्रबंधन और एक बेहतरीन शैक्षणिक माहौल का निर्माण होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पहल का मुख्य ध्येय शिक्षा के स्तर में सुधार करना और बच्चों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है।

उन्होंने कहा इसके लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण बेहद जरूरी है। इस तरह के कार्यक्रमों से शिक्षकों को सकारात्मक मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे वे कुशल स्कूल प्रबंधन में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। शिक्षा के स्तर में सुधार होगा। बेहतर मार्गदर्शन मिलने से शिक्षक स्कूलों में न केवल शिक्षा की गुणवत्ता सुधारेंगे, बल्कि बच्चों के लिए एक सकारात्मक और कुशल प्रबंधन युक्त वातावरण भी तैयार कर सकेंगे।

प्रशिक्षण के दौरान विद्यालयों की आधारभूत संरचना के रख-रखाव, बाल-मित्र आधारित परिसर के निर्माण, बेहतर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के प्रभावी उपयोग तथा गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भोजन (एमडीएम) के संचालन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, इन सभी पहलुओं के माध्यम से विद्यालय परिसर में बच्चों के लिए सुरक्षित, आकर्षक, आनंददायक एवं खुशहाल शैक्षिक वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

प्रिंस खान पर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः वासेपुर स्थित घर की कुर्की-जब्ती शुरू, विधायक अरूप चटर्जी ने रंगदारी व धमकी का लगाया आरोप

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः फरार अपराधी प्रिंस खान एक बार फिर चर्चा में है। एक ओर निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने उस पर रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है, वहीं दूसरी ओर धनबाद पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर वासेपुर स्थित उसके आवास पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई शुरू कर दी है।

निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने बताया कि उनके मोबाइल फोन पर वीडियो कॉल, ऑडियो कॉल और मैसेज के माध्यम से कथित तौर पर रंगदारी की मांग की गई। साथ ही उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। विधायक ने इसकी सूचना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को दे दी है। उन्होंने कहा कि वे इस तरह की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं और पूरे मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)

से जांच कराने की मांग की है।

इधर, धनबाद पुलिस ने न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव के नेतृत्व में वासेपुर स्थित प्रिंस खान के घर पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम जेसीबी मशीन और ढोल-नगाड़ों के साथ मौके पर पहुंची तथा भवन को खाली कराकर आगे की कार्रवाई प्रारंभ की। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि संबंधित भवन काफी जर्जर स्थिति में है। आसपास बच्चों का आना-जाना और खेलना होता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने कहा कि भवन का निर्माण भी स्वीकृत मानकों के अनुरूप नहीं है। न्यायालय के आदेश और सुरक्षा के मद्देनजर जेसीबी की सहायता से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोर्ट के निर्देशानुसार आगे की कानूनी प्रक्रिया भी जारी रहेगी।

वहीं, धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि विधायक की शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि रंगदारी और धमकी से जुड़े आरोपों की भी विधिसम्मत जांच की जाएगी।

धमकी मामले में सांसद ढुलू महतो और प्रिंस खान पर एफआईआर, अरूप चटर्जी ने लगाए गंभीर आरोप

रंगदारी और जान से मारने की धमकी के पीछे सांसद का हाथ, पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच की मांगः निरसा विधायक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने शनिवार को धनबाद परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में सांसद ढुलू महतो और फरार गैंगस्टर प्रिंस खान पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि उन्हें मिली रंगदारी और जान से मारने की धमकी के पीछे सांसद ढुलू महतो का हाथ है। इस संबंध में उन्होंने निरसा थाना में सांसद ढुलू महतो और प्रिंस खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

अरूप चटर्जी ने कहा कि दो दिन पहले उन्होंने प्रेस वार्ता कर सांसद ढुलू महतो के कथित अवैध कारोबार और गैंगस्टर प्रिंस खान से कथित संबंधों की जांच की मांग की थी। उनका आरोप है कि इन सवालों का जवाब देने के बजाय उन्हें प्रिंस खान के माध्यम से धमकी दिलाई

गई। उन्होंने कहा कि एफआईआर में उल्लेख किया गया है कि सांसद के इशारे पर प्रिंस खान धनबाद में लोगों को धमकाकर रंगदारी वसूलता है और उनकी कथित अवैध संपत्ति की सुरक्षा करता है।

विधायक के अनुसार, शुक्रवार शाम रांची में विधानसभा सत्र के दौरान उनके मोबाइल पर प्रिंस खान की ओर से धमकी भरा संदेश आया। इसके बाद उन्होंने धनबाद के एसएसपी को सूचना दी और मीडिया को भी पूरे मामले से अवगत कराया। इसके बाद उन्होंने निरसा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई।

अरूप चटर्जी ने सांसद ढुलू महतो के हालिया बयान पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि उन्हें 1 जुलाई को धमकी मिली थी, तो इसकी जानकारी तत्काल सार्वजनिक क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा कि या तो दोनों के बीच संबंध हैं या फिर सांसद को मिला धमकी का संदेश फर्जी है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र में उनकी सरकार होने के बावजूद यदि सांसद को धमकी मिलती है और वे चुप रहते हैं, तो यह कई सवाल खड़े करता है।

उन्होंने कहा कि प्रिंस खान की गिरफ्तारी केवल राज्य सरकार के स्तर पर संभव नहीं है, क्योंकि वह भारत से बाहर पाकिस्तान में छिपा हुआ बताया जाता है। ऐसे में उसकी गिरफ्तारी के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की मदद लेने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रिंस खान के पूरे नेटवर्क और उसके कथित संरक्षकों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

प्रेस वार्ता में अरूप चटर्जी ने कहा कि यदि भविष्य में उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो उसके लिए सांसद ढुलू महतो और प्रिंस खान जिम्मेदार होंगे। उन्होंने सांसद पर कथित रूप से अपनी संपत्ति बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि धनबाद में मुंबई की तर्ज पर "भाई" संस्कृति विकसित करने की कोशिश की जा रही है।

ट्रेड लाइसेंस जांच में नियम उल्लंघन पर नगर निगम ने लगाया 10 हजार रुपये जुर्माना

» माधुरी पैलेस परिसर में चला विशेष अभियान, व्यवसायियों को लाइसेंस बनवाने और नवीकरण कराने का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद नगर निगम ने व्यापारिक प्रतिष्ठानों में ट्रेड लाइसेंस की जांच और नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया। इसी क्रम में शनिवार को निगम की टीम ने माधुरी पैलेस परिसर स्थित विभिन्न दुकानों का निरीक्षण कर ट्रेड लाइसेंस की जांच की।

जांच के दौरान कई दुकानदार ट्रेड लाइसेंस संबंधी नियमों का उल्लंघन करते पाए गए। इस पर नगर निगम ने संबंधित दुकानदारों पर कुल 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। साथ ही उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर ट्रेड लाइसेंस बनवाने अथवा उसका नवीकरण कराने का निर्देश दिया गया।

नगर निगम ने सभी व्यवसायियों से समय पर ट्रेड लाइसेंस बनवाने और उसका नियमित नवीकरण कराने की अपील की है। निगम ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे भी विशेष जांच अभियान जारी रहेगा और नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

महुदा के जंगल में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, हत्या या आत्महत्या? पुलिस हर पहलू से कर रही जांच

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

महुदा (धनबाद): महुदा थाना क्षेत्र के तेलमोच्चो पंचायत स्थित नूतनडीह कुंजी जंगल में शनिवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की उम्र करीब 22 वर्ष बताई जा रही है। सूचना मिलते ही महुदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। समाचार लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो सकी थी।

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह एक महिला धान का बीज डालने के लिए खेत गई थी। इसी दौरान उसकी नजर जंगल में एक नीम के पेड़ की टहनी से लटक रहे शव पर पड़ी। महिला के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई।

घटनास्थल की परिस्थितियों को देखकर ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई। मृतक के

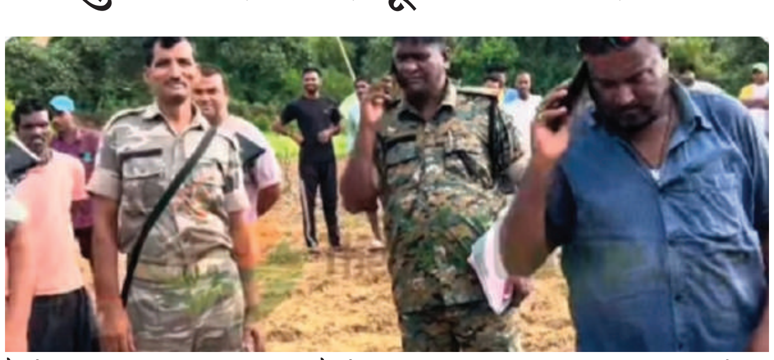

पैर से खून टपक रहा था, जबकि उसका पैंट पेड़ के नीचे पड़ा मिला। युवक के शरीर पर केवल अंडरवियर था और उसकी लाल रंग की शर्ट को ही फंदा बनाकर शव को पेड़ से लटकाया गया था। इन परिस्थितियों के कारण लोगों का मानना है कि युवक की कहीं और हत्या कर साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को जंगल में लटकाया गया हो सकता है।

पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की। साथ ही शव की पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन देर शाम तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

फिलहाल पुलिस आत्महत्या और हत्या, दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया गया है तथा पहचान के प्रयास जारी हैं।

अवैध खनन व कोयला चोरी रोकने को लेकर बीसीसीएल-सीआईएसएफ में मंथन, सुरक्षा व्यवस्था होगी और मजबूत

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के मुख्य कार्यकारी निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक प्रवीर रंजन, आईपीएस से शिष्टाचार मुलाकात कर बीसीसीएल की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के अध्यक्ष बी. साईराम भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान बीसीसीएल के विभिन्न कोयला क्षेत्रों में अवैध खनन, कोयला चोरी, कोयला तस्करी तथा अधिकारियों और कर्मचारियों पर होने वाले हमलों जैसी चुनौतियों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया

गया। इन घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बीसीसीएल और सीआईएसएफ के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, सुरक्षा तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर सहमति बनी।

बीसीसीएल प्रबंधन ने कंपनी की खदानों, परियोजनाओं, कोयला भंडारण स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। साथ ही, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराने और निर्बाध कोयला उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया गया।

सीआईएसएफ के महानिदेशक प्रवीर रंजन ने बीसीसीएल को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सुरक्षा ढांचे को और प्रभावी बनाने, संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा बीसीसीएल की परिसंपत्तियों, बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

बैठक में आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के अनुरूप देश के ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत बनाने में कोयला उत्पादन की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी चर्चा हुई। इस दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि सुरक्षित और निर्बाध कोयला उत्पादन न केवल औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए बीसीसीएल और सीआईएसएफ के बीच संस्थागत सहयोग को और सशक्त बनाने पर सहमति व्यक्त की गई।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

कसमार प्रखंड के मुरहूलसुदी में पंचायत लीग क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

पहले दिन अजय हिटमैन एवं गिरीनाग डेनियल की टीम जीती

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के मुरहूलसुदी स्थित काशीटांड़ मैदान में आयोजित मुरहूलसुदी पंचायत लीग (एमपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट शनिवार को शुरू हो गया। उदघाटन मैच मिथिलेश इलेवन और अजय हिटमैन के बीच खेला गया। जिसमें अजय हिटमैन की टीम तीन रनों से विजय हुई। मैच में मिथलेश इलेवन के कप्तान सुरेंद्र महतो ने टॉस जीतकर क्षेत्र रक्षण का निर्णय लिया। अजय हिटमैन की टीम ने दो विकेट खोकर 87 रन का स्कोर खड़ा किया। तुलसीदास महतो ने सर्वाधिक 36 रन बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए मिथिलेश इलेवन की टीम निर्धारित आठ ओवर में सात विकेट खोकर 84 रन ही बना सकी।

दूसरा मैच शुभम सुपर इलेवन और गिरीनाग डेनियल के बीच खेला गया। जिसमें गिरीनाग की टीम ने छह विकट से जीत दर्ज की। शुभम सुपर इलेवन के कप्तान करमचंद महतो ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। उनकी टीम ने सभी विकेट खोकर सात विकेट में 55 रन का स्कोर बनाया। जवाबी पारी खेलते हुए गिरीनाग डेनियल की टीम ने चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। जिसमें कप्तान जितेंद्र महतो ने छह गेंद पर 23 रनों की शानदार पारी खेली। इससे पहले स्थानीय मुखिया सरिता देवी ने फीता काटकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का उदघाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुरहुलसुदी जैसे पंचायत में इस प्रकार का आयोजन एक सराहनीय पहल है। इससे नई खेल प्रतिभाओं को उभरने और निखारने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि गांव और गलियों से ही बड़े-बड़े खिलाड़ी निकलते हैं। कसमार प्रखंड इस प्रकार का उदाहरण पहले भी कई बार प्रस्तुत कर चुका है और निश्चित है कि आने वाले दिनों में भी नई खेल प्रतिभाएं क्षेत्र का नाम रोशन करेगी। मौके पर मनोज कुमार महतो, उप मुखिया उमा देवी, नरेश कुमार महतो, श्रीकांत सोरेन, उमेश मुंडा, चंद्र मोहन सिंह, रिखीलाल महतो, संजय करमाली, जितेंद्र महतो, जयवीर महतो, लालचंद महतो, तुलसी महतो, धूमल महतो आदि मौजूद थे।

लक्ष्य तक पहुंचाने वाली सफलता की पहली सीढ़ी है अनुशासन : डीआईजी

डीपीएस चास में बैज अलंकरण समारोह प्रतिस्थापन का आयोजन, नवनिर्वाचित छात्र परिषद सम्मानित

बोकारो : चास स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में अनुशासन, नेतृत्व और उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा देने के लिए अलंकरण समारोह प्रतिस्थापन का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि बिहार कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सह सीआईएसएफ बोकारो के डीआईजी राजीव मिश्रा रहे। कार्यक्रम के दौरान सीबीएसई परीक्षा-2026 में दसवीं व बारहवीं कक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

समारोह में नवनिर्वाचित छात्र परिषद के पदाधिकारियों, जिनमें हेड बॉय कृशांग तरेनिया व चिन्मय जैन, हेड गर्ल खुशी सोरेन, वाइस हेड बॉय सुशांत व अक्षित, वाइस हेड गर्ल कृतिका कृशन सहित सांस्कृतिक, खेल और साहित्यिक सचिवों के साथ-साथ हाउस कैप्टन और प्रिफेक्ट्स को आधिकारिक बैज प्रदान कर पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। सभी छात्र प्रतिनिधियों ने पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि डीआईजी राजीव मिश्रा ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि अनुशासन सफलता की पहली सीढ़ी है, जो व्यक्ति को लक्ष्य तक पहुंचाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से सूक्ष्म अवलोकन और सच्चे नेतृत्व के गुणों को अपनाने का आह्वान किया जो समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रो. वाइस चेयरमैन राजेश अग्रवाल, निदेशिका-सह-प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी और डीएस मेमोरियल सोसायटी के सचिव सुरेश अग्रवाल ने भी नवनिर्वाचित छात्र परिषद को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नेतृत्व का वास्तविक अर्थ अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और संवेदनशीलता है, और उन्हें पूरी उम्मीद है कि ये बच्चे अपने उत्कृष्ट आचरण से विद्यालय का मान बढ़ाएंगे।

रोटरी में पूजा बैद को बड़ी जिम्मेदारी, जोन 7 की सहायक मंडल अध्यक्ष नियुक्त

बोकारो : रोटरी इंटरनेशनल के रोटरी जिला 3250 के अंतर्गत रोटरी क्लब चास की अत्यंत सक्रिय और ऊर्जावान सदस्य पूजा बैद को एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें आधिकारिक तौर पर जोन 7 का सहायक मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी इस गरिमामयी और प्रतिष्ठित नियुक्ति की खबर आते ही बोकारो रोटरी क्लब, रोटरी क्लब चास और रोटरी मिड टाउन कपल क्लब के सदस्यों सहित पूरे क्षेत्र के रोटेरियनों में जबरदस्त उत्साह और खुशी का माहौल देखा जा रहा है।

पूजा बैद लंबे समय से रोटरी के बैनर तले विभिन्न जन-सरोकार के सेवा कार्यों और सामाजिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाती रही हैं। उनके इसी बेहतरीन संगठनात्मक कौशल, बेजोड़ नेतृत्व क्षमता और समाज के प्रति सेवा भावना को रेखांकित करते हुए जिला नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताया है और यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

इस उपलब्धि पर रोटरी क्लब चास के पदाधिकारियों और वरिष्ठ सदस्यों ने पूजा बैद को ढेरों बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने संयुक्त रूप से कहा कि पूजा के कुशल नेतृत्व में विभिन्न क्लबों के बीच आपसी समन्वय और अधिक मजबूत होगा, जिससे रोटरी की दूरगामी सेवा परियोजनाओं को एक नई गति और सही दिशा मिलेगी। सभी सदस्यों ने पूर्ण विश्वास जताया कि वे अपने समृद्ध अनुभव और समर्पण के बल पर इस चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगी।

अपनी इस नियुक्ति पर नवनियुक्त सहायक मंडल अध्यक्ष पूजा बैद ने जिला नेतृत्व और सभी सहयोगी क्लबों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता और आभार प्रकट किया है। उन्होंने संकल्प दोहराते हुए कहा कि वे रोटरी के मूल आदर्शों सेवा से बढ़कर कुछ नहीं को और आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करेंगी। इस खास मौके पर रोटरी क्लब चास के सदस्यों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके सफल और स्वर्णिम कार्यकाल की कामना की है।

संदिग्ध हालत में युवक का शव मिलने से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत राजमहल-तीनपहाड़ मुख्य मार्ग के बीच स्थित पुन्नी टोला इलाके में एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में हड़कंप मच गया। शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई।

मृतक की पहचान फरहान अहमद अंसारी (लगभग 30 वर्ष) के रूप में की गई है। वह स्वर्गीय इकबाल अहमद अंसारी के पुत्र थे और पुन्नी टोला, राजमहल के निवासी बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क किनारे संदिग्ध अवस्था में शव पड़ा देखा, जिसके बाद तत्काल इसकी सूचना राजमहल थाना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी।

प्रारंभिक जांच में शव करीब दो से तीन दिन पुराना होने की आशंका जताई जा रही है। परिजनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतक पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे, हालांकि उनकी मानसिक स्थिति सामान्य रूप से स्थिर बताई जा रही थी।

फिलहाल युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

बैंक ऑफ इंडिया की इसरी बाजार शाखा में 1.92 करोड़ की धोखाधड़ी, पूर्व प्रबंधक पर FIR की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः बैंक ऑफ इंडिया की इसरी बाजार शाखा में 1 करोड़ 92 लाख 37 हजार 171 रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला प्रकाश में आया है। शाखा के वर्तमान वरिष्ठ प्रबंधक बिनोद कुमार ने निमियाघाट थाना में आवेदन देकर शाखा के पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक प्रदीप कुमार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।बैंक के अनुसार अप्रैल 2026 में जारी अर्ली वार्निंग सिग्नल के बाद की गई जांच में कई वित्तीय अनियमितताएं सामने आईं। आरोप है कि प्रदीप कुमार ने अपनी माता मंजू देवी के नाम पर दो ओवरड्राफ्ट खाते खोलकर 15 ग्राहकों की 17 सावधि जमा को उनकी जानकारी और सहमति के बिना उन खातों से जोड़ दिया। जांच में यह भी आरोप लगाया गया है कि जून 2025 से अप्रैल 2026 के बीच इन खातों से चरणबद्ध तरीके से 1 करोड़ 92 लाख रुपये से अधिक की राशि निकाली गई, जिससे बैंक को भारी वित्तीय क्षति हुई। बैंक ने यह भी दावा किया है कि संबंधित टीडीआर और ऋण दस्तावेज शाखा के अभिलेखों में उपलब्ध नहीं हैं, जिससे दस्तावेजों में हेरफेर की आशंका जताई गई है।बैंक प्रबंधन ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने, निकाली गई राशि का पता लगाने तथा इस मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच करने की मांग की है।

मन्नोनति महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने 250 से अधिक किसानों के बीच बांटे 1.25 लाख ग्राफ्टेड सब्जी पौधे

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। किसानों की आय बढ़ाने और वैज्ञानिक खेती को प्रोत्साहित करने की दिशा में मन्नोनति महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पेटरवार न्यू बस स्टैंड के समीप स्थित अपने केंद्र पर 250 से अधिक किसानों के बीच करीब 1.25 लाख उच्च गुणवत्ता वाले ग्राफ्टेड टमाटर एवं बैंगन के पौधों का वितरण किया। इस कार्यक्रम को प्रदान संस्था का सहयोग एवं प्रोत्साहन प्राप्त है। वितरित किए गए ग्राफ्टेड पौधों की विशेषता है कि इनमें सामान्य पौधों की तुलना में अधिक उत्पादन क्षमता होती है। साथ ही ये रोग एवं कीटों के प्रति अधिक प्रतिरोधी होते हैं, जिससे किसानों की फसल सुरक्षित रहती है और उत्पादन लागत व जोखिम दोनों में कमी आती है। मन्नोनति महिला किसान

प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड लगातार किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने, गुणवत्तापूर्ण कृषि सामग्री उपलब्ध कराने तथा उनकी उपज को बेहतर बाजार से जोड़कर उचित मूल्य दिलाने की दिशा में कार्य कर रही है। संस्था का उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना और उनकी आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करना है। इस पहल से क्षेत्र के किसानों में वैज्ञानिक एवं उन्नत खेती के प्रति उत्साह बढ़ा है। किसानों का मानना है कि ग्राफ्टेड पौधों के उपयोग से उन्हें बेहतर उत्पादन और अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त होगा, जिससे उनकी आजीविका और मजबूत होगी।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद की पहल पर केबीपी परियोजना प्रभावित रैयतों की त्रिपक्षीय वार्ता, 15 सूत्री मांगों पर जल्द कार्रवाई के निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद की पहल पर शनिवार को तेनुघाट स्थित सिंचाई विभाग के अतिथि गृह में कोतरे–बसंतपुर–पचमो (केबीपी) परियोजना से प्रभावित गोमिया अंचल के पचमो पंचायत के रैयतों के हक एवं अधिकारों को लेकर त्रिपक्षीय वार्ता आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने की।।बैठक में अपर समाहर्ता बोकारो, बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी, गोमिया अंचल अधिकारी (सीओ), सीसीएल हजारीबाग कोल क्षेत्र के महाप्रबंधक, सीसीएल रांची के भूमि एवं राजस्व विभाग के महाप्रबंधक, केबीपी परियोजना पदाधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में रैयत मौजूद रहे। बैठक के दौरान मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने अधिकारियों एवं सीसीएल प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि पचमो पंचायत

के रैयतों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव या राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति के तहत रैयतों को मिलने वाले सभी अधिकार एवं सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र उपलब्ध कराई जाएं। मंत्री ने रैयतों की 15 सूत्री मांगों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए प्रत्येक मांग पर सकारात्मक एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान रैयतों ने भी अपनी समस्याओं, चिंताओं और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को खुलकर मंत्री एवं अधिकारियों के समक्ष रखा।

बैठक में सीसीएल प्रबंधन ने बताया कि जिन मांगों का संबंध नीतिगत निर्णयों से है, उन्हें आवश्यक कार्रवाई के लिए सीसीएल मुख्यालय भेजा जाएगा, जबकि क्षेत्रीय स्तर पर लंबित मांगों के समाधान पर सकारात्मक सहमति बनी है। बैठक के बाद मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि पचमो के रैयत लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अब उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। प्रबंधन के साथ हुई सकारात्मक वार्ता के परिणामस्वरूप कई महत्वपूर्ण मांगों पर सहमति बनी है और शेष मामलों के समाधान की प्रक्रिया भी शीघ्र आगे बढ़ाई जाएगी।

घटिया ईंट से बन रहा भगत मध्य विद्यालय का भवन, प्राक्कलन के अनुसार काम नहीं होने पर अभिभावकों और शिक्षकों ने किया विरोध

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः एनआरईपी विभाग द्वारा डुमरी के भगत मध्य विद्यालय इसरी में बन रहे छह कमरे के नए विद्यालय भवन में प्राक्कलन के अनुरूप ईंट का प्रयोग नहीं किए जाने का मामला सामने आया है। घटिया ईंट लगाए जाने को लेकर शनिवार को विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक, विद्यालय प्रबंधन समिति और अभिभावकों ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर विरोध जताया।विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सुषमा कुमारी ने बताया कि भवन निर्माण में इस्तेमाल हो रही ईंट की गुणवत्ता काफी खराब है। प्राक्कलन के अनुसार इसमें 75 बी ग्रेड की ईंट लगनी है, जिसे स्थानीय भाषा में दो नंबर चिमनी ईंट कहा जाता है। लेकिन संवेदक द्वारा बंगला भट्ठा ईंट का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा, जब बुनियाद ही कमजोर होगी तो भवन मजबूत कैसे बनेगा? बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त

नहीं किया जाएगा।विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष प्रीति कुमारी ने बताया कि घटिया ईंट लगाए जाने की शिकायत कई बार संवेदक और विभागीय अधिकारियों से की गई, लेकिन अब तक कोई सुधार नहीं हुआ।विरोध में शामिल अभिभावकों लेखनी देवी, सावित्री देवी, ललिता देवी, जेबुन निशा, देवकी देवी, मंजू देवी, प्रेमा देवी और सलमा खातून ने कहा कि घटिया सामग्री के इस्तेमाल से विद्यालय भवन के कमजोर बनने की पूरी संभावना है। इससे बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी।बताया गया कि विद्यालय के जर्जर भवन को तोड़कर 53 लाख 61 हजार 200 रुपये की प्राक्कलित राशि से नए भवन का निर्माण कराया जा रहा है।इस संबंध में विभाग के कनीय अभियंता पंकज कुमार ने कहा कि भवन निर्माण में 75 बी ग्रेड की चिमनी ईंट लगाने का प्रावधान है। पहले उन्होंने कहा कि काम प्राक्कलन के अनुसार ही हो रहा है। बाद में उन्होंने कहा कि यदि स्थल पर बंगला भट्ठा ईंट का प्रयोग पाया गया तो उसे तुरंत हटवाया जाएगा और मानक के अनुसार ही निर्माण कराया जाएगा।अभिभावकों और विद्यालय परिवार ने विभाग से मांग की है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कर दोषी संवेदक पर कार्रवाई की जाए।

डुमरी में अधिवक्ताओं ने एसडीएम से की मुलाकात, छोटे मुकदमों के त्वरित निष्पादन पर चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः शनिवार को डुमरी अनुमंडल के अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत कुमार जायसवाल और सचिव अशोक कुमार जैन के नेतृत्व में डुमरी अनुमंडल पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की।इस दौरान अधिवक्ताओं ने न्यायालय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। साथ ही छोटे और मामूली प्रकृति के मुकदमों की सुनवाई त्वरित गति से करने का आग्रह भी किया।एसडीएम राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने आश्वासन दिया कि मुकदमों का निष्पादन तेजी से किया जाएगा, ताकि आम जनता को न्यायालय के चक्कर कम लगाने पड़ें।वहीं अधिवक्ताओं ने एसडीएम को यह भी आश्वस्त किया कि न्यायिक प्रक्रिया को सुगम बनाने में अधिवक्ता संघ की भूमिका पूरी तरह सकारात्मक रहेगी।

डुमरी में प्रखंड स्तरीय लिटिल चैम्प फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न, परसाटांड ने बालक-बालिका दोनों वर्गों में मारी बाजी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः झारखंड शिक्षा परियोजना, गिरिडीह के तत्वावधान में शनिवार को डुमरी प्रखंड स्तरीय द्वितीय "लिटिल चैम्प" फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन पीएनडी जैन उच्च विद्यालय, इसरी के मैदान में किया गया।मुख्य अतिथि के रूप में डुमरी की उप प्रमुख उपेन्द्र महतो, बीपीओ गणेश मुखर्जी और नोडल शिक्षक सह खेल प्रभारी अनूप कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।इस अवसर पर नोडल शिक्षक अनूप कुमार ने कहा कि सुब्रतो कप प्रतियोगिता के बाद छोटे बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया है। डुमरी प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 3 से कक्षा 5 तक के छात्र-छात्राओं के बीच रोमांचक मुकाबले

हुए। अंडर-12 बालक वर्ग फाइनल मुकाबला उत्क्रमित मध्य विद्यालय मंगलूहार और उत्क्रमित उच्च विद्यालय परसाटांड के बीच खेला गया। इसमें उत्क्रमित उच्च विद्यालय परसाटांड की टीम विजेता बनी। फाइनल उत्क्रमित उच्च विद्यालय परसाटांड और उत्क्रमित मध्य विद्यालय कोदवाडीह के बीच हुआ, जिसमें परसाटांड की बालिकाओं ने चैम्पियनशिप अपने नाम की।इस प्रकार परसाटांड विद्यालय ने बालक और बालिका दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए डबल खिताब जीता। कार्यक्रम में गणेश महतो, नरेश कुमार, ब्रजदीश कुमार, दशरथ महतो, जानकी हरिजन, रौशन पांडेय, दयानन्द कुमार, नरेश महतो, निलेश कुमार, महेंद्र महतो, विजय कुमार, राजेश कुमार सहित कई शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

डुमरीः RPF गोमो ने मदरसा छात्रों को दी रेल सुरक्षा और यात्री जागरूकता की जानकारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट गोमो द्वारा शनिवार को पारसनाथ स्टेशन के समीप स्थित दारुल उलूम फैजान-ए-मुस्तफा मदरसा, बरकीटांड में रेल सुरक्षा एवं यात्री जागरूकता अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान आरपीएफ अधिकारियों और जवानों ने मदरसा के विद्यार्थियों को सुरक्षित रेल यात्रा के महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी।छात्रों को दी गई प्रमुख सलाहें- रेल यात्रा के दौरान शराब या किसी भी प्रकार का ज्वलनशील पदार्थ साथ न ले जाएं।केवल निर्धारित फुटओवर ब्रिज या समपार से ही रेलवे ट्रैक पार करें। अनधिकृत रूप से ट्रैक पार न करें,चलती ट्रेन में

चढ़ने-उतरने का प्रयास न करें और न ही ट्रेन के पायदान पर बैठकर यात्रा करें। बिना किसी आपात स्थिति के चेन पुलिंग (एसीपी) या अन्य संचार उपकरणों से छेड़छाड़ न करें, किसी अपरिचित व्यक्ति द्वारा दिए गए खाद्य पदार्थ का सेवन न करें। नशाखुरानी जैसी घटनाओं से सावधान रहें।ट्रेनों पर पत्थरबाजी के दुष्परिणाम और इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों के बारे में भी छात्रों को बताया गया। आरपीएफ अधिकारियों ने कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी, संदिग्ध गतिविधि या आपात स्थिति में तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क किया जा सकता है।उपस्थित अधिकारीः

जागरूकता अभियान में आरपीएफ पोस्ट गोमो के निरीक्षक अंगद कुमार, उप-निरीक्षक शाकिब आलम, उप-निरीक्षक आभाष चंद्र सिंह सहित अन्य रेल सुरक्षा कर्मी उपस्थित थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ। उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

नमक आंदोलन की तर्ज पर नागरिकता बचाओ आंदोलन?

मुकेश तिवारी

एसआईआर पर बढ़ता राजनीतिक टकरावः क्या देश सविनय अवज्ञा जैसे आंदोलन की ओर बढ़ रहा है?

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देश की राजनीति गर्माती जा रही है। विपक्षी दलों ने एसआईआर प्रक्रिया को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए, इसके खिलाफ साझा मोर्चा बना लिया है। विपक्ष का कहना है कि यदि सर्वोच्च न्यायालय से शीघ्र राहत नहीं मिलती है, तो ऐसी स्थिति में महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन की तर्ज पर देशव्यापी जन आंदोलन शुरू किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से विपक्षी दलों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपकर एसआईआर प्रक्रिया पर तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट ने जल्द ही इस मामले में फैसला नहीं किया, तो अगस्त माह से सारे देश में जन आंदोलन शुरू करने विपक्ष लामबंद हो रहा है।

विपक्ष का आरोप है कि जिन राज्यों में एसआईआर लागू किया गया है, वहां बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। विपक्षी नेताओं का दावा है कि पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में करोड़ों मतदाता प्रभावित हुए हैं। उनका कहना है, मतदाता सूची से नाम हटने के कारण नागरिकों की सरकारी सेवाओं और सुविधाओं को खत्म किया जा रहा है। नागरिकों के मौलिक अधिकार खत्म किये जा रहे हैं। हालांकि, चुनाव आयोग इन आरोपों से सहमत नहीं है। चुनाव आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य केवल मतदाता सूची को शुद्ध और सही करना है। प्रत्येक पात्र नागरिक को अपना पक्ष रखने और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर चुनाव आयोग द्वारा दिया जा रहा है। वहीं विपक्ष का आरोप है, मतदाताओं के नाम काटकर भाजपा को जिताने का षड्यंत्र किया जा रहा है।

विपक्ष इस विवाद को लेकर 12 मार्च 1930 से शुरू हुए महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह आंदोलन की तर्ज पर आंदोलन करने जा रहा है। उस समय ब्रिटिश सरकार ने नमक के उत्पादन और बिक्री पर एकाधिकार स्थापित कर नमक पर कर लगाया था। इसके विरोध में गांधीजी ने साबरमती आश्रम से 78 स्वयंसेवकों के साथ दांडी यात्रा प्रारंभ की, जो आगे चलकर सविनय अवज्ञा आंदोलन में बदल गई। विपक्ष का मानना है, जिस प्रकार उस समय नमक आंदोलन प्रत्येक भारतीय के जीवन से जुड़ा विषय था, उसी प्रकार आज मतदान का अधिकार लोकतंत्र की आधारशिला है। यदि मतदाताओं के नाम जबरिया सूची से हटते हैं, तो इसका प्रभाव सीधे लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं नागरिकों की स्वतंत्रता से जुड़ता है।

इसी बीच कर्नाटक में इस मुद्दे पर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राज्य सरकार नागरिकों के दस्तावेजों और पहचान से संबंधित व्यवस्था को मजबूत करने के उपायों पर विचार कर रही है। कर्नाटक की सरकार अपने स्तर पर नागरिक पहचान या प्रमाणन से जुड़ी नई व्यवस्था लागू करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इससे आगे चलकर केंद्र और राज्यों के बीच संवैधानिक तथा प्रशासनिक रिश्तों को लेकर बहस और तेज हो सकती है।

एसआईआर का यह विवाद केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं रह गया है। बल्कि यह विवाद लोकतांत्रिक अधिकारों, संघीय ढांचे और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका पर भी व्यापक बहस का विषय बन चुका है। एक ओर विपक्ष इसे मताधिकार और मौलिक अधिकार से जोड़ रहा है, वहीं चुनाव आयोग और केंद्र सरकार इसे मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने की नियमित संवैधानिक प्रक्रिया बता रहे हैं। प. बंगाल एवं बिहार सरकार ने मतदाता सूची को आधार बताकर पासपोर्ट भी बनाना बंद कर दिया है।

अब विपक्ष की निगाहें सर्वोच्च न्यायालय पर टिकी हैं। यदि न्यायालय इस मामले में कोई महत्वपूर्ण निर्देश देता है, तो इस विवाद को टाला जा सकता है। यदि न्यायापालिका से जल्द ही न्याय नहीं मिला, तो आने वाले समय में एसआईआर को लेकर देशभर में व्यापक जन आंदोलन और राजनीतिक संघर्ष देखने को मिल सकता है। इस स्थिति में लोकतांत्रिक संस्थाओं, राजनीतिक दलों और नागरिकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि मतदाता सूची की पारदर्शिता और प्रत्येक पात्र नागरिक के मतदान अधिकार की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

अभी तक जिन राज्यों में एसआईआर हुई है। वहां के 6.50 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाये गये है। बिहार एवं प. बंगाल में जिनके नाम मतदाता सूची से कट गए है, उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ बंद किया जा रहा है। टेलीग्राफ अखबार के पूर्व संपादक का पासपोर्ट मतदाता सूची में नाम नहीं होने के कारण नवीनीकृत नहीं किया गया। चुनाव अधिसूचना जारी होने के पहिले जो मामले कोर्ट में गए उनका निराकरण हुए बिना चुनाव करा लिए गए। बिहार और प. बंगाल में चुनाव आयोग की भूमिका निष्पक्ष नहीं रही, विपक्ष का आरोप है, चुनाव आयोग भाजपा को लाभ पहुंचाने का काम कर रहा है। विपक्ष की शिकायतों पर कोई कार्यवाही नहीं होती। चुनाव आयोग विपक्ष को जानकारी नहीं देता है। विपक्ष ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर जो दस्तावेजी सबूत दिये, चुनाव आयोग ने कोई संज्ञान नहीं लिया। ऐसी स्थिति में जब करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाये गये हैं, न्यायपालिका से त्वरित न्याय नहीं मिलने पर चुनाव प्रभावित हो रहे हैं। हाल ही में राज्यसभा चुनाव में जिस आधार पर कांग्रेस उम्मीदवार का पर्चा खारिज किया गया। उसके बाद विपक्ष के पास आप-पार की लड़ाई लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

दिल्ली में विपक्षी नेताओं का मानना है, वर्तमान स्थिति को देखते हुए नमक आंदोलन की तर्ज पर आम जनता को जागृत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। जिस तरह से 1930 में नमक आंदोलन देखते ही देखते सारे देश में फैल गया था। उस आंदोलन से जो जनजागृति अंग्रेजों के खिलाफ बनी थी। उसी के कारण अंग्रेजों को भारत छोड़कर जाना पड़ा। मौलिक अधिकार, लोकतंत्र एवं नागरिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक बार फिर सारे देश को एकजुट करने की तैयारी में सारा विपक्ष लामबंद हो रहा है। जिस तरह की खबरें मिल रही है। अगस्त माह से बड़े स्तर पर राष्ट्रीय आंदोलन शुरू करने की तैयारी में विपक्ष एकजुट हो रहा है। सत्ता पक्ष के लिये भविष्य में यह बड़ी चुनौती के रूप में सामने आ सकता है।

यदि आप वही करते हैं, जो आप हमेशा से करते आये हैं तो आपको वही मिलेगा, जो हमेशा से मिलता आया है।
-टोनी रॉबिंस

एक चीज़ मैंने देखी है जब आप प्यार करते है दर्द की सीमा तक तो वो दर्द नहीं रहता बस प्यार बढ़ता जाता है। -मदर टेरेसा

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि (जो सुबह लगभग 08:17 AM तक रहेगी, इसके बाद सप्तमी तिथि शुरू होगी) शतभिषा (सुबह 09:42 AM तक), इसके बाद पूर्वा भाद्रपद। आयुष्मान (सुबह 11:10 AM तक), इसके बाद सौभाग्य योग। अमृत कालः सुबह 03:52 AM से 05:31 AM तक।

आज जन्म लिए बालक का फल...

जन्म लेने वाले बच्चों का मुख्य नक्षत्र शतभिषा रहेगा। पंचांग के अनुसार इस दिन दोपहर लगभग 03:13 PM तक शतभिषा नक्षत्र रहेगा और इसके बाद जन्म लेने वाले बच्चों का नक्षत्र पूर्वा भाद्रपद होगा। दोनों ही स्थितियों में बच्चे की राशि कुंभ होगी।

मेष राशि : आज छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा।

वृष राशिः ऑफिस में कलीग्स के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा।

मिथुन राशिः आसपास की गतिविधियों को नजर अंदाज ना करें।

कर्क राशिः आज रियल स्टेट से जुड़े लोगों की डील फायदेमंद हो सकती हैं।

सिंह राशिः आज आपको घर के वरिष्ठ सदस्यों से प्रेरणा मिलेगी।

कन्या राशिः आज आपके ऊपर जिम्मेदारियां अधिक रहेंगी, जिन्हें आप काफी हद तक पूरा भी कर लेंगे।

तुला राशिः आज कारोबारियों को अपना कारोबार आगे बढ़ाने के लिए नए अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक राशिः आपकी हर समस्या का हल चुटकियों में निकल जायेगा।

धनु राशिः आज लेखन व सामाजिक आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर राशिः महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए आज का दिन अच्छा है।

कुंभ राशिः आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज के दिन आप काफी व्यस्त रहने वाले है।

लोककला से लोकसमृद्धि तकः बिहार के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की नई कहानी

-डॉ. मीना कुमारी

बिहार की पहचान केवल नालंदा, वैशाली और बोधगया तक सीमित नहीं है। यह राज्य अपनी जीवंत लोक कलाओं, लोकगीतों और पारंपरिक शिल्प के कारण भी विश्व पटल पर विशिष्ट स्थान रखता है। मधुबनी चित्रकला, मंजूषा कला, सिक्की शिल्प, सुजनी कढ़ाई, बिदेसिया और जट-जटिन जैसी विधाएं बिहार की सांस्कृतिक आत्मा हैं। किंतु लंबे समय तक इन कलाओं के सृजक कलाकार सम्मान से अधिक संघर्ष का जीवन जीते रहे। उनके सामने बाजार का अभाव, पूंजी की कमी, तकनीकी पिछड़ापन और संस्थागत समर्थन का संकट था। पिछले कुछ वर्षों में यह परिदृश्य बदलने लगा है। केंद्र की "विरासत से विकास" की नीति और बिहार सरकार के सांस्कृतिक संरक्षण एवं कौशल संवर्धन के प्रयासों ने लोक कलाकारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय आधार तैयार किया है। आज पहली बार लोककला को केवल सांस्कृतिक धरोहर नहीं बल्कि क्रिएटिव इकोनॉमी यानी रचनात्मक अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जा रहा है। इसी सोच के अनुरूप भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने "क्रिएटिव इकोनॉमी" के लिए अलग नीति आधारित पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक उद्योगों को रोजगार, नवाचार और वैश्विक बाजार से जोड़ना है। इस परिवर्तन की सबसे बड़ी पहचान प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना है। परंपरागत कारीगरों और शिल्पकारों को पहचान, कौशल उन्नयन, आधुनिक औजार, आसान ऋण, डिजिटल भुगतान और विपणन सहायता देने वाली यह योजना पहली बार शिल्पकार को केवल लाभार्थी नहीं बल्कि उद्यमी के रूप में स्थापित करती है। बिहार में इसके परिणाम उल्लेखनीय रहे हैं। सरकारी आँकड़ों के अनुसार राज्य में 1.62 लाख से अधिक पारंपरिक कारीगर पंजीकृत हुए, 1.05 लाख से अधिक को प्रशिक्षण मिला, लगभग 19 हजार लाभार्थियों को 160 करोड़ रुपये से अधिक का रियायती ऋण मिला तथा हजारों आधुनिक टूल किट वितरित किए गए। लाभार्थियों में बड़ी संख्या अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग और महिलाओं की है।

यह परिवर्तन केवल एक योजना का परिणाम नहीं है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) जैसी पहल ने जिलों की विशिष्ट कला और उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान देने का नया अवसर दिया है। बिहार के हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पाद अब स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं रह गए हैं बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार से जोड़ने की रणनीति विकसित की जा रही है। बिहार सरकार ने भी इस दिशा में समानांतर प्रयास किए हैं। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा आयोजित बिहार दिवस, राज्य स्तरीय लोक महोत्सव, जिला स्तरीय सांस्कृतिक आयोजन, कलाकार सम्मान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने लोक कलाकारों को मंच उपलब्ध कराया है। पटना का बिहार संग्रहालय तथा विभिन्न सांस्कृतिक संस्थान राज्य की लोक परंपराओं को नई पीढ़ी और पर्यटकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार संरक्षण की पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर संस्कृति को विकास के संसाधन के रूप में देख रही है। मधुबनी चित्रकला इसका सबसे प्रेरक उदाहरण है। जीआई (ज्योग्राफिकल इंडिकेशन) टैग मिलने के बाद इस कला की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई है। मिथिलांचल की हजारों महिला कलाकार आज स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से देश-विदेश के बाजारों तक पहुंच रही हैं। यह केवल कला का विस्तार नहीं बल्कि महिला उद्यमिता और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का भी सशक्त मॉडल है। आज विश्व स्तर पर भी यही दृष्टिकोण विकसित हो रहा है। रचनात्मक उद्योगों को रोजगार, समावेशी विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है। भारत ने भी जी-20 के बाद संस्कृति को विकास की केंद्रीय धुरी के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस पहल की है। निःस्संदेह, चुनौतियाँ अभी भी हैं। सभी कलाकारों का डिजिटल डेटाबेस तैयार होना बाकी है। विपणन क्षमता को और मजबूत करना होगा। डिज़ाइन नवाचार, निर्यात, ई-कॉमर्स, पर्यटन और बौद्धिक संपदा संरक्षण के क्षेत्र में अभी व्यापक संभावनाएँ हैं। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि आज नीति की दिशा पहले की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट और दूरदर्शी दिखाई देती है।

भगवान श्री राम मंदिर का कथित 'चढ़ावा गबन'

राजीव खंडेलवाल

अंततः एसआईटी, प्राथमिकी, गिरफ्तारी और इस्तीफे— कितना प्रभाव? कितने पर्याप्त?

भूमिका

अंततः श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की लिखित तहरीर पर मंदिर के चढ़ावे में कथित अनियमितताओं के संबंध में प्राथमिकी दर्ज हुई, आठ छुटभैया ''छोटी मछलियों की गिरफ्तारी हुई, एसआईटी का गठन हुआ और बाद में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय तथा ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने नैतिक आधार पर अपने इस्तीफे सौंप दिए। यह घटनाक्रम देर से ही सही, लेकिन आगे बढ़ा है। अब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या यह कार्रवाई पर्याप्त है अथवा अभी भी जांच की दिशा और दायरा अधूरा है?

विशिष्ट जांच व कार्रवाईयो पर अनेक प्रश्न?

स्थानीय कोतवाली में पहले से कई लिखित शिकायतें (तहरीर) उपलब्ध थीं। फिर प्राथमिकी दर्ज करने में विलंब क्यों हुआ? यदि एसआईटी केवल वही तथ्य संकलित कर रही थी, जिनके आधार पर बाद में मात्र गिनती में हुई गड़बड़ियों के लिए एफआईआर दर्ज हुई, तो स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि क्या यह प्रक्रिया आवश्यक थी अथवा इससे कार्रवाई टलती रही? देर आए दुरुस्त आए या फिर दाल में कुछ काला है—यह निर्णय अंततः जांच के निष्कर्ष ही करेंगे।

एसआईटी का कार्यकाल बढ़ा दिया गया, किंतु उसकी अंतरिम रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई। पारदर्शिता की दृष्टि से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जनता को कम-से-कम इतना अवश्य बताया जाए कि जांच की दिशा क्या है और किन बिंदुओं पर आगे कार्रवाई प्रस्तावित है। दूसरी ओर, कथित भूमि लेन-देन संबंधी आरोपों पर अब तक न तो कोई अलग प्राथमिकी दर्ज हुई है और न ही उस संबंध में एसआईटी ने जांच की ?

अन्य मामलों से तुलना।

कानून की निष्पक्षता का आकलन प्रायः तुलनात्मक दृष्टि से किया जाता है।

लखनऊ के भीषण अग्निकांड में घटना के तुरंत बाद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई और उसके बाद विस्तृत जांच के लिए एसआईटी गठित की गई। केजरीवाल मामले में भी एक अभियुक्त के बयान के आधार पर बिना किसी प्राथमिकी जांच के एफआईआर दर्ज हो जाती है। अंततः न्यायालय अपराध का कोई प्रथम दृष्ट्या सबूत न मिलने पर केजरीवाल को आरोपों से मुक्त (डिस्चार्ज) कर देता है। इसी प्रकार अनेक चर्चित मामलों में प्रारंभिक उपलब्ध सामग्री के आधार पर पहले एफआईआर दर्ज हुई और बाद में जांच आगे बढ़ी।

इसके विपरीत, श्रीराम मंदिर प्रकरण में कथित अनियमितताओं की चर्चा, शिकायतें, जांच और कथित बरामदगी जैसी बातें सामने आने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज होने में समय लगा। ट्रस्ट व मंदिर से जुड़े व्यक्तियों की ''असामान्य संम्पति होने के मामले में भी गबन के पैसे का दुरूपयोग कुछ हुआ हैं, के लिए ईडी, आयकर विभाग की जांच तक अभी प्रारंभ नहीं हुई है। यदि यही तथ्य हैं, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि इस मामले में प्रक्रिया अलग क्यों रही? कानून की विश्वसनीयता तभी बनती है, जब न्याय केवल निष्पक्ष हो ही नहीं, बल्कि निष्पक्ष दिखाई भी दे।

आरोप नए नहीं हैं।

राम मंदिर निर्माण से जुड़े आर्थिक प्रश्न पहली बार नहीं उठे हैं। 2015-2017 में निर्मोही अखाड़ा और अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने विश्व हिंदू परिषद पर राम मंदिर निर्माण के नाम पर जमा 1400 करोड़ रुपये की हेराफेरी के आरोप लगाये थे। वर्तमान में चर्चा तब प्रारंभ हुई, जब पूर्व मंत्री पवन पांडे की शिकायत से अखिलेश ने इस मुद्दे को लपका। क्या भारत ''घोटालों का देश बन गया है? जीप घोटाला (1948) से लेकर बोफोर्स (1987) से होता हुआ वर्तमान ''चढ़ावा घोटाला?

वर्तमान विवाद तब अधिक चर्चा में आया जब इस विषय को राजनीतिक स्तर पर अखिलेश यादव ने पूर्व मंत्री पवन पांडेय द्वारा एक दिन पूर्व की गई शिकायत के आधार पर उठाया इसके बाद ही प्रशासनिक कार्रवाई प्रारंभ हुई। ऐसे में प्रश्न केवल एक मंदिर या एक ट्रस्ट का नहीं है, बल्कि उन करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास का है, जिन्होंने अपनी श्रद्धा, भक्ति, आस्था से दान दिया है।

निष्पक्ष जांच के लिए नैतिक उत्तरदायित्व।

श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। इसलिए यहां पारदर्शिता का मानक सामान्य संस्थाओं से भी अधिक होना चाहिए। जांच की समस्त गडबडियो तार्किक और निर्विवाद निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए यह आवश्यक है कि इसकी निगरानी किसी स्वतंत्र न्यायिक व्यवस्था अथवा सक्षम न्यायिक पर्यवेक्षण में हो। इससे जांच की विश्वसनीयता और जन विश्वास दोनों सुदृढ़ होंगे।

ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय द्वारा बरती गई ''सावधानी और सुरक्षा काबिले तारीफ है? विश्व सिंधी सेवा समागम के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजू मनवानी का कथन कि चंपत राय ने उनके द्वारा दी गई 200 चांदी की ईंटें की रसीद तुरंत न देकर चांदी की शुद्धता की जांच के बाद देने का कथन किया, जो आज तक बार-बार मांगने के बावजूद नहीं मिली। अनीता भारद्वाज ने भी चांदी का ''कागभुशुण्डि की मूर्ति देने व रसीद न मिलने का सार्वजनिक बयान दिया है। आपके-हमारे द्वारा मंदिर में चढ़ावा देते समय न तो (नकली) नोटों की जांच होती है, न दिये गये सामग्री की जांच होती है। न ही मंदिर प्रशासक दान की वस्तु को वापिस करता है। अंबानी और बडे-बडे अभिनेता मंदिर में सोने-चांदी के दान देते हैं। क्या उनकी भी इस तरह की जांच की गई थी? उत्तर गर्भ में है? लेकिन जब एक व्यक्ति चंपत राय इतनी सतर्कता बरत रहे हैं, तब जांच में पारदर्शिता लाने के लिए क्या यह आवश्यक है कि समस्त आरोपियों को उनके पदों से हटा दिया जाए? यदि वे इस्तीफा नहीं देते है तो। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पर कोई आरोप सीधे नहीं लगता है लेकिन कोषाध्यक्ष होने के नाते समस्त वैधानिक व नैतिक प्राथमिक जिम्मेदारी उन्हीं की होती है। सीज़र की पत्नी संदेह से भी परे होनी चाहिए—यह सिद्धांत सार्वजनिक जीवन में आज भी उतना ही प्रासंगिक है। आस्था की संस्थाओं के लिए तो यह और भी अधिक आवश्यक हो जाता है।

आस्था सर्वोपरि, पारदर्शिता अनिवार्य

भगवान श्रीराम करोड़ों लोगों की आस्था के प्रतीक हैं। इसलिए इस प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि श्रद्धालुओं का विश्वास किसी भी स्थिति में कमजोर भंग नहीं होना चाहिए।

कहा भी गया है—

होइहि सोइ जो राम रचि राखा।

लेकिन मनुष्य का कर्तव्य भी उतना ही स्पष्ट है कि वह सत्य, ईमानदारी और पारदर्शिता का पालन करे।

इसी संदर्भ में कुछ प्रसिद्ध लोकोक्तियां स्वतः स्मरण हो आती हैं—

मुख में राम, बगल में छुरी।

राम-राम जपना, पराया माल अपना।

राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट। इनमें से कौन-सी उक्ति इस पूरे घटनाक्रम पर लागू होती है और कौन-सी नहीं, इसका निर्णय मैं पाठकों के विवेक पर छोड़ता हूँ।

निष्कर्ष : आस्था का संरक्षण केवल मंदिर निर्माण से नहीं, बल्कि उसके प्रबंधन की निष्कलंक पारदर्शिता से भी होता है। दूध का दूध और पानी का पानी होना ही इस मामले की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि ऐसा होता है, तभी भगवान श्री राम के नाम पर दिए गए प्रत्येक अंशदान का सम्मान भी सुरक्षित रहेगा और जनता का विश्वास भी अक्षुण्ण बना रहेगा।

(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, बैतूल सुधार न्यास)

केवल तीर्थ जाने से नहीं, श्रद्धा और शुद्ध मन से मिलता है पुण्य

सनातन धर्म में तीर्थ यात्रा को आत्मिक शुद्धि, ईश्वर के प्रति समर्पण और आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि किसी पवित्र नदी में स्नान करने या प्रसिद्ध तीर्थस्थलों के दर्शन मात्र से पुण्य की प्राप्ति नहीं होती। शास्त्रों के अनुसार, यदि व्यक्ति का मन श्रद्धा, विश्वास और सदाचार से रहित है, तो उसकी तीर्थ यात्रा केवल एक सामान्य यात्रा बनकर रह जाती है। विशेष रूप से नारद पुराण सहित कई धार्मिक ग्रंथों में ऐसे पांच प्रकार के लोगों का उल्लेख मिलता है, जिन्हें तीर्थ यात्रा का पूर्ण आध्यात्मिक फल प्राप्त नहीं होता।

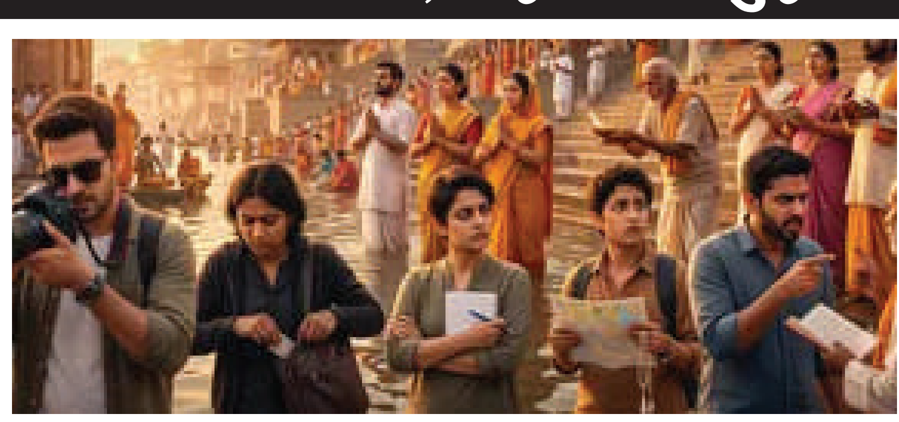

1. श्रद्धा के बिना यात्रा करने वाला व्यक्ति : जो व्यक्ति केवल घूमने-फिरने, दिखावे या भीड़ का हिस्सा बनने के लिए तीर्थ यात्रा करता है, उसे शास्त्रों के अनुसार यात्रा का वास्तविक पुण्य नहीं मिलता। तीर्थ यात्रा का उद्देश्य ईश्वर के प्रति श्रद्धा, आत्मचिंतन और आध्यात्मिक अनुभव होना चाहिए।

2. बुरे कर्मों में लिप्त रहने वाला व्यक्तिः धार्मिक मान्यता है कि यदि कोई व्यक्ति लगातार पाप कर्म करता रहे और केवल तीर्थ स्नान से अपने दोष मिटाने की अपेक्षा करे, तो उसे वास्तविक पुण्य प्राप्त नहीं होता। शास्त्र सदाचार, सत्य और अच्छे कर्मों को ही धर्म का आधार मानते हैं।

3. ईश्वर में विश्वास न रखने वाला व्यक्तिः जो व्यक्ति भगवान, धर्म और आध्यात्मिक मूल्यों में विश्वास नहीं रखता तथा तीर्थ यात्रा को केवल पर्यटन के रूप में देखता है, उसके लिए यह यात्रा आध्यात्मिक लाभ नहीं दे पाती। श्रद्धा और समर्पण को तीर्थ यात्रा की आत्मा माना गया है।

मय संदेह करने वाला (संशयात्मा): सनातन परंपरा के अनुसार, जिस व्यक्ति के मन में ईश्वर, तीर्थ या धार्मिक अनुष्ठानों को लेकर लगातार संदेह बना रहता है, वह भक्ति का वास्तविक अनुभव नहीं कर पाता। श्रद्धा और विश्वास के बिना तीर्थ यात्रा का उद्देश्य अधूरा माना जाता है।

5. हर बात में केवल तर्क खोजने वाला व्यक्ति : शास्त्रों में कहा गया है कि तीर्थ यात्रा केवल बुद्धि का नहीं, बल्कि आस्था और अनुभव का विषय है। जो व्यक्ति हर धार्मिक परंपरा को केवल तर्क की कसौटी पर परखता है और उसकी आध्यात्मिक भावना को स्वीकार नहीं कर पाता, वह यात्रा के भावनात्मक और आध्यात्मिक महत्व से वंचित रह जाता है।

धार्मिक संदेशः सनातन परंपरा का मूल संदेश यही है कि तीर्थ यात्रा का वास्तविक फल बाहरी यात्रा से अधिक आंतरिक परिवर्तन में निहित है। जब व्यक्ति श्रद्धा, विनम्रता, सदाचार और सच्चे मन से भगवान का स्मरण करते हुए तीर्थ यात्रा करता है, तभी उसे आध्यात्मिक संतोष और पुण्य की अनुभूति होती है। इसलिए तीर्थ पर जाने से पहले मन को निर्मल और आचरण को शुद्ध बनाने का प्रयास करना ही सबसे बड़ा धर्म माना गया है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादकः Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादकः **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफः **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारीः **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

एसआईआर-2026 अभियान की हकीकत जांचने धरातल पर पहुंचे उपायुक्त

सविता और मधुलता बनीं 'बीएलओ ऑफ द डे', अब तक 1.03 लाख से अधिक प्रपत्र वितरित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान को गति देने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने शनिवार को बेरमो प्रखंड के जरीडीह बस्ती पहुंचकर अभियान के तहत चल रहे कार्यों का औचक स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाता गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) के वितरण, संग्रहण और उनके डिजिटाइजेशन की प्रगति का जायजा लिया। डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी गणना प्रपत्रों का समयबद्ध और शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई बीएलओ ऑफ द डे पहल के तहत बेरमो की दो महिला बीएलओ को सम्मानित किया गया है। 3 जुलाई 2026 की शाम तक के जिला स्तरीय प्रदर्शन के आधार पर बेरमो विधानसभा क्षेत्र के पार्ट संख्या-42 की बीएलओ सविता देवी, जिन्होंने एक दिन में 168 प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया) और पार्ट संख्या-48 की बीएलओ मधुलता देवी, जिन्होंने 591 गणना प्रपत्र वितरित किए, को संयुक्त रूप से 'बीएलओ ऑफ द डे' घोषित किया गया।

डीईओ सह डीसी श्री झा स्वयं राजकीयकृत मध्य विद्यालय जरीडीह

बस्ती पहुंचे और दोनों बीएलओ को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बीएलओ लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने बेहतर कार्य के लिए बीएलओ सुपरवाइजर सुमित्रा के साथ-साथ एईआरओ सह बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार और सीओ संजीत कुमार को बेहतर पर्यवेक्षण के लिए बधाई दी।

जिले में अब तक 17.30% प्रपत्रों का वितरण, बोकारो विधानसभा में तेजी- एसआईआर-2026 अभियान के तहत बोकारो जिले में मतदाता गणना प्रपत्र वितरण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 3 जुलाई 2026 की शाम 6:00 बजे तक जिले के कुल 5,97,439 मतदाताओं में से 1,03,332 गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, जो कुल लक्ष्य का 17.30 प्रतिशत है। इसके साथ ही अब तक 2,276 प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन भी पूरा कर लिया गया है। राहत की बात यह है कि जिले के सभी बूथों पर शून्य वितरण की स्थिति अब समाप्त हो चुकी है। प्रखंडवार प्रगति की बात करें तो जरीडीह प्रखंड में 24.35% (24,252 प्रपत्र), चास प्रखंड में 25.73% (38,468 प्रपत्र), बोकारो स्टील सिटी क्षेत्र में 8.23% (15,142 प्रपत्र) तथा चास नगर निगम क्षेत्र में 15.50% (25,470 प्रपत्र) गणना प्रपत्र बांटे जा चुके हैं। बोकारो विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) श्रीमती प्रांजल ढांडा ने सभी बीएलओ, सुपरवाइजरों और वॉलेंटियर्स को कार्य में और तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मतदाताओं से अपील की है कि वे प्रपत्र को सही-सही भरकर समय पर बीएलओ को सौंपें ताकि इस विशेष पुनरीक्षण कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सके। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, एसडीओ बेरमो मनोज कुमार, डीपीआरओ रवि कुमार आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती को ले खास तैयारी, आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग

बोकारो थर्मल : महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक और स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आगामी 6 जुलाई को आने वाली जयंती को लेकर बोकारो थर्मल में विशेष आयोजन की तैयारी तेज हो गई है। दामोदर बचाओ आंदोलन (बोकारो जिला) के सह-संयोजक श्रवण सिंह ने इस गौरवशाली अवसर पर डीवीसी के एचओपी (प्रोजेक्ट हेड) सुशील कुमार अरजरिया को एक मांग पत्र सौंपा है। पत्र के माध्यम से उन्होंने बोकारो थर्मल बी प्लांट चौराहा पर स्थित 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क' के कायाकल्प और सुंदरीकरण की पुरजोर मांग की है।

सौंपे गए आवेदन में कहा गया है कि इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसर पर पार्क में भव्य श्रद्धांजलि एवं जयंती समारोह आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। इस गरिमामयी कार्यक्रम को देखते हुए उन्होंने प्रबंधन से अनुरोध किया है कि समारोह से पूर्व पार्क की समुचित साफ-सफाई, घास की कटाई, पौधों की छंटाई, रंग-रोगन और अन्य आवश्यक सौंदर्यीकरण कार्य अविलंब पूरे कराए जाएं ताकि पूरा आयोजन एक अत्यंत गरिमापूर्ण और स्वच्छ वातावरण में संपन्न हो सके।

इसके साथ ही, भावी पीढ़ी को डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रनिर्माण में दिए गए अतुलनीय और अमूल्य योगदान से अवगत कराने तथा उनकी पावन स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से इसी पार्क में उनकी एक भव्य आदमकद प्रतिमा स्थापित कराने हेतु आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई करने का भी विशेष आग्रह किया गया है।

संगठन ने पूर्ण विश्वास जताया है कि जनभावनाओं और इस राष्ट्रीय अवसर की महत्ता को ध्यान में रखते हुए डीवीसी प्रबंधन द्वारा इस विषय पर शीघ्र ही सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए आवेदन की प्रतिलिपि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर, भाजपा झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष, डीवीसी के अध्यक्ष व सदस्य सचिव सहित महाप्रबंधक (एचआर) को भी आवश्यक सूचना और त्वरित कार्रवाई के लिए प्रेषित की गई है।

चमड़ा लदा ट्रक को पुलिस ने पकड़ा

गोलाः थाना पुलिस ने शनिवार की देर शाम एक चमड़ा लदा ट्रक को पुलिस ने थाना के समीप पकड़ा गया है।इस संबंध में पुलिस निरीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि उक्त ट्रक में किसी पशु का चमड़ा लोडकर कही अन्यत्र ले जाया जा रहा था।इसकी सूचना मिलते ही थाना के समीप गश्त बढ़ा दिया गया था।इसी दौरान रामगढ़ की ओर से आ रहा ट्रक को जांच के लिए रोका गया।जांच में ट्रक में चमड़ा लदा पाया गया।इसके बाद ट्रक को थाना में लाया गया है।ओर आगे की कारवाई के लिए जांच जारी है।बताया जाता है कि ट्रक में लाया जा रहा चमड़ा तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था।इसकी जानकारी मिलते ही क्षेत्र में तरह तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

हिमांशु हत्याकांड में पुलिस की भूमिका की हो सीबीआई जांच : आदित्य साहू

पूर्वी सिंहभूम। करणी सेना के युवा नेता हिमांशु सिंह की हत्या के मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने झारखंड सरकार और पुलिस प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग की है। शनिवार को आदित्यपुर पहुंचकर उन्होंने मृतक के पिता अरविंद सिंह और परिजनों से मुलाकात की और उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि हिमांशु सिंह की हत्या राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है और इस मामले में पुलिस की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। आदित्य साहू ने आरोप लगाया कि घटना के समय पुलिस मौके पर मौजूद थी, लेकिन अपराधियों को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन घटना के मूल मुद्दे से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की कानूनी टीम ने संबंधित बार के दस्तावेजों की जांच की है और उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार उसके लाइसेंस संबंधी कागजात अवैध हैं। उनके अनुसार अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करना ही प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो भाजपा जमशेदपुर के बाद पूरे झारखंड में आंदोलन तेज करेगी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही, पूर्व मंत्री अमर कुमार बावरी सहित भाजपा के जमशेदपुर महानगर और सरायकेला-खरसावां जिले के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। भानु प्रताप शाही ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की, जबकि अमर कुमार बावरी ने घटना में कथित लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग दोहराई।

चोरी के सामान के साथ एक आरोपित गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम। आजादनगर थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात का पुलिस ने महज एक दिन के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपित को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान कपाली लिंक रोड स्थित खुशबूनगर निवासी 19 वर्षीय मोहम्मद आमिर के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान उसने न केवल इस चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की, बल्कि मोहल्ले में पहले भी कई छोटी-बड़ी चोरियों को अंजाम देने की बात भी कबूल की है। मामले की जानकारी देते हुए आजादनगर थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि कपाली लिंक रोड निवासी 66 वर्षीय नौशाद आलम ने 3 जुलाई की शाम अपने घर से एसी का कॉपर ट्यूब, बिजली का तार, एक्सटेंशन कॉर्ड तथा अन्य सामान चोरी होने की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर आजादनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार आरोपित का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ साकची थाना में वर्ष 2026 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305 के तहत मामला दर्ज है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शनिवार को आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

जमशेदपुर बंद जनता के आक्रोश और जनसमर्थन का प्रतीक : पूर्णिमा

पूर्वी सिंहभूम। शहर में बढ़ते अपराध और बिगड़ती कानून व्यवस्था के विरोध में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आहूत जमशेदपुर बंद को लेकर जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने इसे जनता के आक्रोश और जनसमर्थन का प्रतीक बताया है। दोनों नेताओं ने कहा कि शहरवासियों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिस तरह बंद को समर्थन दिया, उससे स्पष्ट हो गया है कि जनता अब अपराध और अराजकता के खिलाफ निर्णायक आवाज उठा रही है। विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि हाल के दिनों में शहर में हत्या, चेन स्नैचिंग, चापड़बाजी, नशे के बढ़ते कारोबार और लगातार बिगड़ती कानून व्यवस्था से आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की मौजूदगी में हुई जघन्य हत्या ने लोगों का विश्वास कानून व्यवस्था पर कमजोर किया है। ऐसे माहौल में जमशेदपुर बंद को मिला अभूतपूर्व समर्थन इस बात का संकेत है कि जनता अब अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई चाहती है।

सरकार कानून व्यवस्था संभालने में पूरी तरह विफलः दुलाल- वहीं, पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने भी बंद को जनता की भावनाओं का प्रतिबिंब बताते हुए कहा कि राज्य में अपराधियों के बढ़ते मनोबल से आम लोग भय के माहौल में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि जनता का समर्थन इस बात का स्पष्ट संदेश है कि लोग अब सुरक्षित वातावरण और प्रभावी कानून व्यवस्था चाहते हैं। दुलाल भुईयां ने कहा कि भाजपा जनता की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी और अपराध पर नियंत्रण तथा दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष जारी रखेगी।

धनबाद मंडल का मेगा टिकट चेकिंग अभियान, 796 यात्री पकड़े गए; 7.50 लाख रुपये से अधिक जुर्माना वसूला

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल ने शनिवार को बड़े पैमाने पर मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया। दिन और रात तक चले इस विशेष अभियान में बिना टिकट यात्रा करने वाले, गलत श्रेणी के टिकट पर सफर करने वाले तथा बिना बुक कराए सामान के साथ यात्रा करने वाले कुल 796 यात्रियों को पकड़ा गया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अभियान के दौरान पकड़े गए यात्रियों से जुर्माने के रूप में कुल 7,50,810 रुपये की वसूली की गई। सभी यात्रियों को भविष्य में उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने की सख्त हिदायत भी दी गई।

टिकट जांच अभियान के तहत धनबाद मंडल की विभिन्न टीमों ने प्रमुख रेलवे स्टेशनों के अलावा मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में भी व्यापक जांच की। अभियान का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाना, रेलवे राजस्व की सुरक्षा करना तथा यात्रियों में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

मेगा चेकिंग अभियान के दौरान रेलवे स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर यात्रियों की काफी भीड़ देखने को मिली। अधिकारियों ने बताया कि धनबाद मंडल में नियमित रूप से टिकट जांच अभियान

चलाया जा रहा है और आगे भी इसे लगातार जारी रखा जाएगा।

धनबाद मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि वे प्लेटफॉर्म और ट्रेन में प्रवेश से पहले वैध टिकट अवश्य लें तथा जिस श्रेणी का टिकट हो, उसी श्रेणी के कोच में यात्रा करें। रेलवे का कहना है कि नियमों का पालन करने से यात्रियों को अनावश्यक जुर्माने और असुविधा से बचाया जा सकता है।

बाला बहियार टोला का अंधेरा दूर, जेएलकेएम नेत्री ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखण्ड अंतर्गत बगदा पंचायत के ग्राम लोधकियारी के टोला बाला बहियार के ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही बिजली की समस्या से आखिरकार निजात मिल गई है। शनिवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की केंद्रीय महासचिव सह गोमिया विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी पूजा महतो के हाथों यहाँ 63 केवी के नए बिजली ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया गया। नए ट्रांसफार्मर के चालू होने से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और ग्रामीणों को लॉ वोल्टेज तथा बिजली कटौती की समस्या से मुक्ति मिलेगी। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए जेएलकेएम की केंद्रीय महासचिव पूजा महतो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, बिजली आज के

समय में हर नागरिक की प्राथमिक आवश्यकता है। इसके बिना न तो बच्चों की पढ़ाई ठीक से हो सकती है और ना ही किसानों व आम लोगों के दैनिक कार्य। कसमार प्रखंड के हर गांव और टोले को बुनियादी सुविधाओं से लैस करना हमारा संकल्प है। कार्यक्रम में जेएलकेएम के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष भुनेश्वर महतो और केंद्रीय महामंत्री सुकदेव राम के अलावा प्रखंड अध्यक्ष

प्रशांत कुमार महतो, प्रखंड सचिव सौरभ जयसवाल, परमेश्वर महतो, मुकेश महतो, राधेश्याम, समरेश, रूपेश, उमेश, शंकर, अशोक, मंटू, मनोज, चितरंजन, धनेश्याम, किष्टो महतो समेत बलाबहिहार टोला के अन्य युवा और महिलाएं उपस्थित थीं।

इधर, बोकारो थर्मल में घर-घर जाने के बजाय पंचायत सचिवालय में जमे बीएलओ, जनता परेशान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : झारखंड में 30 जून से 29 जुलाई तक चलने वाले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में चुनाव आयोग के कड़े दिशा-निर्देशों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। आयोग का स्पष्ट और सख्त निर्देश है कि इस विशेष अभियान के दौरान सभी बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) अनिवार्य रूप से मतदाताओं के घर-घर जाएंगे और मतदाता सूची से उनकी मैपिंग सुनिश्चित करेंगे। इसके ठीक उलट, बोकारो थर्मल क्षेत्र में जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। यहां बीएलओ फील्ड में निकलने के बजाय अपने-अपने मतदान केंद्रों, गोविंदपुर सी पंचायत सचिवालय तथा अन्य पंचायत सचिवालयों में दिनभर आराम से बैठकर काम निपटा रहे हैं। हद तो यह है कि बीएलओ मतदाताओं के घर जाने के बजाय

उन्हें खुद पंचायत सचिवालय बुलाकर मैपिंग करा रहे हैं, जिससे आम जनता को भीषण गर्मी में भारी दिक्कतों और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासनिक स्तर पर हो रही इस खुली लापरवाही और नियमों के उल्लंघन को लेकर दामोदर बचाओ आंदोलन के बोकारो जिला सह-संयोजक श्रवण सिंह ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने इस बाबत बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार से सीधे बात की और उन्हें जमीनी हकीकत से रूबरू कराया। श्रवण सिंह ने बीडीओ को अवगत कराया कि इस महाअभियान को शुरू हुए एक सप्ताह से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन बोकारो थर्मल का कोई भी बीएलओ जनता के दरवाजे तक नहीं पहुंचा है। चुनाव आयोग के कड़े नियमों को ताक पर रखकर ये अधिकारी दफ्तरों और बंद कमरों से ही खानापूर्ति करने में जुटे हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार ने तुरंत संज्ञान लिया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे इस पूरे प्रकरण की गहन जांच करवाएंगे। बीडीओ ने दोटूक शब्दों में स्पष्ट किया कि यदि बीएलओ फील्ड में जाकर और घर-घर घूमकर मैपिंग का कार्य नहीं कर रहे हैं, तो यह सीधे तौर पर चुनाव आयोग और सरकार के आदेशों की अवहेलना है। उन्होंने चेतावनी दी है कि जांच में दोषी पाए जाने वाले लापरवाह कर्मियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त और उचित दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उपायुक्त ने तोपचांची से एमएनसीयू आए परिजनों से लिया फीडबैक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन ने शनिवार को एमटीसी सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम से पहले एमएनसीयू वार्ड में भर्ती बच्चों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा व्यवस्था का जायजा लिया।

इस दौरान उपायुक्त ने विशेष रूप से तोपचांची प्रखंड से इलाज के लिए आए एक नवजात शिशु के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों से सीधे बातचीत कर अस्पताल द्वारा दिए जा रहे इलाज, दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सा कर्मियों के व्यवहार के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। परिजनों ने उपायुक्त को बताया कि बच्चे को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल रही है और डॉक्टर लगातार उसकी निगरानी कर रहे हैं।

उपायुक्त ने कहा कि एमएनसीयू में आने वाले हर बच्चे को उच्च स्तरीय चिकित्सा देने का निर्देश दिया गया है। साफ-सफाई, जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता और अन्य व्यवस्था में कोई कमी नहीं होने देने का भी निर्देश दिया है।

विधायक ने छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का किया वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधाराःपश्चिमी सिंहभूम

पश्चिम सिंहभूम जिले के खूंटपानी प्रखंड स्थित राजकीयकृत प्लस-2 उच्च विद्यालय, पुरुनियां में शनिवार को झारखंड सरकार की कक्षा-8 निःशुल्क साइकिल वितरण योजना 'उन्नति का पहिया' के तहत छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विधायक दशरथ गागराई ने कहा कि राज्य सरकार की यह योजना विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि साइकिल मिलने से दूर-दराज के गांवों से आने वाले छात्र-छात्राएं समय पर विद्यालय पहुंच सकेंगे, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी और वे बेहतर शिक्षा हासिल कर अपने सपनों को साकार कर सकेंगे। खूंटपानी प्रखंड को कुल 992 साइकिल वितरण का लक्ष्य मिला है। पहले चरण में 436 छात्र-छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख शिक्षा के प्रति समर्पित रहने का संदेश देते हुए नशापान और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने की अपील की।

40 वर्षों से लगने वाला मोरहाबादी का साप्ताहिक बाजार बंद, निगम के फैसले से सब्जी विक्रेताओं में नाराजगी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची

राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में पिछले लगभग 40 वर्षों से लगने वाले साप्ताहिक सब्जी बाजार को शनिवार को रांची नगर निगम ने बंद करा दिया। निगम का कहना है कि बाजार में लगातार बढ़ रही भीड़ और ट्रैफिक जाम की समस्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। वहीं, निगम की इस कार्रवाई से सब्जी और फल विक्रेताओं में भारी नाराजगी है। कई विक्रेता मैदान में ही डटे रहे और आंदोलन की चेतावनी दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, मोरहाबादी मैदान में प्रत्येक शनिवार को शहर का सबसे बड़ा साप्ताहिक सब्जी बाजार लगता है, जहां रांची और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान और विक्रेता अपनी उपज बेचने आते हैं। शनिवार को नगर निगम के निर्देश के बाद बाजार लगाने की अनुमति नहीं दी गई और विक्रेताओं को वापस लौटा दिया गया। दूरदराज के अधिकांश विक्रेता सुबह ही लौट गए, लेकिन 100 से अधिक विक्रेता मैदान में डटे रहे और फैसले के विरोध में आंदोलन की तैयारी करने लगे। नगर निगम के कर्मचारियों ने बताया कि

उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों से स्पष्ट निर्देश मिला था कि अब मोरहाबादी मैदान में साप्ताहिक बाजार नहीं लगेगा। इसी आदेश के अनुपालन में नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने मैदान में किसी भी विक्रेता को दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी। स्थिति पर नजर रखने के लिए निगम की कई टीमें दिनभर मौके पर तैनात रहीं। उल्लेखनीय है कि मोरहाबादी मैदान में पिछले चार दशकों से सप्ताह में दो दिन बुधवार और शनिवार को ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों किसान और सब्जी विक्रेता अपनी ताजा उपज लेकर आते रहे हैं। बाजार समाप्त होने के बाद वे देर शाम या रात में अपने गांव लौट जाते हैं। इस व्यवस्था के बंद होने से उन विक्रेताओं की आजीविका पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। रातू निवासी सब्जी विक्रेता राम महतो ने बताया कि वह पिछले 35 वर्षों से मोरहाबादी बाजार में सब्जियां बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। वहीं, फल विक्रेता मोहम्मद इश्तियाक ने कहा कि वह करीब 25 वर्षों से इसी बाजार में फल बेचते आ रहे हैं। उनका कहना है कि बाजार बंद होने से उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में ओवरलोड हाइवा को लेकर विवाद, सरकारी कार्रवाई में इंटरफेयर

हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर में ओवरलोड हाइवा को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। यह मामला केवल ओवरलोडिंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सरकारी कार्रवाई में कथित हस्तक्षेप, जब्त वाहन को छुड़ाने की कोशिश और परिवहन विभाग के अधिकारियों को धमकाने तक पहुंच गया है। परिवहन विभाग की टीम ने जांच के दौरान छाई (राख) लदे एक हाइवा को पकड़ा था, जिसका टैक्स भी फेल पाया गया। बताया गया कि गाड़ी पकड़े जाने पर चालक ने मौके पर मौजूद परिवहन दरोगा के साथ कथित तौर पर बदसलूकी की। इसके बाद वाहन को बूबना धर्मकांटा ले जाकर तौला गया, जहां उसमें करीब 6 टन अधिक छाई लदी होने की पुष्टि हुई। नियमों के तहत परिवहन दरोगा ने वाहन को जब्त कर परिवहन कार्यालय के समीप खड़ा कराया और उसकी चाबी कार्यालय में जमा करा दी। आरोप है कि इसके बाद कथित इंट्री माफिया सक्रिय हो गए। अधिकारी पर दबाव और धमकी देने के बावजूद जब वाहन छोड़ने से इनकार किया गया, तो बिना विभागीय अनुमति के जब्त हाइवा से छाई नीचे गिरा दी गई। इसके बाद दूसरी चाबी का इस्तेमाल कर वाहन को दूसरे धर्मकांटा पर ले जाकर दोबारा तौल कराया गया, ताकि उसे अंडरलोड दिखाया जा सके। साथ ही, परिवहन दरोगा पर पैसे की उगाही का आरोप भी लगाया गया। इस पूरे मामले में परिवहन दरोगा ने इंट्री मैन धीरज प्रसार और वाहन मालिक के खिलाफ अपने वरीय अधिकारियों को सूचना देते हुए औद्योगिक थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि 30 जून की सुबह करीब 4 बजे इंट्री मैन और वाहन मालिक जब्त हाइवा को लेकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही परिवहन दरोगा ने गंगा ब्रिज के पास वाहन को दोबारा पकड़ लिया और आगे की कार्रवाई के लिए उसे सदर थाना के सुपुर्द कर दिया।

मंत्री संजय सिंह का वाट्सएप्प अकाउंट हैक

हाजीपुर। बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री संजय सिंह का व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो गया है। हैकर्स उनके नंबर का इस्तेमाल कर लोगों से ऑनलाइन 36 हजार की मांग कर रहे हैं। मंत्री संजय सिंह ने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर इस बात की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि उनके व्हाट्सएप नंबर से लोगों को संदेश भेजे जा रहे हैं, जिनमें वित्तीय सहायता के रूप में 36 हजार मांगे जा रहे हैं। मंत्री ने आम जनता से अपील की है कि उनके नंबर से आने वाले किसी भी पैसे की मांग वाले संदेश पर विश्वास न करें और कोई भी वित्तीय लेनदेन न करें। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस मामले की सूचना संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। संजय सिंह ने लोगों से इस जानकारी को अधिक से अधिक साझा करने का आग्रह किया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की साइबर ठगी का शिकार न हो।

गंगा स्नान में वृद्धा की डूबने से मौत, एसडीआरएफ ने 3 घंटे बाद शव बरामद किया

हाजीपुर। वैशाली में बिदुपुर थाना क्षेत्र के नवानगर स्थित गंगा नदी में स्नान के दौरान 75 वर्षीय वृद्धा भूली देवी की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ और पुलिस ने लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उनके शव को बरामद किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, भूली देवी सुबह टोटो से गंगा स्नान करने आई थीं। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। यह देख वहां मौजूद तीर्थयात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।परिजनों ने तत्काल पुलिस और एसडीआरएफ को घटना की सूचना दी। राहत दल ने नाव और रस्सियों की मदद से करीब तीन घंटे तक खोजबीन की, जिसके

बाद शव को नदी की धारा से बाहर निकाला जा सका। शव मिलते ही परिजनों में मातम छा गया।मृतका के भतीजे ने बताया कि चाची स्नान करने गई थीं, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि यह उनका आखिरी स्नान होगा। बिदुपुर थानाध्यक्ष ने जानकारी दी कि प्राथमिक जांच में मौत डूबने से हुई प्रतीत होती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। भूली देवी अपने पीछे दो बेटों और कई पोते-पोतियों को छोड़ गई हैं। स्थानीय लोगों ने नदी में गहराई बढ़ने और तेज बहाव की आशंका जताते हुए प्रशासन से स्नान स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और गोताखोरों की तैनाती की मांग की है। इसके जवाब में प्रशासन ने लोगों को गहरे पानी में जाने से बचने और सतर्क रहने की सलाह दी है।

गवाही से पहले मंदिर में दुकानदार का मर्डर

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में शनिवार सुबह अपराधियों ने एक दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी। 46 साल के राम कुमार कुशवाहा रोज की तरह मंदिर गए थे। पहले से घात लगाए बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। उन्हें 2 गोली लगी। एक सीने में, दूसरी बांह में। घटनास्थल से 3 खोखे मिले हैं। राम कुमार जमीन विवाद में आज कोर्ट में गवाही देने वाले थे। इससे पहले गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। घटना के बाद परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र के डेरा चौक बाजार की है। चश्मदीदों के मुताबिक, शनिवार सुबह के करीब 7 बजे थे। राम कुमार मंदिर में पूजा कर रहे थे। इसी दौरान 2 की संख्या में अपराधी आए पिस्टल निकाली और फायरिंग करने लगे। अपराधियों ने करीब 2 फीट दूर से गोलियां चलाईं। गोली लगने के बाद राम कुमार कुशवाहा लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से बड़ी आसानी से फरार हो गए। गोली लगने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहां चेकअप के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही सिवाईपट्टी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है। SSP कांतेश कुमार मिश्रा ने कहा कि शुरुआती जांच के आधार पर मामला कारोबार या जमीनी रंजिश से जुड़ा समझ आ रहा है। परिवार और आसपास के लोगों से बाद की जा रही है। अपराधियों की पहचान करने के लिए सघन छापेमारी जारी है। श्याम सुंदर प्रसाद उर्फ श्याम कुमार कुशवाहा पर मारपीट सहित कई धाराओं में 3 मामले दर्ज हैं। जमीन विवाद के 2 केस कोर्ट में चल रहे हैं। आपसी रंजिश की बात सामने आ रही है। पुलिस भी आपसी रंजिश वाले एंगल से जांच कर रही है।

राजू सिंह को 4 साल की सजा, फार्म हाउस में फायरिंग में हुई थी मौत, 25 लाख मुआवजा देना होगा, विधायकी जाएगी

मुजफ्फरपुर। बिहार के साहेबगंज से BJP विधायक राजू सिंह को कोर्ट ने शनिवार को 4 साल की सजा सुनाई है। 7 साल पहले दिल्ली में न्यू ईयर पार्टी के दौरान हुई हर्ष फायरिंग में डॉ. अर्चना गुप्ता की मौत हुई थी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में विधायक को गैर इरादतन हत्या दोषी पाया है। कोर्ट ने पीड़ित परिवार को 25 लाख का मुआवजा देने को भी कहा है। राजू कुमार सिंह को 4 साल की सजा हुई है। अब उनकी विधायकी जानी भी तय है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा 8 (3) के तहत अगर किसी सांसद या विधायक को किसी भी आपराधिक मामले में 2 साल या उससे अधिक की जेल की सजा सुनाई जाती है, तो उसकी सदस्यता अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने की तिथि से तत्काल प्रभाव से रद्द हो जाती है। शुक्रवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष MP-MLA कोर्ट ने सजा के बिंदु पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। विधायक ने अदालत से नरमी बरतने की अपील करते हुए कहा कि घटना जानबूझकर नहीं हुई और उनके अब तक के सामाजिक आचरण को देखते हुए उन्हें कम से कम सजा दी जाए। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने सजा का ऐलान किया। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने अदालत से विधायक के प्रति नरमी बरतने की अपील की। इस दौरान राजू कुमार सिंह ने कहा कि जिनकी (डॉ. अर्चना गुप्ता) मौत हुई, वह उनके बड़े भाई के दोस्त की पत्नी थीं और परिवार उन्हें भाभी की तरह मानता था। इस घटना में उनके अपने परिवार ने भी एक करीबी सदस्य को खोया है।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए 'भारत रत्न' की मांग

♦ **पटना में लगाए पोस्टर, निशांत को बताया 'फ्यूचर लीडर ऑफ बिहार', मिशन विकसित बिहार-2040 का भी जिक्र**

एजेंसी, पटना

पटना में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 20 वर्षों के शासनकाल को ऐतिहासिक बताते हुए बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए हैं। इस पोस्टर में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित करने की मांग भी की गई है। पोस्टर में लिखा है- "नीतीश सेवक मांग रहा है... अब 'भारत रत्न सम्मान'।" इसके साथ ही पोस्टर में पहली बार 'मिशन विकसित बिहार-2040' और निशांत कुमार को लेकर भी कई राजनीतिक संदेश दिए गए हैं।

20 साल के कार्यकाल को बताया 'जनसेवा की स्वर्णिम मिसाल': पोस्टर में लिखा गया है कि "20 साल बेमिसाल... जनसेवा की स्वर्णिम मिसाल..."। इसके साथ दावा किया गया है कि

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने दो दशक के शासन में बिहार को एकता, न्याय और समावेशी विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है। पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि उन्होंने इन क्षेत्रों में "विश्व कीर्तिमान" स्थापित किया है। पोस्टर के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि पिछले 20 वर्षों में बिहार में विकास, कानून व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है।

'निशांत कुमार' को लेकर भी दिया बड़ा राजनीतिक संदेश: पोस्टर की एक और खास बात यह है कि इसमें पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे निशांत कुमार को लेकर भी कई संदेश लिखे गए हैं। पोस्टर में लिखा गया है— "तीर निशान! तकदीर निशांत!!" वहीं, निशांत कुमार को 'फ्यूचर लीडर आफ बिहार' बताया गया है। इसके अलावा नीचे "निशांत निश्चय" और "नीतीश जी का मिशन अधूरा... निशांत कुमार ही करेंगे पूरा..." जैसे नारे भी प्रमुखता से दिए गए हैं।

पोस्टर में "मिशन विकसित बिहार-2040" का जिक्र: पोस्टर में "मिशन विकसित बिहार-2040" का भी उल्लेख किया गया है। इससे यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को दीर्घकालिक विकास के रास्ते पर ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है।

24 घंटे बाद बिहार में भारी बारिश की संभावना, अब तक 50% कम बरसात

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून की एंट्री के बाद भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। शनिवार को सुपौल के नगर पंचायत निर्मली स्थित कन्या मध्य विद्यालय में उमस भरी गर्मी की वजह से 4 छात्राएं बेहोश हो गईं। बच्चियों की तबीयत बिगड़ते ही स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। शिक्षकों ने तत्काल उन्हें पास के निजी क्लिनिक में इलाज के लिए पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, बगहा में दोपहर 1 बजे बाद मौसम बदला और तेज बारिश हुई। मौसम विभाग की माने तो 5 जुलाई के बाद पूरे बिहार में मानसून फिर एक्टिव होगा। हैवी रेन का अलर्ट भी जारी किया गया है। अभी पटना समेत कई जिलों का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास या इसके ऊपर ही रहेगा।

बारिश नहीं होने के कारण दिन में उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करेगी। अधिकतम तापमान में भी 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। ऐसे में दोपहर के समय गर्मी का असर पहले से अधिक महसूस किया जा सकता है।

मानसून की चाल क्यों पड़ गई धीमी: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बिहार में मानसून पूरी तरह सक्रिय नहीं हो पाया है। मानसूनी सिस्टम कमजोर रहने और बंगाल की खाड़ी से पर्याप्त नमी नहीं मिलने के कारण राज्य में व्यापक बारिश नहीं हो रही है। फिलहाल कोई मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम या ट्रफ लाइन बिहार के पक्ष में सक्रिय नहीं है। यही वजह है कि मानसून की गति धीमी बनी हुई है और अधिकांश जिलों में अच्छी बारिश का इंतजार जारी है। इस मानसून सीजन में अब तक बिहार में सामान्य से काफी कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 1 जून से 3 जुलाई तक राज्य में लगभग 196.1 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन अब तक केवल 98.4 मिलीमीटर वर्षा ही रिकॉर्ड की गई है। यानी राज्य में अब तक सामान्य से करीब 50 प्रतिशत कम बारिश हुई है। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक 20.2 मिमी बारिश मुंगेर में हुई।

जेड सिक्योरिटी वापस मिलने पर बोले लालू-सरकार बैकफुट पर है

एजेंसी, पटना

राजद सुप्रीमो लालू यादव और पूर्व सीएम राबड़ी देवी को Z कैटेगरी की सुरक्षा फिर से बहाल कर दी गई है। इसके साथ ही दोनों को बुलेट प्रूफ गाड़ी भी मुहैया कराई गई है। इसको लेकर बिहार सरकार ने शुक्रवार की शाम नोटिफिकेशन जारी किया है। इस मामले पर लालू यादव ने कहा कि सरकार बैकफुट पर है। 'क्या बिहार सरकार ने पहले उनकी सुरक्षा रद्द करके उनके साथ अन्याय किया था', यह पूछे जाने पर उन्होंने कहा, "हां, बहुत किया है।"

एक महीना पहले बिहार सरकार ने VVIP सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की थी। इस समीक्षा के बाद लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की सुरक्षा श्रेणी में बदलाव किया गया था, जिसे लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। सुरक्षा में बदलाव के विरोध में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी ने सरकार की ओर से उपलब्ध कराई गई सुरक्षा वापस कर दी थी।

❑ **कहा- मेरे साथ अन्याय हुआ, बंगला विवाद के बीच घटाई गई थी लालू-राबड़ी की सुरक्षा**

10 सर्कुलर स्थित बंगले से वापस किया था सुरक्षा: सुरक्षा में कटौती से नाराज लालू परिवार ने राज्य सरकार की नई सुरक्षा व्यवस्था को खारिज कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने 10 सर्कुलर रोड स्थित बंगले पर तैनात सभी सरकारी सुरक्षा जवानों को वापस लौटा दिया था। इसके बाद से सांसद मीसा भारती और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी सुरक्षा जवानों को वापस कर दिए थे।

सेन पश्चिम पारा में भी सफल टीम सीपी सिंह की कर्मठता, लाखों के जेवरात और नकदी सहित शातिर चोर गिरफ्तार

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां सेन पश्चिम पारा थाने की स्वर्ण जयंती विहार चौकी पुलिस ने चोरों के एक ऐसे अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करने में सफलता प्राप्त की है, जो बंद मकानों को निशाना बनाता था। मूल रूप से अमेठी के रहने वाले गिरोह के इस सरगना अंशु पासी पुत्र रामसजीवन स्थानीय हाल पता कच्ची बस्ती माया पुरम गुजैनी थाना गुजैनी के पास से 1 लाख नकद, 632 ग्राम चांदी, एक अवैध तमंचा और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी भी बरामद की है। आरोपी चोरी की हर बड़ी वारदात के बाद अपनी प्रेमिका के साथ हवाई सफर कर गोवा जाता था और वहां आलीशान तरीके से छुट्टियां भी बिताता था। यह कार्रवाई सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र में 19 जून को स्वर्ण जयंती विहार निवासी अनिल कुमार वर्मा के बंद घर से 15 लाख मूल्य के जेवरात और नकदी

पार करने के फलस्वरुप घटना के सटीक खुलासे के रूप में स्वर्ण जयंती विहार चौकी पुलिस द्वारा की गई। अवगत कराते चलें कि इन शातिर चोर गिरोह का भंडाफोड़ चोरों करने के रूप में हाल में ही जिस नई बनी स्वर्ण जयंती विहार चौकी पुलिस को यह महत्व पूर्ण सफलता मिली। उसकी पहली कमान हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की हर संभव सहायता में भी अग्रणी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले तेजतर्रार, व्यवहार कुशल सब इंस्पेक्टर छत्रपाल सिंह के हाथ में सौंपी गई है। सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए अपनी जुझारू नौकरी के अबतक कार्यकाल में अनेक अपराधियों को जेल की हवा खिला चुके जुझारू चौकी प्रभारी सीपी सिंह को चोरी की इस बड़ी वारदात का सटीक खुलासा करने के लिए दर्जनों लोगों से गहन के साथ ही 100 से अधिक कैमरे भी खंगालने पड़े। तब कहीं जाकर घटना के सटीक अनावरण और चोरों को माल समेत गिरफ्तार करने के रूप में उनके अथक परिश्रम को यह महत्वपूर्ण सफलता मिली। उनकी इस टीम में सब इंस्पेक्टर आशीष कुमार सिंह, देवेन्द्र कुमार, शिवम सिंह, कांस्टेबल अक्षय कुमार, निखिल राठी और भूपेंद्र दीक्षित भी शामिल रहे। इस घटना के अनावरण के लिए तीन टीमों का गठन करने वाले डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने पत्रकारों को बताया कि बिधनू में चोरी के एक मामले में करीब डेढ़ साल जेल में बंद रह चुका शातिर अपराधी अंशू पासी हाल ही में जमानत पर छूटने के बाद उसने अपने साथियों हिमांशु, गोल्डी और सागर के साथ मिलकर इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया। अब पुलिस दोनों फरार आरोपियों की भी तलाश कर रही है।

सदर बाजार में भीषण आग, छह दुकानें जलकर राख, कारोबारी ने लगाया आग लगाने का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर थाना क्षेत्र के सदर बाजार स्थित बड़ी देवी स्थान के पास शुक्रवार देर रात भीषण आग लग गई। इस घटना में छह दुकानें जलकर राख हो गईं, जिसमें लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है। हालांकि, हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की पांच छोटी-बड़ी दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

आगजनी का आरोप, एक व्यक्ति हिरासत में: मामले में पुलिस ने सुल्तानपुर निवासी लल्लू कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ

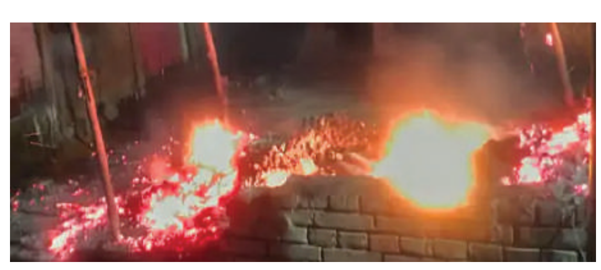

शुरू कर दी है। लहसुन कारोबारी दिलीप कुमार ने दानापुर थाने में लिखित शिकायत देकर लल्लू कुमार पर आग लगाने का आरोप लगाया है। दिलीप कुमार ने बताया, 'शुक्रवार सुबह उनकी लल्लू कुमार से किसी बात पर कहासुनी हुई थी। आरोप है कि शाम को लल्लू शराब के नशे में चार-पांच अज्ञात युवकों के साथ उनकी दुकान पर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए दुकान में आग लगाने की धमकी दी। उस समय आसपास के दुकानदारों ने बीच-बचाव कर उसे वहां से हटा दिया था। इसके घटना के बाद देर रात अचानक दुकान में आग लग गई, जिससे दिलीप कुमार की दुकान समेत कई अन्य दुकानें जलकर खाक हो गईं।' उन्होंने आगलगी में करीब 8 से 9 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है।

रात 12 बजे मिली आग लगने की सूचना: दुकानदार सुशील साव ने बताया, 'रात करीब 12 बजे कुछ लोगों ने उनके घर पहुंचकर दुकान में आग लगने की सूचना दी। वे तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों के साथ आग बुझाने का प्रयास करने लगे। अग्निशमन विभाग को भी सूचना दी गई, लेकिन तब तक आग तेजी से फैल चुकी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग रात करीब सवा 12 बजे लगी थी।

आग की चपेट में दिलीप कुमार की लहसुन दुकान, सुनील कुमार की प्याज दुकान, राजू की मिर्च दुकान, मन्नू की नाश्ता दुकान सहित कुल छह दुकानें आ गईं। सहायक अग्निशमन पदाधिकारी शशिकांत शर्मा ने पुष्टि की कि पांच दमकल वाहनों की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, पुलिस शिकायत के आधार पर सभी पहलुओं की जांच में जुटी है।

पटना मेट्रो उद्घाटन समारोह में मेयर को नहीं किया आमंत्रित

एजेंसी, पटना

पटना मेट्रो के उद्घाटन समारोह के दौरान मेयर सीता साहू को आमंत्रित नहीं करने पर पटना नगर निगम के सशक्त स्थाई समिति के सदस्यों ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा को पत्र लिखा है। सशक्त स्थाई समिति के सदस्यों ने इस पूरे प्रकरण के जांच का अनुरोध किया है। इसके साथ ही ये भी सुनिश्चित करने को कहा है कि भविष्य में राज्य सरकार और उनकी एजेंसियों द्वारा आयोजित नगर क्षेत्र से संबंधित सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में पटना मेयर के संवैधानिक गरिमा का सम्मान किया जाए।

पटना नगर निगम की मेयर को आमंत्रित नहीं किया: इस पत्र में लिखा गया कि, 2 जुलाई 2026 को आयोजित पटना मेट्रो के मलाही

पकड़ी स्टेशन के उद्घाटन समारोह में पटना नगर निगम की मेयर को आमंत्रित नहीं किया गया। यह न केवल नगर निगम जैसी महत्वपूर्ण स्थानीय स्वशासी संस्था की गरिमा के प्रतिकूल है, बल्कि स्थापित प्रशासनिक परंपराओं और राज्य सरकार द्वारा निर्धारित वरीयता क्रम की भावना के भी अनुरूप नहीं प्रतीत होता है। पत्र में आगे लिखा गया है कि पटना मेट्रो परियोजना के लिए पटना नगर निगम द्वारा आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र (NOC) प्रदान किया गया था।

पटना जू में जुलाई लास्ट तक आएंगे दो नर गौर, सेंट्रल जू अथॉरिटी से मिली मंजूरी

एजेंसी, पटना

पटना जू में जुलाई के अंत तक कर्नाटक के शिवमोगा जू से 2 नर गौर आयेंगे। पटना जू प्रशासन इसकी तैयारियों में लगा हुआ है। सेंट्रल जू अथॉरिटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। अभी पटना जू में सिर्फ 2 मादा गौर हैं। 2 नर गौर लाने से पटना जू में गौर की संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी। शिवमोगा जू को देश की पहली विशेष 'गौर सफारी' के रूप में विकसित की गई है। इसके तहत मैसूरू चिड़ियाघर से लाए गए भारतीय गौर रखे जाते हैं। जून 2025 में संक्रमण से मादा गौर की मृत्यु हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार थिलेरियोसिस संक्रमण के कारण गौर की मौत की बात सामने आयी। गौर की मृत्यु के 20 दिनों पहले से ही उसके संक्रमण का इलाज चल रहा था। उससे पहले मार्च 2025 में आधी रात को नर गौर भैरवा की मौत हो गई थी। तीन-चार दिनों से बीमार चलने के बाद उसने

❑ **कर्नाटक के शिवमोगा जू से लाने की तैयारी**

खाना भी छोड़ दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का प्रारंभिक कारण सेप्टीसीमिया और मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर बताया गया था।

वहीं, पटना जू में मैसूर जू से नर जिराफ आएगा। एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जानवरों की अदला-बदली होगी। जिराफ लाने को लेकर पहले कोलकाता जू से बातचीत हुई थी। मगर वहां से फीका रिस्पॉन्स मिला, जिसके बाद मैसूर से जिराफ लाया जाएगा। नर जिराफ को पटना जू लाने का मुख्य उद्देश्य जिराफ के ब्लड लाइन को बदलकर उसके ब्रीडिंग को बढ़ावा देना है।

82 हजार स्ट्रीट लाइटें होंगी ऑटोमेटिक ऑन-ऑफ, 30 दिन में राजधानी में जगमगाएंगी 35 हाई मास्ट लाइटें

एजेंसी, पटना

पटना के 82 हजार स्ट्रीट लाइटों को ऑटोमेटिक स्टार्ट किया जाएगा। इसे IoT (Internet of Things) आधारित सेंसर बेस्ड किया जा रहा है, जो शाम होते ही खुद जल जाएंगी और सुबह होते ही बंद हो जाएंगी। इन लाइटों की निगरानी के लिए सेंट्रलाइज्ड कमांड सेंटर बनाया जाएगा। इसके लिए बिड को स्वीकृति के लिए विभाग में भेज दिया गया है। वहीं, बारिश के समय स्विच फेल होने और कार्बन की समस्या के समाधान के लिए टीम भी बनाई गई है।

25000 अतिरिक्त लाइटें और पुरानी लाइटों का होगा एक्सचेंज: पटना नगर निगम से अब नया टेंडर किया जा रहा है। इसमें शहर की सभी स्ट्रीट लाइटों को ऑटोमेट करने के साथ-साथ

25 हजार अतिरिक्त लाइटें लगाने का प्रावधान है। इसके अलावा ईईएसएल की वे पुरानी लाइटें, जिनकी कार्य अवधि समाप्त हो चुकी है, उन्हें नई लाइटों से बदला जाएगा।

30 दिन में राजधानी में जगमगाएंगी 35 हाई मास्ट लाइटें: पटना के 30 वार्डों में 35 जगह लगने वाली हाई मास्ट लाइटों का काम अगले 30 दिनों के अंदर पूरा कर लिया जाएगा। इनमें से करीब 20 लाइटों के लिए फाउंडेशन का काम शुरू हो चुका है। जयप्रकाश नगर, दयानंद हाई स्कूल, बसावन पार्क टी-प्वाइंट, पंचमुखी हनुमान मंदिर सहित अन्य जगहों पर लाइटें लग रही है। हर हाई मास्ट लाइट की लंबाई 12.5 मीटर है। प्रत्येक हाई मास्ट लाइट में 6 फ्लड लाइटें होंगी, जिनकी कुल क्षमता 1200 वॉट होगी। इन सभी 35 हाई मास्ट लाइट में 1.6 करोड़ रुपए की लागत आएगी। पटना नगर निगम क्षेत्र में वर्तमान में 166 हाई मास्ट लाइट कार्यरत हैं।

तुरंत समाधान के लिए वार्ड स्तर पर टीम गठित: वहीं, वार्ड स्तर पर अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं, जो शिकायतों का तुरंत समाधान कर रही हैं। बारिश के समय स्विच फेल होने और कार्बन की समस्या सामने आती है, लेकिन इन तकनीकी दिक्कतों को भी लगातार ठीक किया जा रहा है। पटना नगर निगम के पास लाइट को समस्या को लेकर करीब 250-300 शिकायतें पेंडिंग है। इसपर भी कार्रवाई किया जा रहा है।

हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
+91 8873 319 159
बोकारो, रविवार, 05 जुलाई, 2026

संक्षिप्त समाचार

चीनी मॉडल से नहीं, नेपाल का विकास नेपाली मॉडल से ही संभवः ज्ञानेंद्र शाही

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के संसदीय दल के नेता ज्ञानेंद्र शाही ने चीनी दूतावास से जुड़े एक कार्यक्रम में दो टूक कहा है कि नेपाल के विकास के लिए किसी भी विदेशी मॉडल की नकल नहीं की जानी चाहिए। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से आयोजित 'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के 105 वर्षः ऐतिहासिक अनुभव और नेपाल का विकास' विषयक विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास बाहर से आयात करने का विषय नहीं है। शाही ने ज़ोर देकर कहा कि नेपाल के भौगोलिक और सामाजिक परिवेश में अन्य देशों में सफल हुए विकास के मॉडल को हूबहू लागू नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि नेपाल को अपनी मिट्टी और जमीनी हकीकत पर आधारित मौलिक मार्ग अपनाना चाहिए। राष्ट्रीय हित को केंद्र में रखकर नेपाल को अपना खुद का विकास मार्ग तैयार करना होगा। शाही ने कहा कि नेपाल की मुख्य समस्या संभावनाओं की कमी नहीं, बल्कि उन्हें लागू करने की कमजोरी है। शाही ने कहा, "विकास बाहर से आयात की जाने वाली चीज़ नहीं है और न ही किसी दूसरे देश के विकास मॉडल की हूबहू नकल करके सफलता हासिल की जा सकती है। एक देश में सफल हुआ विकास मॉडल हिमालय की गोद में बसे नेपाल में जस का तस लागू नहीं हो सकता।" उन्होंने कहा कि नेपाल प्राकृतिक संपदा, अपार जलस्रोत और दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं (भारत और चीन) के बीच स्थित रणनीतिक भौगोलिक स्थिति से संपन्न राष्ट्र है, लेकिन क्रियान्वयन पक्ष कमजोर होने के कारण देश पिछड़ गया है। नेपाल-चीन संबंधों पर ज्ञानेंद्र शाही ने कहा कि दोनों देशों के बीच का रिश्ता पारस्परिक सम्मान, संप्रभु समानता, भौगोलिक अखंडता के सम्मान और एक-दूसरे के मामलों में अहस्तक्षेप के सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने दावा किया कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर, शक्तिशाली और स्थिर नेपाल ही इस पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता का सबसे मजबूत आधार होगा।

नेपाल के साथ संबंधों को मजबूत बनाने को चीन के राजदूत ने पेश किए चार सूत्री प्रस्ताव

काठमांडू। चीन के राजदूत झांग माओमिंग ने नेपाल के साथ संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए चार सूत्री प्रस्ताव रखा है। झांग ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के 105वें स्थापना दिवस पर शनिवार को काठमांडू में आयोजित विचार गोष्ठी में यह पेश किया। राजदूत झांग ने नेपाल-चीन संबंधों के भविष्य के संदर्भ में बोलते हुए दोनों देशों के राजनीतिक दलों के बीच गरीबी निवारण, आर्थिक विकास और पार्टी निर्माण के अच्छे अभ्यासों को साझा करने का पहला प्रस्ताव रखा। उसी तरह, नेपाल की विकास रणनीति के साथ बीआरआई को जोड़ते हुए 'ट्रान्स-हिमालयन मल्टी-डायमेंशनल कनेक्टिविटी नेटवर्क' के निर्माण को तीव्रता देने का उनका दूसरा प्रस्ताव है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर समन्वय करते हुए राष्ट्रपति सी जिनपिंग द्वारा प्रस्तावित ग्लोबल डेवलपमेंट, ग्लोबल सिक्योरिटी, ग्लोबल सिविलाइजेशन और ग्लोबल गवर्नेंस इनिशिएटिव्स के कार्यान्वयन में मिलकर कार्य करने के प्रति प्रतिबद्धता भी जताई। युवा पीढ़ी के बीच भ्रमण और सांस्कृतिक कार्यक्रम संचालित कर नेपाल-चीन मैत्री संबंध को हस्तांतरित करने का उनका चौथा प्रस्ताव है। पार्टी की सफलता और विशेषता के बारे में चर्चा करते हुए राजदूत झांग ने कहा कि सीपीसी विश्व की सबसे बड़ी सत्तारूढ़ पार्टी है। इस पार्टी में 10 करोड़ 12 लाख से अधिक सदस्य हैं। उन्होंने प्रतिबद्धता व्यक्त की कि विश्व शांति को बढ़ावा देने और मानव प्रगति की यात्रा में योगदान देने के लिए चीन सदैव तैयार है।

राजौरी में एलओसी के पास गश्त के दौरान माइन ब्लास्ट में भारतीय सेना के नायब सूबेदार घायल

राजौरी। राजौरी जिले के नौशहरा के झांगड़ सेक्टर में एलओसी के पास गश्त के दौरान माइन ब्लास्ट में भारतीय सेना की 14 असम यूनिट के नायब सूबेदार हितेश्वर गोगोई घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद कमांड अस्पताल उधमपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार सेना की टीम झांगड़ के अग्रिम इलाके में नियमित पेट्रोलिंग और क्षेत्र की निगरानी कर रही थी। इसी दौरान अचानक जोरदार विस्फोट हुआ। इसमें नायब सूबेदार हितेश्वर घायल हो गए। विस्फोट के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और सेना ने तत्काल पूरे क्षेत्र को घेरकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। सेना के अधिकारियों ने बताया कि घायल अधिकारी को पहले नजदीकी सैन्य चिकित्सा केंद्र पहुंचाया गया, जहां से कमांड अस्पताल उधमपुर भेजा गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक यह विस्फोट पुराने लैंडमाइन या गश्त मार्ग में मौजूद विस्फोटक सामग्री के कारण हो सकता है। सुरक्षा एजेंसियां पूरे इलाके की जांच कर रही हैं ताकि किसी अन्य संभावित खतरे को समय रहते निष्क्रिय किया जा सके। उल्लेखनीय है कि नियंत्रण रेखा से सटे राजौरी और नौशहरा सेक्टर में बारिश के मौसम में कई बार पुरानी बारूदी सुरंगें खिसक जाती हैं। इससे जवानों के लिए खतरा बढ़ जाता है।

चुनाव आयोग ने के. कविता को पार्टी का नाम बदलने का दिया निर्देश, 15 दिन में तीन नए नाम सुझाने को कहा

हैदराबाद। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने के. कविता को उनकी नई राजनीतिक पार्टी तेलंगाना रक्षण सेना (टीआरएस) का नाम बदलने का निर्देश दिया है। विभिन्न हितधारकों की ओर से दर्ज कराई गई आपत्तियों के बाद आयोग ने यह कदम उठाया है। निर्वाचन आयोग ने के. कविता को भेजे गए पत्र में 15 दिनों के भीतर पार्टी के लिए तीन वैकल्पिक नाम प्रस्तावित करने को कहा है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर जवाब नहीं दिया गया तो पार्टी के पंजीकरण के लिए किया गया आवेदन बिना किसी अतिरिक्त सूचना के खारिज किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि के. कविता ने 25 अप्रैल को मेडचल में अपने नए राजनीतिक संगठन की शुरुआत की थी। प्रारंभ में पार्टी का नाम 'तेलंगाना राष्ट्र सेना' रखा गया था, लेकिन तीन दिन बाद 28 अप्रैल को इसे बदलकर 'तेलंगाना रक्षण सेना' कर दिया गया। पार्टी के गठन से पहले फरवरी में कविता ने निर्वाचन आयोग को पांच संभावित नामों का प्रस्ताव भेजा था। इनमें तेलंगाना प्रजा जागृति, तेलंगाना जागृति, तेलंगाना रक्षण सेना, तेलंगाना राष्ट्र जागृति और तेलंगाना प्रजा शक्ति शामिल थे। इनमें से उन्होंने अंततः 'तेलंगाना रक्षण सेना' नाम को चुना। निर्वाचन आयोग ने प्रारंभिक स्तर पर इस नाम को सार्वजनिक सूचना के लिए प्रकाशित करने की अनुमति दी थी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया था कि अंतिम मंजूरी निर्धारित अवधि में प्राप्त होने वाली आपत्तियों और उनके निस्तारण के बाद ही दी जाएगी।

अब चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी छोड़ा ममता का साथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी राजनीतिक उथल-पुथल के बीच बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को पत्र लिखकर प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ने की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी और उसकी विभिन्न इकाइयों के बैंक खातों की हस्ताक्षरकर्ता तथा निर्वाचन आयोग के समक्ष पार्टी का प्रतिनिधित्व करने सहित सभी प्रशासनिक जिम्मेदारियों से भी स्वयं को मुक्त करने का अनुरोध किया है।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, चंद्रिमा भट्टाचार्य के पुत्र सौरभ बसु के हाल ही में ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल के बागी गुट में शामिल होने के बाद से ही उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। इसी घटनाक्रम के बीच उनके इस्तीफे ने पार्टी की अंदरूनी स्थिति को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। इस्तीफे के बाद मीडिया से बातचीत में चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि उन्हें किसी व्यक्ति या नेता से कोई शिकायत नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ परिस्थितियों के कारण उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग गए हैं और इसी वजह से उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि वह आगे ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस में बनी रहेंगी या नहीं।

एथेनॉल के विरोध पर सरकार बोली- यह जांची-परखी साइंटिफिक प्रोसेस

इसे पेट्रोल में मिलाने की ग्लोबल प्रैक्टिस अपनाई, टॉप एजेंसियां भी टेस्ट कर चुकीं

एजेंसी, नई दिल्ली

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने को लेकर हो रहे विरोध के बीच शनिवार को सरकार ने कहा कि एथेनॉल ब्लेंडिंग का काम रातों-रात नहीं हुआ। यह एक जांची-परखी, साइंटिफिक और स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस है। इसे पेट्रोल में मिलाने की ग्लोबल प्रैक्टिस अपनाई है और टॉप एजेंसियां भी इसका टेस्ट कर चुकीं हैं। एथेनॉल ब्लेंडिंग पर दिल्ली में हुई इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार की ओर से शामिल एक्सपर्ट वर्तिका शुक्ला ने यह बात कही। वर्तिका शुक्ला ने बताया कि देश में साल 2013 और 2014 के दौरान पेट्रोल में सिर्फ 1.5% एथेनॉल मिलाया जा रहा था। अब इस प्रोग्राम के तहत पेट्रोल में 20% एथेनॉल ब्लेंडिंग (E20) की जा रही है। 20% एथेनॉल ब्लेंडिंग के टारगेट को तय समय से पांच साल पहले यानी दिसंबर 2025 तक ही पूरा कर लिया गया है।

भारत में क्यों हो रहा है E20 पेट्रोल का विरोध?: भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण यानी E20-पेट्रोल का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया और इंजन के पाट्‌र्स जल्दी खराब हो रहे हैं। हालांकि, भारत सरकार का कहना है कि एथेनॉल से माइलेज में मामूली कमी जरूर आती है, लेकिन इससे गाड़ी का पिकअप और इंजन परफॉर्मेंस बेहतर होता है।

टॉप एजेंसियां इसकी टेस्टिंग कर चुकीं: एक्सपर्ट शुक्ला ने बताया कि विशेष रूप से साल 2018 में एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम (EBP) को एक स्ट्रक्चर्ड यानी व्यवस्थित तरीके से सभी स्टेकहोल्डर्स के सामने चर्चा और विचार-विमर्श के लिए रखा गया था। यह पूरा प्रोग्राम साइंटिफिक एविडेंस पर बेस्ड है। एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम को ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरर्स और उन्हें सपोर्ट करने वाली मुख्य एजेंसियों का पूरा सपोर्ट है। ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ARAI) और सियाम जैसी टॉप एजेंसियां इसकी बड़े लेवल पर टेस्टिंग कर चुकी हैं। वर्तिका शुक्ला के अनुसार, पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का यह प्रोग्राम दुनिया भर में अपनाई जाने वाली ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेस के बिल्कुल अनुरूप है। इसके जरिए फॉसिल फ्यूल यानी जीवाश्म ईंधन को 'ग्रीन' बनाया जा रहा है, ताकि पर्यावरण में कार्बन उत्सर्जन को काफी हद तक कम किया जा सके।

आतंकियों व अलगाववादियों के महिमामंडन वाली पुस्तक पर तत्काल रोक की मांग

एजेंसी, जम्मू

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने शनिवार को सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में वितरित एक विवादित पुस्तक पर तुरंत रोक लगाने की मांग की। उन्होंने शिक्षा विभाग पर राष्ट्र विरोधी सामग्री को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए संबंधित पुस्तक को मंजूरी दिए जाने और उसे वितरित करने की उच्चस्तरीय जांच की मांग की।

जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाजपा नेता सुनील शर्मा ने आरोप लगाया कि पैराडाइज़ पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित किताब 'पर्सनैलिटीज़ एंड लेजेंड्स ऑफ़ जेएंडके' अलगाववादियों, आतंकवादियों और पत्थरबाज़ों का महिमामंडन कर भारत को नकारात्मक रूप में दर्शाती है। उन्होंने कहा कि इसे युवा मस्तिष्क को प्रभावित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है जो युवाओं को शैक्षणिक भटकाव की तरफ ले जाएगा। शर्मा ने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में भेजे जाने से पहले शिक्षा विभाग की तरफ से गठित समिति ने इस किताब को मंजूरी दी थी।उन्होंने कहा कि संबंधित पुस्तक पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जानी चाहिए। साथ ही इसे मंजूरी देने, प्रकाशित करने और वितरण के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षा मंत्री को तुरंत हटाने की मांग करते हुए कहा कि विभाग ने सरकारी स्कूलों में किताब को अनुमति देकर "गंभीर चूक" की है। लेफ्टिनेंट गवर्नर के प्रशासन के दौरान लिए गए फैसलों का ज़िक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि पहले भी ऐसी ही सामग्री वाली लगभग 25 किताबों को वापस ले लिया गया था या उन पर रोक लगा दी गई थी। उन्होंने सरकार से इस मामले में भी वैसा ही रुख अपनाने का आग्रह किया।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए शर्मा ने आरोप लगाया कि यह प्रकाशन आतंकवाद से जुड़े मामलों में दोषी या आरोपित व्यक्तियों को "शहीद" बताता है, जबकि सुरक्षाकर्मियों के बलिदान को नज़रअंदाज़ करता है। शर्मा ने जम्मू-कश्मीर सरकार और जांच एजेंसियों से आग्रह किया कि बिना देरी किए मामले की जांच करें और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई शुरू करें।

डिजिटल अरेस्ट मामले में मप्र के मुरैना से दो चचेरे भाई गिरफ्तार

एजेंसी, भोपाल/ग्वालियर

मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में सेवानिवृत्त महिला स्वास्थ्य कर्मचारी से 1.58 करोड़ रुपये के डिजिटल अरेस्ट ठगी मामले में साइबर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुरैना के पोरसा से दो चचेरे भाइयों को गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि इस गिरोह के तार अंतरराष्ट्रीय चाइनीज नेटवर्क से जुड़े हैं, जो ठगी की रकम को क्रिप्टोकरेंसी में तब्दील कर विदेश भेजते थे। साइबर पुलिस के अनुसार दोनों चचेरे भाइयों की गिरफ्तारी शुक्रवार रात हुई। ठगी का यह सनसनीखेज मामला ग्वालियर के जनकगंज इलाके का है, यहां की निवासी रिटायर्ड लैब टेक्नीशियन मीनाक्षी नाखरे को साइबर ठगों ने अपना शिकार बनाया।

ठगों ने खुद को सीबीआई और ईडी का आला अधिकारी बताते हुए उन्हें वीडियो कॉल के जरिए 'डिजिटल हाउस अरेस्ट' कर लिया था। आरोपितों ने महिला को मनी लॉन्ड्रिंग के झूठे केस में फंसाने और जेल भेजने का ऐसा खौफ दिखाया कि उन्होंने डर के मारे अपनी जिंदगी भर की जमा पूंजी और अलग-अलग बैंकों की एफडी तुड़वाकर कथित जांच के नाम पर 1.58 करोड़ रुपये ठगों के बताए खातों में ट्रांसफर कर दिए।

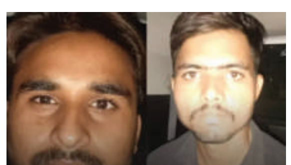

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े ठगी के तार

साइबर पुलिस ने जब इस बड़ी रकम के ट्रांजेक्शन और बैंक खातों की कड़ियों को जोड़ना शुरू किया, तो ठगी के 4 लाख रुपये मुरैना के पोरसा निवासी राहुल तोमर के खाते में ट्रांसफर होने की बात सामने आई।

चंपत राय के बचाव में उतरे अयोध्या के संत ट्रस्ट से इस्तीफा स्वीकार नहीं करने की अपील

एजेंसी, अयोध्या

श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (ट्रस्ट) के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच अयोध्या संत मंडल उनके समर्थन में उतर आया है। संतों ने ट्रस्ट से चम्पत राय का इस्तीफा स्वीकार नहीं करने की अपील की है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है, लेकिन इस पर अभी फैसला नहीं हुआ है। ट्रस्ट की छह जुलाई को अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की अध्यक्षता में एक बैठक आहूत की गई है, जिसमें उनके इस्तीफे पर विचार हो सकता है।

बैठक से पहले संतों ने चंपत राय का समर्थन करते हुए उनका बचाव किया है। शनिवार को अयोध्या संत मंडल की एक बैठक हुई जिसके बाद संतों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। संतों ने कहा कि चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की रिपोर्ट आने तक किसी निष्कर्ष पर न पहुंचने की अपील की।

महंत राघवेश दास दास वेदांती ने कहा कि दान

राशि में गड़बड़ी के आरोपों की सच्चाई एसआईटी जांच के बाद ही सामने आएगी। उन्होंने मांग की कि ट्रस्ट से चंपत राय का इस्तीफा मंजूर न किया जाए। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे आगे आकर आय-व्यय का पूरा डेबिट-क्रेडिट सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि यदि लोगों के मन में सवाल हैं तो उनका जवाब भी ट्रस्ट की ओर से दिया जाना चाहिए।

वेदांती ने कहा कि चंपत राय ने राम मंदिर आंदोलन और मंदिर निर्माण में वर्षों तक मेहनत की है। वह 1993 से अयोध्या में हैं। तब से चंपत राय को काम करते हुए देख रहे हैं। उनका कहना था कि जिन लोगों ने स्वयं निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी की मांग की है, उन्हें बिना जांच पूरी हुए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और आगे का फैसला होना चाहिए। संतों ने रामभक्तों से भी अपील की कि वे अफवाहों से बचें और जांच पूरी होने तक धैर्य रखें। संतों ने एक स्वर में कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर के दान प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए, लेकिन जांच पूरी होने से पहले किसी भी व्यक्ति को दोषी ठहराना उचित नहीं है। संतों ने कहा कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का वर्षों से राम मंदिर आंदोलन और मंदिर निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है इसलिए उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

पत्रकार वार्ता में वामनजी मंदिर, स्वर्गद्वार महंत वैदेहीवल्लभ शरण, हिन्दू धाम के महंत राघवेशदास वेदांती, विद्या कुण्ड आश्रम महामंडलेश्वर प्रेमशंकरदास, राम कचहरी महंत शशिकान्त दास, साकेत भवन महंत सीतारामदास, सद्गुरु बधाई भवन महंत राजीवलोचनशरण, किरार मंदिर महन्त हरिमोहनशरण, स्वामी दिव्यानंद शास्त्री, हरिमोहन शरण, महंत रवि शंकर शरण प्रमुख रुप से उपस्थित रहे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी में बड़े लोगों को बचाया जा रहा, सरकार जवाब दे : कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी मामले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये के इस कथित घोटाले में केवल छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है, जबकि जिम्मेदार बड़े लोगों को बचाया जा रहा है। पार्टी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कांग्रेस मुख्यालय में शनिवार को पत्रकार वार्ता में उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' ने कहा कि राम मंदिर में हुई कथित चढ़ावा चोरी ने देशभर के रामभक्तों की भावनाओं को आहत किया है। इस मामले में केवल निचले स्तर के कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि ट्रस्ट के शीर्ष पदाधिकारियों की भूमिका पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर का निर्माण उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद सरकार की देखरेख

में गठित ट्रस्ट के माध्यम से हुआ था। ऐसे में केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती। ट्रस्ट से जुड़े जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अब तक प्राथमिकी क्यों दर्ज नहीं की गई है। आराधना मिश्रा ने कहा कि जिन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है, उनकी नियुक्ति ट्रस्ट की ओर से उपलब्ध कराई गई सूची के आधार पर भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से एजेंसी द्वारा की गई थी। नियुक्ति प्रक्रिया और पृष्ठभूमि की जांच से जुड़े सवालों पर भी जवाब नहीं दिया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि करोड़ों के चढ़ावे की कथित चोरी का मामला सामने आने के बावजूद प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जैसी एजेंसियों की कोई सक्रियता दिखाई नहीं दे रही है। मामले की जांच केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे पहले राम मंदिर से जुड़े भूमि सौदों को लेकर भी सवाल उठे थे। अब दान की कथित चोरी का मामला सामने आने के बाद देश के लोगों के मन में कई तरह की शंकाएं पैदा हुई हैं। सरकार को इस पूरे मामले की जांच करानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। आराधना मिश्रा ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है और इससे जुड़े किसी भी मामले में पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस मामले पर चुप्पी साधे हुए है, जबकि देश जवाब चाहता है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, उग्रवादी तथा मादक पदार्थों के तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, इम्फाल

मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने बीते 24 घंटे में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में कई सक्रिय उग्रवादियों तथा मादक पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन अभियानों के दौरान हथियार, गोला-बारूद, भारी मात्रा में नकदी और संदिग्ध ब्राउन शुगर भी बरामद की गई।

मणिपुर पुलिस ने शनिवार को आधिकारिक रूप से बताया कि, शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के लांगाथेल खोंगजोम रोड क्षेत्र से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के सक्रिय सदस्य कंगाबाम डेनी सिंह उर्फ बोनी (40) को गिरफ्तार किया।

इसी दिन आरपीएफ/पीएलए के दो सक्रिय सदस्यों को भी उनके घरों से पकड़ा गया। इनमें संगठन का एक कथित वसूलीकर्ता तथा इम्फाल वेस्ट का वित्त सचिव भी शामिल है। इनके कब्जे से दो पिस्तौल, दो बंदूकें

और बड़ी मात्रा में जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

एक अन्य कार्रवाई में मणिपुर पुलिस ने इम्फाल ईस्ट जिले के निवासी निंगथौजाम अकंगनबा मैतेई (27) को वर्ष 2023 में एमपीटीसी पांगेई शस्त्रागार लूटकांड तथा एक रिहायशी इलाके में गोलीबारी की घटना में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया। चुराचांदपुर जिले में चलाए गए एक अन्य अभियान के दौरान पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 2.5 किलो संदिग्ध ब्राउन शुगर, 31.43 लाख नकद, एक बोलेरो वाहन तथा एक नकदी गिनने की मशीन जब्त की।

गुजरात में अति भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो गया है। सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के कई इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश से जलभराव की स्थिति बन गई है। 4 जुलाई को सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक राज्य के 105 तहसीलों में बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश भावनगर जिले के महुवा में हुई, जहां मात्र दो घंटे में 3 इंच से अधिक वर्षा रिकॉर्ड की गई।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 9 जुलाई तक राज्य के कई हिस्सों में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। 5 जुलाई को 8 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। इनमें गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, सूरत, तापी, डांग, नवसारी और वलसाड शामिल हैं। इसके अलावा जूनागढ़, राजकोट, भरूच, वडोदरा, नर्मदा और छोटा उदयपुर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जबकि पोरबंदर,बोटाद, आनंद, पंचमहल और दाहोद के लिए येलो अलर्ट है। 6 जुलाई की चेतावनी में सूरत, तापी, डांग, नवसारी और वलसाड रेड

अलर्ट और गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, भरूच और नर्मदा ऑरेंज अलर्ट तथा जूनागढ़, राजकोट, वडोदरा, छोटा उदयपुर, दाहोद और पंचमहल के लिए येलो अलर्ट है। 7 जुलाई की चेतावनी नवसारी और वलसाड रेड अलर्ट और सूरत, तापी व डांग ऑरेंज अलर्ट तथा अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ, भरूच और नर्मदा येलो अलर्ट है। 8 और 9 जुलाई को नवसारी, डांग, तापी, वलसाड, अमरेली और भावनगर जिलों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। गुजरात के समुद्री तट पर अगले पांच दिनों तक तेज हवाएं और ऊंची लहरें उठने की संभावना है।

विधानसभा जन-आकांक्षाओं का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच, जनहित को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : ओम बिरला

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का शनिवार को विधानसभा भवन में समापन हो गया। समापन सत्र को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर. एन. रवि ने संबोधित किया। दोनों नेताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं और संवैधानिक दायित्वों के प्रभावी निर्वहन पर जोर देते हुए जनप्रतिनिधियों से सदन की गरिमा बनाए रखने का आह्वान किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने संबोधन में नव-निर्वाचित एवं वर्तमान विधायकों से कहा कि विधानसभा जन-आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे सदन की गरिमा और मर्यादा को बनाए रखते

हुए तथ्यों पर आधारित सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा के माध्यम से जनता की अपेक्षाओं को पूरा करें। ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र की सफलता जनप्रतिनिधियों की सक्रिय, जिम्मेदार और रचनात्मक भूमिका पर निर्भर करती है। प्रभावी जनप्रतिनिधित्व के लिए विधायी प्रक्रियाओं, सदन के नियमों और संसदीय परंपराओं की गहन समझ अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रबोधन कार्यक्रम का उद्देश्य विधायकों की विधायी क्षमता का विकास करना और उन्हें सदन की कार्यवाही में अधिक प्रभावी एवं सार्थक भूमिका निभाने के लिए तैयार करना है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अध्ययनशील, अनुशासित और जनहित के प्रति समर्पित रहना चाहिए। सदन में प्रत्येक चर्चा और निर्णय का सीधा प्रभाव जनता के जीवन पर पड़ता है, इसलिए प्रत्येक विधायक को

> ♦ **पश्चिम बंगाल विधानसभा के दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का समापन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया संबोधित**

अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ करना चाहिए।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल आर. एन. रवि ने भी लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और संविधान की भावना के अनुरूप कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही, पारदर्शिता और संविधान के प्रति निष्ठा पर आधारित होती है। उन्होंने विधायकों से अपेक्षा की कि वे जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, रविवार, 05 जुलाई, 2026

फीफा विश्वकप : अर्जेंटीना उलटफेर से बाल बाल बची, काबो वर्दे को हराकर अंतिम 16 में पहुंची

एजेंसी, मियामी

पूर्व विश्व चैम्पियन अर्जेंटीना को बमुश्किल काबो वर्दे के खिलाफ जीत मिली है। इस मैच में छह लाख की आबादी वाली वर्दे ने अर्जेंटीना का पसीना निकाल दिया। इस जीत के साथ ही अर्जेंटीना की टीम फीफा विश्वकप कप फुटबॉल के राउंड ऑफ-16 में पहुंच गयी है। केवल 6 लाख की आबादी वाले वर्दे ने पूर्व विजेता को पूरे मैच में एक बार भी सांस लेने का अवसर नहीं दिया। अर्जेंटीना की टीम काफी प्रयासों के बाद अतिरिक्त समय में 3-2 से जीती जबकि एक समय तो वह डॉ पर मजबूर होती दिख रही थी।

यह मुकाबला अर्जेंटीना के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं था, जहाँ उन्हें पहली बार विश्व कप खेल रहे वर्दे जैसी कमजोर टीम ने इतनी कड़ी टक्कर दी। मैच की शुरुआत में कप्तान लियोनेल मेसी ने 29वें मिनट में ही एक शानदार गोल दागकर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। जिससे लगा कि वह आसानी से जीत लेगी। पहले हाफ तक अर्जेंटीना की टीम अपनी बढ़त बनाए रखने में सफल रही पर दूसरे हाफ में वर्दे ने अपनी जुझारू भावना का परिचय दिया। 59वें मिनट में वर्दे की ओर से डेरॉय डुआर्टे ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया और मैच को पूरी तरह से बराबरी पर ला दिया। 90 मिनट के तय समय तक स्कोर बराबारी पर रहा। इससे मुकाबला अतिरिक्त टाइम में चला गया, इसमें मांचक मुकाबाला।

अतिरिक्त टाइम के पहले हाफ में, अर्जेंटीना के लिसैंड्रो मार्टिनेज ने 93वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को एक बार फिर 2-1 से आगे कर दिया। अर्जेंटीनी प्रशंसक अभी राहत की साँस ले ही रहे थे कि पासा एक बार फिर पलट गया। सिर्फ पाँच मिनट बाद, ही वर्दे के सिडनी लोपेज कैब्राल ने एक अविश्वसनीय गोल दागकर स्कोर को 2-2 से बराबर कर दिया। इस बराबरी से अर्जेंटीना के खेमे में सन्नाटा छा गया। प्रशंसकों को लगा कि अर्जेंटीना का सफर यहीं थम जाएगा पर दूसरे हाफ में, जब मैच समाप्ति की ओर बढ़ रहा था तभी मेसी ने एक शानदार कॉर्नर किक लगाई। इस किक को क्रिस्टियन रोमेरो ने गोल में बदल कर अपनी टीम को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिला दी। यह गोल न सिर्फ अर्जेंटीना के लिए जीत का जरिया बना, बल्कि उसने डिफेंडिंग चैंपियन की साख भी बचा ली। काबो वर्दे ने भले ही यह मैच गंवा दिया हो, लेकिन उसने अपने प्रदर्शन से दुनियाभर के फुटबॉल प्रेमियों का दिल जीत लिया।

विश्वकप से बाहर हुई सेनेगल टीम में उभरे मतभेद, स्टार मिडफील्डर पापे ने लिया ब्रेक

एजेंसी, न्यूजर्सी

फीफा विश्वकप फुटबॉल से बाहर होने के बाद सेनेगल टीम में मतभेद खुलकर सामने आ गये हैं। यहां तक कि स्टार मिडफील्डर पापे गुए ने टीम से अनिश्चितकालीन समय तक बाहर रहने की घोषणा कर दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जब तक मौजूदा तकनीकी स्टाफ टीम के साथ रहेगा, वह सेनेगल की जर्सी नहीं पहनेंगे। यह सब राउंड ऑफ-32 के उस बेहद रोमांचक मुकाबले के बाद हुआ, जहां सेनेगल का सामना बेल्जियम से था। मैच के 51वें मिनट तक सेनेगल ने 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी पर बाद में उसे 3-2 से हार का सामना करना पड़ा था। गुए की नाराजगी का एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि उन्हें मैच के लगभग एक घंटे बाद कोच पापे थियाव ने मैदान से बाहर बुलाकर उनकी जगह लमीन कामारा को उतारा था, वही खिलाड़ी जिसने बाद में निर्णायक पेनाल्टी के लिए फाउल किया। इस हार के तुरंत बाद, पापे गुए ने सोशल मीडिया पर अपनी गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा, मैं बाद में इस हार पर विस्तार से बात करूंगा, लेकिन फिलहाल इतना कह रहा हूं कि जब तक यही तकनीकी स्टाफ टीम के साथ रहेगा, मैं राष्ट्रीय टीम से ब्रेक ले रहा हूं। उनका यह बयान टीम में गहरे मतभेद का संकेत दे रहा है और सवाल उठा रहा है कि क्या यह हार केवल एक खेल का नतीजा थी या इसमें रणनीतिक गलतियाँ भी शामिल थीं। हालांकि सेनेगल वर्ल्ड कप से बाहर हो गया, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में पापे गुए का व्यक्तिगत प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने अपनी टीम के लिए तीन महत्वपूर्ण गोल किए और एक असिस्ट भी दिया। इराक के खिलाफ 5-0 की शानदार जीत में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था, जो उनके फॉर्म और टीम के लिए उनके महत्व को दर्शाता है। एक व्यक्तिगत रूप से सफल प्रदर्शन के बाद टीम से ब्रेक लेने का उनका फैसला उनके असंतोष की गहराई को उजागर करता है।

फीफा विश्व कप में 30 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने मेसी

- 20वां गोल कर गोल्डन बूट की दौड़ में नंबर एक पर पहुंचे

एजेंसी, मियामी

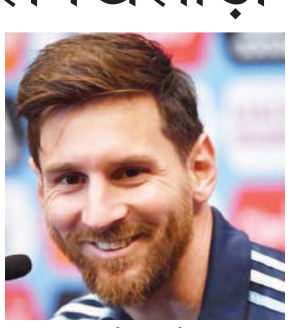

अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनल मेसी ने फीफा विश्व कप फुटबॉल में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। काबो वर्दे के खिलाफ मुकाबले में उतरते ही मेसी विश्वकप में 30 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। मेसी ने इस मैच के 29वें मिनट में एक शानदार गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलायी थी। मेसी का काबो वर्दे के खिलाफ यह गोल उनके विश्व कप करियर का 20वां गोल था, जिसके साथ वह फीफा विश्व कप में 20 गोल का आंकड़ा पार करने वाले पहले फुटबॉलर भी बन गए हैं। यह उपलब्धि उनकी गोल स्कोरिंग क्षमता और बड़े मंच पर उनके प्रभाव को सिद्ध करती है। मौजूदा टूर्नामेंट में यह मेसी का सातवां गोल था, और इस गोल के साथ ही उन्होंने गोल्डन बूट की दौड़ में फ्रांस के दिग्गज खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे को पीछे छोड़ दिया है। वर्दे के खिलाफ दागा गया यह गोल फीफा विश्व कप में उनके लगातार आठवें मैच में किया गया गोल था, जो उनकी अविश्वसनीय स्कोरिंग क्षमता और दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने की प्रवृत्ति का प्रमाण है। राउंड ऑफ 32 के इस बेहद रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना और काबो वर्दे के बीच जोरदार मुकाबला हुआ।

फीफा विश्व कप 2026 के दौरान सोशल मीडिया पर अभद्रता के मामले बढ़े

एजेंसी, अटलांटा। अमेरिका, कनाडा और मैक्सको में खेले जा रहे विश्ककप फुटबॉल मुकाबलों के दौरान सोशल मीडिया पर अभद्रता की घटनाएं भी तेजी से बढ़ी हैं और ये पिछले विश्वकप से अधिक हैं। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने ये खुलासा किया है। फीफा के अनुसार ग्रुप स्तर के मुकाबलों के दौरान ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट की संख्या में काफी तेजी आई है। संगठन की डिजिटल मॉनिटरिंग टीम ने कुल 89,000 ऐसे पोस्ट की पहचान की है, जो 2022 कतर विश्व कप की तुलना में 13 गुना अधिक हैं। इस दौरान नस्लीय टिप्पणियों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है, और 100 से अधिक मामलों में कानूनी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। ये आपत्तिजनक पोस्ट मुख्य रूप से खिलाड़ियों, भाग लेने वाली टीमों और मैच अधिकारियों को निशाना बनाकर की गई थीं। फीफा के सोशल मीडिया प्रोटेक्शन सर्विस (एसएमपीएस) ने इस विशाल डेटा का विश्लेषण किया। 2026 विश्व कप के ग्रुप स्टेज के दौरान, एसएमपीएस ने 60 लाख से अधिक सोशल मीडिया पोस्ट और कमेंट्स की निगरानी की, जो 2022 विश्व कप के मुकाबले 33 फीसदी ज्यादा हैं। विश्लेषण में सामने आया कि इन पोस्ट्स में से 11 फीसदी सीधे तौर पर नस्लीय दुर्व्यवहार से संबंधित थीं।

सैमसन विदेशी धरती पर पिछली दस पारियों में आठ बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंचे

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का विदेशी धरती पर पिछले कुछ समय से प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और वह पिछली 10 पारियों में 5 बार तो खाता तक नहीं खोल पाये हैं। वहीं पिछली दस पारियों में वह आठ बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंचे है। हाल में हुए मुकाबलों में वह लगातार शुरुआती ओवरों में ही अपना विकेट गंवा बैठे हैं। इससे टीम के प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। मौजूदा टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ियों में से एक होने के कारण उन पर बेहतर प्रदर्शन करने का भारी दबाव है क्योंकि सलामी बल्लेबाज के तौर पर वैभव सूर्यवंशी सहित कई युवा खिलाड़ी अवसर के इंतजार में हैं। ऐसे में अगर वह रन नहीं बनाते तो उनके लिए टीम में जगह बनाये रखना कठिन होगा। सैमसन के विदेशी धरती पर आंकड़ों पर ध्यान दें तो उनके लिए टीम में बने रहना कठिन हो गया है। पिछली 10 पारियों में वह विदेशी धरती पर दो बार ही शतक लगा पाये हैं। इसके अलावा वे दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं। हैरानी की बात यह है कि इस दौरान संजू पांच बार बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटे हैं, जो किसी भी अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज के लिए चिंता का विषय है। इसी कारण इस टी20 सीरीज में सैमसन के लिए अपनी जगह बचा पाना कठिन हो रहा है। पिछले तीन टी20 मैचों में उनका बल्ला शांत रहा है और वे बहुत जल्दी पवेलियन लौटे हैं।

फीफा विश्व कप 2026: मेक्सिको-इंग्लैंड प्री-क्वार्टर फाइनल तय समय पर

एजेंसी, मेक्सिको सिटी । फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में रविवार को मेक्सिको और इंग्लैंड के बीच होने वाला मुकाबला तय समय पर ही खेला जाएगा। द न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको सिटी में दोपहर बाद गरज-चमक के साथ भारी बारिश और संभावित बाढ़ की आशंका के चलते मैच का समय पहले करने पर विचार किया गया था, लेकिन अंततः फीफा ने निर्धारित समय पर ही मुकाबला कराने का फैसला किया। फीफा मौसम और संभावित जलभराव की स्थिति को देखते हुए मैच का समय बदलने पर विचार कर रहा था। हालांकि, बाद में इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया। फीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इस मैच के समय में कोई बदलाव दर्ज नहीं है। मेक्सिको के मुख्य कोच जावियर एग्विरे ने संभावित बदलाव का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने मेक्सिको के रेडियो स्टेशन 'रेडियो फॉर्मूला' से बातचीत में कहा, 'यह पेट पर लात मारने जैसा है। हमें अपनी पूरी योजना बदलनी पड़ती। छह घंटे की तैयारी बेकार हो जाती। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है। फीफा जो फैसला करेगा, हम उसका सम्मान करेंगे, लेकिन न मैं और न ही मेरे खिलाड़ी इससे खुश हैं।'

विश्व कप, एशियाई खेलों से पहले लय में लौटी भारतीय हॉकी टीम, यूरोप में दमदार प्रदर्शन से बढ़ा आत्मविश्वास

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2025-26 का समापन शानदार प्रदर्शन के साथ किया। टीम ने यूरोपीय चरण में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी और पेरिस ओलंपिक 2024 की स्वर्ण पदक विजेता नीदरलैंड को हराया, जबकि दुनिया की तीसरे नंबर की टीम इंग्लैंड के खिलाफ दोनों मुकाबलों में कड़ी टक्कर दी। इन प्रदर्शनों ने यह संकेत दिया कि भारतीय टीम विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले सही समय पर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय हासिल कर रही है। भारतीय टीम का यह सफर तीन अलग-अलग चरणों में आगे बढ़ा। राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद टीम ने अपनी कमजोरियों पर काम किया और होबार्ट चरण में सुधार के स्पष्ट संकेत दिए। होबार्ट में भारत ने शुरुआत स्पेन के खिलाफ 0-2 की हार से की, लेकिन इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में भारत को हार मिली। अंतिम मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद शूटआउट 3-1 से जीतकर आत्मविश्वास हासिल किया। होबार्ट चरण में भारतीय रक्षा पंक्ति ने खासा प्रभाव छोड़ा। चार मुकाबलों में टीम ने केवल छह गोल खाए, जिनमें तीन पेनल्टी कॉर्नर और तीन फील्ड गोल शामिल थे। वहीं आक्रमण में भी सुधार देखने को मिला, जहां टीम ने दो फील्ड गोल और दो पेनल्टी कॉर्नर गोल किए। जून में यूरोप चरण शुरू होने तक भारतीय टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर होता गया। रॉटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट के सबसे यादगार नतीजे दर्ज किए। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कॉर्नर शामिल रहे। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि भारतीय टीम अब केवल पेनल्टी कॉर्नर पर निर्भर नहीं है, बल्कि खुले खेल में भी लगातार मौके बनाकर गोल करने में सफल हो रही है। लंदन चरण में भी भारत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय में अपराजित रहा। टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ दोनों मैच जीते, जिनमें एक मुकाबले में 7-1 की बड़ी जीत दर्ज की। इंग्लैंड के खिलाफ दोनों मैच ड्रॉ रहे, जिनमें से एक शूटआउट भारत ने अपने नाम किया। लंदन चरण में भारत ने चार मैचों में कुल 13 गोल किए। इनमें सात फील्ड गोल, पांच पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक से आया। वहीं रक्षा पंक्ति ने केवल छह गोल खाए, जिनमें सिर्फ एक फील्ड गोल था। यूरोपीय चरण में भारत के लिए सबसे अधिक चार-चार गोल दिलप्रीत सिंह और जुगराज सिंह ने किए। अभिषेक, सुखजीत सिंह और नीलकांत शर्मा ने तीन-तीन गोल किए। कई खिलाड़ियों का गोल करना इस बात का संकेत है कि टीम का आक्रमण अब पहले से अधिक संतुलित और मजबूत हो चुका है। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा,"इस प्रो लीग अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि टीम का बढ़ता आत्मविश्वास रहा। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी टीमों को हराना और इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन यह साबित करता है कि यदि हम अपनी रणनीति पर अमल करें तो दुनिया की किसी भी टीम को चुनौती दे सकते हैं। विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले यह हमारे लिए बेहद सकारात्मक संकेत है। हालांकि हमें अभी भी अपने प्रदर्शन में और निरंतरता लानी होगी।" उन्होंने आगे कहा कि टीम मानसिक रूप से भी पहले से अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने कहा, "खिलाड़ियों ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग शैली की टीमों के खिलाफ खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों में हमारे काम आएगा।"

पूर्व विश्व चैंपियन व्लादिमीर क्रामनिक पर फिडे की बड़ी कार्रवाई, लगाया दो साल का प्रतिबंध

एजेंसी, नई दिल्ली । विश्व शतरंज महासंघ (फिडे) की एथिक्स एंड डिसिप्लिनरी कमीशन (ईडीसी) ने पूर्व विश्व चैंपियन व्लादिमीर क्रामनिक पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए दो वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, इसमें से अंतिम एक वर्ष का प्रतिबंध तीन वर्ष की परिवीक्षा (प्रोबेशन) अवधि के लिए निलंबित रहेगा। ऐसे में यदि क्रामनिक प्रोबेशन के दौरान किसी नए उल्लंघन के दोषी नहीं पाए जाते हैं, तो उन्हें केवल एक वर्ष का सक्रिय प्रतिबंध झेलना होगा। यह मामला फिडे प्रबंधन बोर्ड और फिडे फेयर प्ले आयोग द्वारा दायर शिकायतों के बाद शुरू हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि क्रामनिक ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर ग्रैंडमास्टर डेविड नवारा, दिवंगत ग्रैंडमास्टर डेनियल नारोडिट्स्की सहित कई खिलाड़ियों पर बिना पर्याप्त आधार के सार्वजनिक रूप से चीटिंग के आरोप लगाए। फिडे की ईडीसी ने सभी पक्षों की दलीलों और साक्ष्यों की समीक्षा के बाद क्रामनिक को फिडे एथिक्स कोड और डिसिप्लिनरी कोड के कई प्रावधानों का उल्लंघन करने का दोषी पाया।

जोकोविच ने फेडरर के 105 विंबलडन जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की, चौथे दौर में पहुंचे

एजेंसी, लंदन

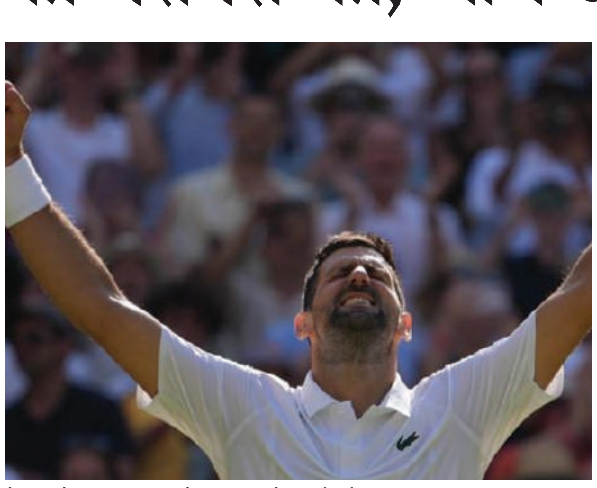

सात बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने विंबलडन 2026 में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। तीसरे दौर में उन्होंने शुक्रवार को फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेश को 7-5, 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। 39 वर्षीय जोकोविच अब फेडरर के पुरुष एकल में आठ विंबलडन खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में जोकोविच ने शुरुआती दो सेट शानदार अंदाज में अपने नाम किए, लेकिन तीसरे सेट में रिंदरकनेश ने दमदार वापसी करते हुए उन्हें 6-1 से हराकर मैच को रोमांचक बना दिया। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अपनी तेज सर्विस और आक्रामक खेल से चौथे सेट में भी जोकोविच को कड़ी चुनौती दी। हालांकि टाईब्रेक में अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने बेहतरीन संयम दिखाया और बिना कोई गलती किए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन में 105वीं जीत दर्ज की और रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब चौथे दौर में उनका सामना रूस के क्वालीफायर रोमन साफियुलिन से होगा। यदि जोकोविच यह मुकाबला जीतते हैं तो वह विंबलडन में सर्वाधिक मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में फेडरर को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे। इस सूची में शीर्ष पर मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 मैच जीते हैं।

फीफा विश्व कप 2026 : पेनल्टी शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को हराकर मिस्र पहली बार अंतिम-16 में

एजेंसी, आर्लिंगटन (टेक्सास)

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में शुक्रवार को मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीता और अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

मिस्र की जीत के नायक होसाम अब्देलमगीद रहे, जिन्होंने निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को यादगार जीत दिलाई। अब अंतिम-16 में मिस्र का सामना मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से होगा। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सलाह ने मैच के बाद कहा कि यह उनके जीवन के सबसे यादगार दिनों में से एक है। उन्होंने कहा कि टीम की खुशी से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता और इस जीत का आनंद हर मिस्रवासी के साथ साझा करना उनके लिए गर्व की बात है। मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बनाई, जब इमाम अशूर ने हेडर के जरिए गोल दागा। ऑस्ट्रेलिया ने 55वें मिनट में बराबरी कर ली, लेकिन यह गोल मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी के आत्मघाती गोल की बदौलत आया। हानी इस विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इसके बाद दोनों टीमें अतिरिक्त समय में भी विजयी गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंच गया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से हैरी साउटर पहली ही पेनल्टी चूक गए, जबकि 18 वर्षीय लुकास हेरिंगटन की चौथी पेनल्टी क्रॉसबार से टकरा गई। मिस्र की ओर से महमूद साबेर, रामी राबिया, मोहम्मद सलाह और अंत में होसाम अब्देलमगीद ने पेनल्टी को गोल में बदला और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया के लिए केवल जैक्सन इरविन और अवेयर माबिल ही सफल पेनल्टी लगा सके।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

अन्य विषयों से हटकर है आर्ट्स एंड क्राफ्ट का अध्यापन

आज भले ही हमारे आसपास हजारों जॉब ऑप्शंस उपलब्ध हों मगर जिन लोगों का मन शिक्षण में लगता है, उनके लिए आज भी यह बाकी सारे प्रोफेशंस से ऊपर है। यूं तो हर विषय का अध्यापन अपनी खास विशेषताएं लिए हुए होता है मगर आर्ट्स एंड क्राफ्ट का अध्यापन अन्य विषयों से हटकर है। आज, जबकि बच्चों के विकास पर जोर दिया जा रहा है, ऐसे में स्कूली स्तर पर आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर की मांग बढ़ रही है। अगर आप भी आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर बनने की चाह रखते हैं, तो इसके लिए आपको कुछ खास डिग्री/ डिप्लोमा/ सर्टिफिकेट हासिल करना होगा। ध्यान रहे, आर्ट्स एंड क्राफ्ट के तहत बहुत-से फील्ड्स आते हैं, जैसे ड्रॉइंग, पेंटिंग, थिएटर, हैडिक्राफ्ट्स, फोटोग्राफी, पेपर आर्ट, पॉटरी, क्ले मॉडलिंग आदि। हर कला एक हुनर है और इसे सिखाना, इससे भी बड़ा हुनर।

जरूरी क्वॉलिफिकेशन

यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त किसी सरकारी/प्रायवेट कॉलेज से आर्ट का नियमित ग्रेजुएट डिग्री कोर्स।
किसी प्रतिष्ठित कॉलेज या ट्रेनिंग सेंटर/ इंस्टीट्यूट से 1 या 2 वर्ष का आर्ट का डिप्लोमा कोर्स।
किसी सरकारी कॉलेज से 6 माह का आर्ट एप्रीसिएशन सर्टिफिकेशन कोर्स।
इन सभी कोर्सेज में थ्योरी और प्रेक्टिकल दोनों महत्वपूर्ण होते हैं। ये कोर्स करने से आप कला के तकनीकी पक्ष को अच्छी तरह समझने लगते हैं। साथ ही आपको क्लासरूम मैनेजमेंट, टीचिंग इक्विपमेंट आदि के बारे में भी सीखने को मिलता है। अपने ज्ञान को विस्तार देने के लिए आप कहीं शॉर्ट-टर्म इंटर्नशिप भी कर सकते हैं। ऐसा करने से नियमित जॉब करने से पहले आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

कौन होता है अच्छा आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर

एक अच्छा आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर बनने के लिए केवल अकादमिक क्वॉलिफिकेशन ही पर्याप्त नहीं है। इसके लिए आपमें कुछ और गुण होना भी बेहद जरूरी है, जैसे:

- आपमें कला और उसके अध्यापन को लेकर पैशन हो।
- आप विद्यार्थियों के साथ सहज तालमेल बिठा लेते हों और आपमें उन्हें प्रेरित करने की क्षमता हो।
- आप अथाह धैर्य के स्वामी हों। कला और शिक्षण दोनों ही धैर्य मांगते हैं।
- आप हर वक्त कुछ नया सोचने की क्षमता रखते हों।
- आप सिखाने के साथ-साथ खुद नया सीखते रहने को भी तत्पर हों।
- विभिन्न शिक्षण तकनीकों पर आपकी मजबूत पकड़ हो।

कंपनी के ब्रांड नेम के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं प्रोफेशनल्स

आजकल अनेक प्रोफेशनल्स किसी कंपनी के एम्प्लॉयी के तौर पर कई-कई घंटे और वह भी असुविधाजनक समय पर, काम करने के बजाय फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए वे किसी कंपनी के ब्रांड नेम पर निर्भर रहने के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं।

यह बात खास तौर पर क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों पर लागू होती है, जैसे फोटोग्राफर, राइटर, कॉपी एडिटर, पेंटर, फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, कार्टूनिस्ट आदि। फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसे कई बंधनों से मुक्त हो जाते हैं, जो किसी कंपनी के रेगुलर एम्प्लॉयी के तौर पर आपको मानने पड़ते हैं।

काम के घंटे

फ्रीलांसर को 9 से 5 बजे तक ऑफिस में बैठकर काम नहीं करना होता। अगर आप सुबह देर से उठते हैं और रात देर तक काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपनी सुविधा से अपना काम का समय चुन सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स

हर ऑफिस में खेमेबाजी, राजनीति आदि होती ही है। कोई आपके काम का श्रेय लेने की फिराक में रहता है, कोई पीठ पीछे आपकी बुराई करता है। कई लोग ऐसे माहौल में असहज हो जाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ काम नहीं कर पाते। अगर आप ऐसे लोगों में से हैं, जिन्हें इस तरह का माहौल कतई बर्दाश्त नहीं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां बस आप हैं और आपका काम है।

सैलरी

आपको मैनेजमेंट के साथ अपने वेतन और वेतनवृद्धि को लेकर मोलभाव नहीं करना होता। एक बार आपने खुद को फ्रीलांसर के तौर पर स्थापित कर लिया, तो आप जो उचित समझें, उतना पैसा डिमांड कर सकते हैं। अगर आपका नाम हो गया, तो क्लाइंट्स आपकी डिमांड के अनुसार पैसा देने को तैयार रहेंगे।

बॉस

नौकरी करते हुए केवल अच्छा काम करना ही पर्याप्त नहीं होता, आपको अपने बॉस को भी खुश रखना होता है। तभी आपके काम को पहचान (और आपको तरक्की) मिलती है। मगर फ्रीलांसर के सामने ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। अगर आप अपने काम से अपने क्लाइंट्स को संतुष्ट कर दें, तो आपको मार्केट में पहचान मिल जाएगी। फिर वह क्लाइंट तो दोबारा आपके पास आएगा ही, दूसरे क्लाइंट्स भी आपका नाम सुनकर आपसे संपर्क करेंगे। यदि अधिक ऑफर्स हों, तो आप अपनी पसंद से क्लाइंट्स चुन सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए काम करना जरूरी नहीं होता, जिन्हें आप पसंद नहीं करते।

ऑफिस एटिकेट

ऑफिस में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप एक खास तरह से खुद को प्रस्तुत करें। आपको अपने कपड़ों, अपनी बोलचाल, बॉडी लैंग्वेज आदि का लगातार ध्यान रखना होता है। जब आप फ्रीलांसर के तौर पर घर से ही काम करते हैं, तो आप चाहे जैसे कपड़े पहन सकते हैं, बीच में किसी से बिंदास गपशप भी कर सकते हैं। कुर्सी पर पैर चढ़ाकर काम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी यहां कोई आपको नहीं टोकेगा।

चुनौतियां भी कम नहीं

ऐसा नहीं है कि फ्रीलांसिंग में मजा ही मजा है। इसमें आपको मेहनत तो करनी ही होती है, साथ ही इसमें खतरा भी है। यहां आपको हर महीने तयशुदा दिन तयशुदा सैलरी नहीं मिलती। जब जितना काम किया, उस हिसाब से पैसे मिलेंगे। अपनी मार्केटिंग आपको खुद करनी होती है। नेटवर्किंग, पीआर, क्लाइंट मैनेजमेंट आदि अच्छा होने पर ही फ्रीलांसर के रूप में आप सफल रह सकते हैं। यह काम अपना बिजनेस चलाने की तरह ही है। अच्छा-बुरा जो भी हो, उसके लिए आप ही जिम्मेदार होते हैं।बेहतर यही होगा कि जॉब छोड़ने से पहले आप फ्रीलांसिंग की दुनिया की जांच-परख कर लें। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है।
स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी इसी में है कि आप एकाध साल गुजारा करने जितना पैसा अलग से सुरक्षित रखें। वैसे बेहतर यही होगा कि आप जॉब में रहते हुए फ्रीलांसिंग शुरू कर दें और यह काम जम जाने के बाद ही जॉब छोड़ें।

आसान नहीं, चुनौतीपूर्ण है टेलिफोनिक इंटरव्यू

आजकल अक्सर कंपनियां नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्ट-लिस्ट करने, इंटरव्यू का खर्च कम करने या फिर दूसरे शहरों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए टेलिफोनिक इंटरव्यू लेती हैं। जो भी हो, आखिरकार यह है तो जॉब इंटरव्यू ही और अगर आप ऐसा इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपके लिए यह अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आपको केवल अपनी आवाज से ही इंटरव्यूअर को प्रभावित करना है।

आपको यह भी लग सकता है कि टेलिफोनिक इंटरव्यू देना तो आसान है क्योंकि यहां आपको इंटरव्यू बोर्ड को अपने कपड़ों, बॉडी लैंग्जवेज आदि से इम्प्रेस नहीं करना लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। चूंकि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता, सो वह आपके प्रत्येक जवाब का अधिक बारीकी से अध्ययन करेगा। ऐसे में हर सवाल का जवाब बिल्कुल सटीक होना जरूरी हो जाएगा। बेहतर यही होगा कि आप अपने टेलिफोनिक इंटरव्यू की अच्छी-खासी तैयारी कर लें। आम तौर पर उम्मीदवार को पहले से ही इंटरव्यू कॉल के दिन और समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। उस हिसाब से नियत दिन और समय पर तैयार रहें। अगर आपको अचानक ऐसे समय कॉल आ जाता है, जब आप किसी शोर-गुल वाली जगह पर या फिर बाथरूम में हैं, तो क्षमा मांगते हुए उनसे कहिए कि कृपया थोड़ी देर बाद कॉल करें। मगर ध्यान रखें, हो सकता है कि आपको त्वरित तौर पर इंटरव्यू देना ही पड़े, सो इसके लिए तैयार रहें।

इंटरव्यू से पहले

फोन इंटरव्यू कई लोगों के लिए डरावने भी हो सकते हैं क्योंकि आप सामने वाले को देख नहीं पाते और इंटरव्यूअर आपकी आवाज के टोन से आपके बारे में राय बनाएगा। कुछ तैयारी करके आप इस इंटरव्यू को आसान बना सकते हैं:

- अपना रेज्यूमे अपने सामने ही रखें।
- कागज और पेन तैयार रखें, ताकि कुछ नोट करने का काम पड़े तो यहां-वहां ढूंढना न पड़े।
- कंपनी के बारे में पहले से जानकारी एकत्र करके रखें। इंटरव्यू के दौरान यह जानकारी आपकी पहुंच के भीतर होना चाहिए।
- अपनी उपलब्धियों की सूची उदाहरण सहित तैयार रखें। टेलिफोनिक इंटरव्यू का यह एक बड़ा फायदा है कि आप लिखी हुई सूची में से पढ़कर सुना सकते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि इंटरव्यू के दौरान आपके आसपास कोई शोर-गुल या किसी तरह का व्यवधान न हो। बच्चे, मित्र या पालतू आकर आपको डिस्टर्ब न करें। रेडियो-टीवी बंद हो। आसपास कोई दूसरा फोन भी न हो, जो अचानक इंटरव्यू के बीच बज उठे।
- अपने फोन में कॉल वेटिंग को स्विच ऑफ कर लें, ताकि इंटरव्यू कॉल के दौरान व्यवधान न हो।
- अगर इंटरव्यू मोबाइल फोन पर दे रहे हैं, तो फोन को पहले ही पूरी तरह चार्ज कर लेना न भूलें।
- फोन पर इंटरव्यू देने की प्रेक्टिस करें और अपनी आवाज को रेकॉर्ड करके सुनें। उसमें जो भी कमी लगे, उसे सुधारने का प्रयास करें।
- माना कि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान थोड़े फॉर्मल कपड़े पहनेंगे, तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और आप प्रोफेशनलिज्म से इंटरव्यू दे पाएंगे।
- पानी का ग्लास जरूर अपने पास रखें।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, रविवार, 05 जुलाई, 2026

सामंथा की 'मां इंटी बंगारम' का बनेगा सीक्वल

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का सीक्वल बनने वाला है। इस बात की पुष्टि खुद फिल्म के राइटर राज निदिमोरू ने की है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

'मां इंटी बंगारम' की जबरदस्त सफलता के बाद विजाग में एक ग्रैंड सक्सेस मीट रखा गया था। इसी दौरान राज निदिमोरू ने फैंस को सरप्राइज देते हुए बताया कि फिल्म का दूसरा पार्ट भी आएगा। राज ने पहले वहां मौजूद लोगों से पूछा कि क्या वे इस कहानी को आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। जैसे ही लोगों ने जोरदार तालियां और चीयर किया, उन्होंने सीक्वल की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में पहले से एक आइडिया है। वही टीम इस पर काम करेगी। पहली बार मुझे किसी फिल्म का दूसरा पार्ट बनाने की प्रेरणा मिली है। इसमें दोगुना मजा और दोगुना एक्साइटमेंट होगा। आगे चलकर मैं इसके बारे में और जानकारी दूंगा।'

राज ने यह भी बताया कि 'मां इंटी बंगारम' को लोगों से इतना प्यार मिला कि उन्हें अपने पुराने हिट प्रोजेक्ट्स से भी ज्यादा खुशी हुई, क्योंकि यह फिल्म सीधे दिल को छू गई। नंदिनी रेड्डी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सामंथा रुथ प्रभु के साथ गुलशन देवैया, श्रीमुखी और दिगंत मंचले नजर आए। इस फिल्म को सामंथा, राज निदिमोरू और हिमांशु ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। बॉक्स ऑफिस की बात करें तो यह फिल्म महिला लीड पर आधारित फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।

1980 के दौर पर आधारित इस कहानी में सामंथा 'स्वर्णा' का किरदार निभा रही हैं, जो अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ एक डॉक्टर से शादी करती है। शुरुआत में उसे ससुराल वालों का प्यार नहीं मिलता, लेकिन धीरे-धीरे वह सबका दिल जीत लेती है। तभी उसका अतीत लौटकर उसकी जिंदगी में उथल-पुथल मचा देता है।

सनी देओल के साथ काम करना मेरे करियर के लिए सौभाग्य की बात

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने अभिनेता सनी देओल के साथ काम करने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अभिनेता के साथ काम करना, उनके करियर के लिए सौभाग्य की बात है। फिल्म 'इक्का' में दीया मिर्जा और सनी देओल साथ दिखाई देंगे। 'इक्का' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए दीया ने कहा कि वह हमेशा से देओल परिवार की प्रशंसक रही हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए हां कहने की वजह बताते हुए दीया ने कहा, 'जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह बहुत दिलचस्प, मानवीय और दमदार लगी। इसमें किरदारों को बहुत अनोखे, दिलचस्प और आकर्षक ढंग से दिखाया गया है, इसलिए मुझे हां कहना ही पड़ा। सनी देओल के साथ काम करना मेरे करियर के लिए सौभाग्य की बात है और मैं इसे लेकर बहुत खुश थी।' उन्होंने अपने को-स्टार्स तिलोत्तमा शोम और अक्षय खन्ना की भी तारीफ की।

दीया मिर्जा ने कहा कि मैं हमेशा से देओल परिवार की दयालुता, उदारता और जमीन से जुड़े रहने की तारीफ करती रही हूं। सनी देओल बिल्कुल वैसे ही हैं जैसा मैंने सोचा था, बल्कि उससे भी बेहतर। मैंने टीजर लॉन्च के समय भी यह बात कही थी। ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना जिसमें तिलोत्तमा शोम और अक्षय खन्ना जैसे कलाकार हों, यह सच में अद्भुत है और सिद्धार्थ ने कहानी को बहुत संवेदनशीलता और समझदारी से पेश किया है। दीया मिर्जा ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा कि अवंतिका एक ऐसी महिला है जो अपने आसपास के लोगों को अपनापन, हिम्मत और स्थिरता देती है, तब भी जब जिंदगी बहुत अनिश्चित हो जाती है। मैं उसकी हिम्मत और उस शांत साहस से प्रभावित हुई जिसके साथ वह अपनी चुनौतियों का सामना करती है। उन्होंने कहा कि 'इक्का' की खासियत यह है कि कोर्टरूम ड्रामा के पीछे परिवार, प्यार और मुश्किल फैसलों की एक गहरी मानवीय कहानी है। मैं नेटफ्लिक्स पर एक ऐसी कहानी के साथ वापसी करके बहुत खुश हूं जो भावनात्मक रूप से समृद्ध और बहुत दिलचस्प है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे जरूर देखेंगे।

फिल्म 'मारिया' को जल्दबाजी में रिलीज करने के पक्ष में नहीं हैं रोहित शेट्टी

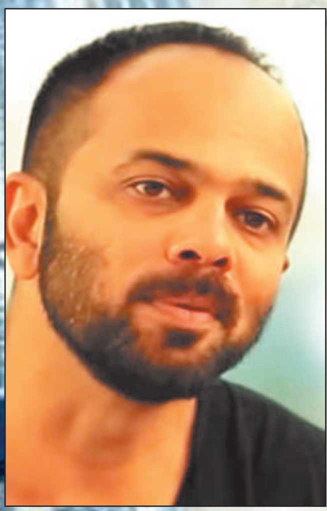

जॉन अब्राहम-तमन्ना भाटिया स्टारर प्रोजेक्ट 'मारिया' लगभग तैयार हो गया है। निर्देशक रोहित शेट्टी निर्देशित इस फिल्म में राकेश मारिया की जिंदगी और मुंबई अंडरवर्ल्ड की असली जंग पर आधारित कहानी देखने को मिलेगी। हालांकि दर्शकों को इसकी रिलीज के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। आमतौर पर किसी फिल्म की 95 फीसदी शूटिंग पूरी हो जाए तो मेकर्स रिलीज डेट तलाशने लगते हैं लेकिन रोहित की इस महत्वाकांक्षी फिल्म 'मारिया' की स्थिति इसके ठीक उलट है। यह प्रोजेक्ट लगभग तैयार माना जा रहा है, बावजूद इसके इसकी बची हुई शूटिंग और रिलीज दोनों फिलहाल थमी हुई हैं। सूत्रों के मुताबिक इसकी सबसे बड़ी वजह ये है कि रोहित का पूरा ध्यान इस समय अपनी कॉमेडी फ्रेंचाइज गोलमाल पर है।

एसेल स्टूडियो से हुई थी शुरुआत, कुछ पैचवर्क का काम है बाकी

सूत्रों के अनुसार फिल्म की मुख्य शूटिंग तो काफी पहले पूरी हो चुकी है पर अभी कुछ पैचवर्क, क्लोज-अप शॉट्स और सीमित सीक्वेंस ही बाकी हैं। तकनीकी तौर पर प्रोजेक्ट लगभग तैयार है लेकिन मेकर्स जल्दबाजी में इसे रिलीज करने के पक्ष में नहीं हैं। फिल्म की शुरुआत मुंबई के ट्रॉम्बे स्थित एसेल स्टूडियो से हुई थी, जहां पुलिस मुख्यालय, जांच कक्ष और प्रशासनिक दफ्तरों के बड़े सेट तैयार किए गए थे।

बॉलीवुड बनाम रीजनल सिनेमा की तुलना पर बोलीं दिव्या दत्ता

आज के दौर में बॉलीवुड और रीजनल सिनेमा की तुलना करते लोग हर तरफ देखने को मिल जाएंगे। इस पर अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अपने विचार रखे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजरिए से देखना सही नहीं है। हर जगह अच्छी और खराब दोनों तरह की फिल्में बनती हैं।

असली फर्क भाषा का नहीं, बल्कि कहानी और प्रस्तुति का होता है। जब दिव्या दत्ता से पूछा कि क्या रीजनल सिनेमा कॉमेडी फिल्मों को बॉलीवुड से बेहतर तरीके से पेश कर रहा है, तो इस सवाल पर उन्होंने कहा, ''इस तरह की तुलना करना सही नहीं है। किसी भी कॉमेडी फिल्म की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी कहानी कितनी मजबूत है और उसे दर्शकों के सामने किस तरह पेश किया गया है। मेरा मानना है कि अगर कंटेंट अच्छा है, तो वह किसी भी भाषा में हो, दर्शकों को जरूर पसंद आता है।'' दिव्या दत्ता ने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री को भाषा के आधार पर बांटना ठीक नहीं है। चाहे फिल्म हिंदी में हो, किसी रीजनल भाषा में हो या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हो, अगर कहानी दमदार है और उसे सही तरीके से दिखाया गया है तो वह लोगों के दिलों तक पहुंचती है। आज दर्शक काफी समझदार हो चुके हैं और वे सिर्फ नाम या भाषा देखकर फिल्म को पसंद नहीं करते, बल्कि कंटेंट को प्राथमिकता देते हैं।''

सेफ हैंड में है मेरा हिंदी डेब्यू

अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म के संगीत को लेकर उत्साहित हैं जीवी प्रकाश

तमिल और तेलुगु सिनेमा में एक म्यूजिक कंपोजर के तौर पर अपनी पहचान बनाने के बाद जीवी प्रकाश कुमार अब 'नई नवेली' के साथ अपनी पहली बड़ी हिंदी फिल्म का म्यूजिक देने के लिए तैयार हैं। यह प्रोजेक्ट आनंद एल राय के प्रोडक्शन हाउस का है और इसे बालाजी मोहन डायरेक्ट कर रहे हैं। म्यूजिशियन जो एआर रहमान के भतीजे भी हैं ने यामी गौतम धर की फिल्म के लिए म्यूजिक बनाने, लिप-सिंक गानों के सदाबहार आकर्षण और अपनी फीस को लेकर उड़ रही अफवाहों के बारे में बात की।

अपने डेब्यू को बताया दिलचस्प

'नई नवेली' के लिए अपना पहला पूरा हिंदी म्यूजिक स्कोर तैयार करने के बारे में 'वैरायटी इंडिया' से बात करते हुए जीवी प्रकाश कुमार ने हिंदी सिनेमा में अपने सफर को याद किया। प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' पर काम करने का मौका मिला, क्योंकि अनुराग कश्यप मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। लेकिन यह मेरे लिए पूरी तरह से हिंदी डेब्यू नहीं था। जहां तक आनंद एल राय के बैनर तले बन रही 'नई नवेली' की बात है, तो मैं इसके सभी गाने कंपोज कर रहा हूं। यह बहुत दिलचस्प होगा। मुझे यकीन है कि गाने बहुत अच्छे बनेंगे। यामी गौतम इसमें लीड रोल निभा रही हैं। हम सब जानते हैं कि वह कितनी खूबसूरती से भावनाएं जाहिर करती हैं। इसलिए मेरे गाने सुरक्षित हाथों में हैं। 'नई नवेली', जिसे बालाजी मोहन डायरेक्ट कर रहे हैं एक ऐसी फिल्म होगी जिसका बेसब्री से इंतजार रहेगा।

हर म्यूजिक स्कोर मेरे लिए एक चुनौती है

जब उनसे पूछा गया कि क्या हिंदी फिल्म के लिए म्यूजिक बनाना तमिल या तेलुगु प्रोजेक्ट पर काम करने से अलग लगता है? इस पर संगीतकार ने तुरंत किसी भी तरह के फर्क की बात को नकार दिया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह तेलुगु या तमिल फिल्म से अलग नहीं है। हर म्यूजिक स्कोर मेरे लिए एक चुनौती होती है। भाषा से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं हर स्कोर को ऐसे बनाता हूं जैसे वह मेरा पहला स्कोर हो।

म्यूजिक कंपोजर के साथ सिंगर और एक्टर भी हैं जीवी प्रकाश

जीवी प्रकाश कुमार एक म्यूजिक कंपोजर, सिंगर और एक्टर हैं। उन्होंने 120 से ज्यादा तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम किया है। उन्हें 'सूरराई पोटरु' के लिए बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन का नेशनल अवॉर्ड मिला। वे मशहूर म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान के भांजे हैं। म्यूजिक के अलावा वो तमिल सिनेमा में एक लोकप्रिय एक्टर भी हैं और अपनी 2015 की फिल्म 'डार्लिंग' के लिए जाने जाते हैं।

पुलिसवालों के प्रति मेरी समझ बहुत बढ़ गई

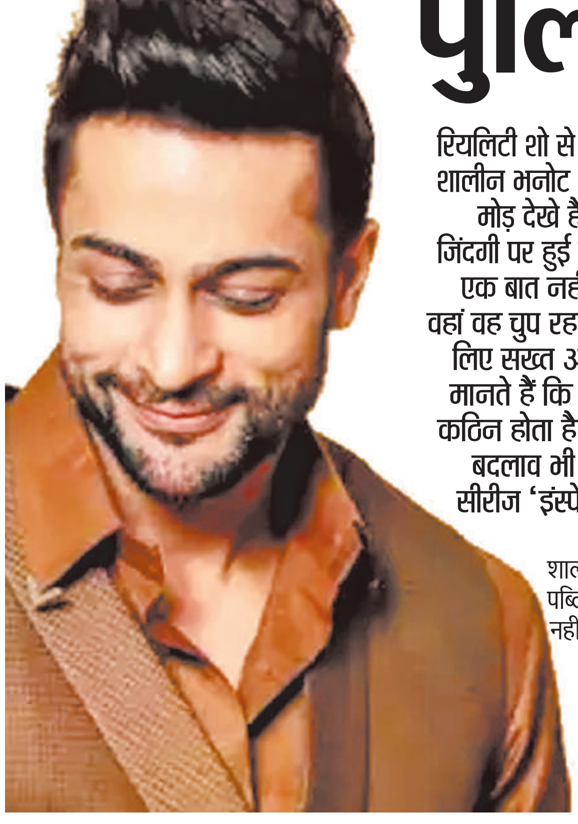

रियलिटी शो से लेकर टीवी और अब ओटीटी तक शालीन भनोट ने अपने करियर में लगातार नए मोड़ देखे हैं। उतार-चढ़ाव, चर्चाओं और निजी जिंदगी पर हुई सार्वजनिक बहसों के बीच उन्होंने एक बात नहीं बदली, जहां जरूरी नहीं होता, वहां वह चुप रहना बेहतर है। अपने किरदारों के लिए सख्त अनुशासन अपनाने वाले शालीन मानते हैं कि फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन जितना कठिन होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण मानसिक बदलाव भी होता है। पिछले दिनों अपनी वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन को लेकर काफी चर्चा में रहे।

शालीन ने कहा- मेरी जिंदगी के कई फेज पब्लिक डिस्कशन में रहे पर मैंने कोई दूरी नहीं बनाई। दरअसल, मेरी पर्सनल लाइफ मेरी है। मेरा अपना एक दायरा है और मैं उसे हमेशा मेंटेन करता हूं। मैं हमेशा से ऐसा करता आया हूं। प्रोफेशनल लाइफ अपनी जगह है। मुझे इसमें कोई तकलीफ नहीं होती। मैंने कोई दायरा बनाने के बारे में अलग से सोचा भी नहीं है। मेरी पब्लिक मेरी सब कुछ है। आज मेरे करोड़ों फॉलोअर्स हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर हैं, उन्हें मेरे बारे में सब पता है। मुझे उसमें कोई शर्म नहीं है और मैं किसी को जज भी नहीं करता। जहां मुझे नहीं बोलना होता, वहां मैं नहीं बोलता और वैसे ही अपनी पब्लिक को भी नहीं बोलता। बाकी मेरे घर में ना मीडिया वाले घुसते और ना ही फैंस क्योंकि सबकी एक सीमा होती है।

मेरे लिए फिजिकल और इमोशनल दोनों ही ट्रांसफॉर्मेशन मुश्किल हैं। अगर कोई बोले कि दो महीने के अंदर पूरा लुक बदलना है तो बहुत मुश्किल हो जाती है। मैंने करके देखा है इसलिए कह रहा हूं। फिजिकल के अलावा कई बार मेंटली ज्यादा चैलेंजिंग हो जाता है। दरअसल, बोला जाता है कि यह नहीं, वो नहीं खाना है, तीन महीने बाद यह करना है। मैंने भी करीब 110 दिन बहुत डिसिप्लिन से काम किया।

पुलिसवालों के प्रति मेरी समझ बहुत बढ़ गई

एक कॉप का कैरेक्टर करने के बाद मेरी उनके प्रति समझ बहुत बढ़ गई है। कई बार हमें लगता है कि एयर होस्टेज का काम सिर्फ पानी और खाना देना है लेकिन ऐसा नहीं है। आप जब दूसरी तरफ का काम समझते हैं तो पता चलता है कि वह कितना महत्वपूर्ण है। वह आपातकाल परिस्थितियों में आपकी जान बचाती हैं। उन्हें मेडिकल नॉलेज भी दी जाती है। इसी तरह, जब पुलिसवाले को देखते हैं तो आपको लगता है कि अच्छा, यही उनका काम है लेकिन असल में उनका काम बहुत मुश्किल होता है। उसमें सही और गलत की परख करना मुश्किल है। एक पुलिसवाले के लिए, वो भी एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के लिए यह और कठिन हो जाता है। एनकाउंटर स्पेशलिस्ट जो होता है, उसे एक सेकेंड में सही और गलत का फैसला करना होता है। कहां गोली मारनी है, हवा में चलानी है, पैर पर हिट करना है, मारना है या नहीं मारना है? यह जजमेंट उसे उसी पल लेना होता है। आप जब इस बात को समझते हो तो पुलिस के लिए बहुत रिस्पेक्ट बढ़ जाती है। उन्हें किसी के जीवन के बारे में फैसला लेना पड़ता है। यह बहुत मुश्किल और ट्रिकी सिचुएशन होती है।

अभी तो बहुत सारे बदलाव आने बाकी हैं

मेरा सफर रोडीज, टीवी, फिक्शन, डांस रियलिटी, बिग बॉस, बेकाबू और अब ओटीटी तक आया है। इस सफर में मैं हर फेज के बाद बदल रहा हूं। यहां तक कि जीवन के हर पल में मैं खुद को बदलता हुआ महसूस कर रहा हूं। इस साल मुझे ऐसा लगता है कि मैं बहुत सीरियसली बदल रहा हूं। हर पड़ाव में मुझे बदलाव दिखे हैं। मैंने जब बिग बॉस किया था, वह भी बहुत बड़ा पड़ाव और बदलाव था। आप जब करोड़ों लोगों के सामने एकदम से बाहर आते हो तो वह पल कमाल होता है। मैं टोरंटो में था, वहां अपना शो कर रहा था। हजारों लोग आए थे। मैंने अपने लिए स्टेडियम भरे हुए देखे हैं। मुझे लगा कि वाह क्या बात है। फिर अगले ही पल दिलजीत दोसांझ का शो देख लिया तो मन छोटा हो गया कि अभी जिंदगी में आगे बहुत कुछ पाना बाकी है। अभी तो बहुत सारे चेंजेस आने हैं और मुझे लगता है कि सारे बदलाव अच्छे ही होंगे।

टीवी जो मोहब्बत देता है, वो कोई नहीं दे सकता

टीवी और ओटीटी, दोनों मीडियम अलग हैं। टीवी ने मुझे बहुत प्यार दिया है। टीवी जो मोहब्बत देता है, वो कोई नहीं दे सकता। इसके जरिए आप हर घर में पहुंच जाते हैं। आज जितना मैं जाना जाता हूं, वह टीवी की वजह से है। वही वेब की एक रिच मार्केट और ऑडियंस है।